3 राजधानी
शिक्षकों के तबादले का आदेश स्थगित

6 अभिमत
हिंदूवाद और हिंसा की अवधारणा

11 विदेश
कीव में रूस का हमला 20 लोगों की जान गई

12 स्पोर्ट्स
जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 240
नई दिल्ली, मंगलवार, 9 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सरकार किसान उत्पादक संगठनों की समीक्षा करेगी

राष्ट्रीय-10

आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद

● जम्मू-कश्मीर में सेना के वाहन को बनाया निशाना, दहशतगर्दों के खिलाफ गहन अभियान जारी

मोहित कंडारी। जम्मू

कठुआ जिले की बिलावर तहसील के लोहाई मल्हार ब्लॉक के तहत मछेड़ी के बदनोटा गांव के पास सोमवार को सेना के वाहन पर आतंकी हमले में एक जेसीओ सहित सेना के पांच जवान शहीद हो गए और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह क्षेत्र भारतीय सेना की 9वीं कोर के अंतर्गत आता है। यह हमला 9 जून को रियासी जिले में विदेशी आतंकवादियों के एक समूह द्वारा एक तीर्थयात्री बस को निशाना बनाने के एक महीने बाद हुआ था जिसमें नौ नागरिक मारे गए थे और 41 अन्य घायल हो गए थे। रविवार सुबह सीमावर्ती राजौरी जिले में आतंकवादियों के एक अन्य समूह द्वारा सेना की एक चौकी पर इसी तरह के हमले का प्रयास किया गया था। हालाँकि, सतर्क सैनिकों ने उसे खदेड़ दिया था।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आतंकवादियों के एक समूह ने एक प्रमुख पहाड़ी क्षेत्र पर पहले ग्रेनेड फेंककर और बाद में अंधाधुंध गोलीबारी करके सेना के वाहन को निशाना बनाया। आतंकवादियों ने सेना के वाहन को निशाना बनाने से पहले कोहरे के मौसम और खराब सड़क की स्थिति का भी फायदा उठाया। भारी गोलीबारी के दौरान कई सैनिक बुरी तरह घायल हो गए। आतंकवादियों के बारे में तुरंत पता नहीं चल सका क्योंकि घने जंगली इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान खबर लिखने तक जारी था। गोलीबारी की घटना की पुष्टि करते हुए, जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक प्रवक्ता ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, कठुआ जिले के माचेडी इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी चल रही है। गोलीबारी के शुरुआती दौर में सेना के दो जवान घायल हो गए। बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

इस बीच, आतंकवादियों के भागने के रास्ते बंद करने और उन्हें मार गिराने के लिए अतिरिक्त जवानों को घटनास्थल पर भेजा गया है। वरिष्ठ पुलिस और सेना अधिकारी चल रहे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। सेना के अधिकारियों ने क्षेत्र के निवासियों को भारी गोलाबारी में चोटों से बचने के लिए घर के अंदर रहने और बाहर न निकलने की सलाह जारी की है। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में लगातार दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादियों को मार गिराने के एक दिन बाद 1 सेकंड आरआर के कमांडर ब्रिगेडियर पृथ्वीराज चौहान ने सोमवार को दावा किया कि सुरक्षा बलों ने घाटी में पाकिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन को बड़ा झटका दिया है। दक्षिण कश्मीर में छह आतंकवादियों का मारा जाना हिज्बुल मुजाहिदीन के लिए एक बड़ा झटका है। सुरक्षा बल आतंकवादियों को अपने घरों में पनाह देने में स्थानीय लोगों की भूमिका की भी जांच कर रहे हैं। नियमित तलाशी के दौरान, सुरक्षा बलों को एक नागरिक आवास में अलमारी के पीछे छिपे एक मजबूत कंक्रीट ठिकाने पर नजर पड़ी।

वरिष्ठ सेना अधिकारी ने उन शहीद सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने दोहरी मुठभेड़ों के दौरान कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। ब्रिगेडियर चौहान ने मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए कहा कि ऑपरेशन के समापन के बाद हमने लगभग 6 किलोग्राम वजनी एक आईईडी को पाया और तत्काल क्षति को ध्यान में रखते हुए नष्ट कर दिया। मोडरगाम मुठभेड़ पर बोलते हुए, दक्षिण कश्मीर के डीआईजी जावेद अहमद माटू ने कहा कि दूसरे ऑपरेशन में दो आतंकवादी मारे गए। आदिल, जिसके खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कई एफआईआर थीं, एक ऑपरेशन में मारा गया। दूसरी मुठभेड़ विशिष्ट सूचना के आधार पर चिन्निगम इलाके में हुई, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए। इनमें श्रेणी ए का आतंकवादी यावर बशीर डार भी शामिल था। अन्य की पहचान तौहीद अहमद, शकील अहमद वानी और जहीर अहमद डार के रूप में हुई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। दोनों स्थानों पर ऐसे ठिकाने थे जिनका उपयोग आतंकवादी काफी समय से कर रहे थे।

नई दिल्ली में नीट मामले पर सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट परिसर में पुनः परीक्षा की मांग करते विद्यार्थी

परीक्षा की शुचिता यदि नष्ट हुई है तो नीट टेस्ट दोबारा: सुप्रीम कोर्ट

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि यदि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 की शुचिता नष्ट हो गई है तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। शीर्ष अदालत ने साथ ही राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी और सीबीआई से प्रश्नपत्र लीक होने के समय तथा लीक होने और वास्तविक परीक्षा के बीच की अवधि के बारे में जानकारी मांगी। उच्चतम न्यायालय ने पेपर लीक के लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली की भी जानकारी मांगी। इसके साथ ही उसने गलत कृत्य करने वालों की संख्या के बारे में भी सवाल किया जिनकी अब तक पहचाने हुई है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, 'एक बात स्पष्ट है कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है।'

पीठ ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की सीमा और भौगोलिक सीमाओं के पार लाभार्थियों का पता लगाना होगा, उसके बाद ही अदालत पांच मई को आयोजित हुई विवादास्पद मेडिकल प्रवेश परीक्षा में दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दे सकती है। नीट-यूजी में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर अगली सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख तय करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के जांच अधिकारी को जांच की स्थिति को दर्शाने वाली रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। सीबीआई कदाचार, ओएमआर शीट में हेरफेर, अभ्यर्थी के बदले किसी अन्य के परीक्षा देने और धोखाधड़ी के आरोपों की जांच कर रही है। पुनः परीक्षा के आदेश पर कानूनी स्थिति का उल्लेख करते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा कि इसकी जांच करनी होगी कि क्या कथित उल्लंघन प्रणालीगत स्तर पर हुआ है, क्या उल्लंघन ने पूरी परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता को प्रभावित किया है और क्या धोखाधड़ी के लाभार्थियों को बेदाग छात्रों से अलग करना संभव है।

पीठ ने कहा, ऐसी स्थिति में जहां उल्लंघन पूरी प्रक्रिया को प्रभावित करता है और लाभार्थियों को दूसरों से अलग करना संभव नहीं है, फिर से परीक्षा का आदेश देना आवश्यक हो सकता है। पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को गलत कृत्यों के लाभार्थियों की पहचान के लिए अब तक उठाए गए कदमों के बारे में खुलासा करना चाहिए। पीठ ने एनटीए से उन केंद्रों और शहरों की पहचान करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी, जहां प्रश्नपत्र लीक हुए थे। पीठ ने साथ ही इसके लाभार्थियों की पहचान करने के लिए अपनाए गए तौर-तरीकों और अब (शेष पेज 9)

मास्को में सोमवार को हवाईअड्डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

मोदी-पुतिन संबंधों को करेंगे मजबूत

पीएनएस/एजेंसियां। मॉस्को/नई दिल्ली

● पुतिन से शिखर वार्ता करने दो दिवसीय यात्रा पर मास्को पहुंचे प्रधानमंत्री

यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण की शुरुआत के बाद से अपनी पहली यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा, व्यापार और रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता करने के लिए सोमवार को रूस की दो दिवसीय हाई-प्रोफाइल यात्रा पर मास्को पहुंचे। मोदी ने मॉस्को पहुंचते ही कहा कि वह भविष्य के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को गहन बनाने को लेकर आशान्वित हैं और भारत तथा रूस के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने वनुकोवो-2 हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। वह मोदी को हवाई अड्डे से उनके होटल तक छोड़ने उनके साथ गए। मांतुरोव ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस यात्रा के दौरान उनका भी स्वागत किया था।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मॉस्को पहुंचा। हमारे देशों के बीच, खासतौर पर सहयोग के भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने को लेकर आशान्वित हूं। उन्होंने कहा, हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों का हमारे लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। यह पिछले पांच साल में मोदी की रूस की पहली यात्रा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद उनकी पहली मॉस्को यात्रा है। यह मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। इससे पहले वह 2019 में रूस गए थे जहां उन्होंने सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था। पुतिन मॉस्को में 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन के तहत मंगलवार को होने वाली वार्ता से पहले आज रात भारतीय प्रधानमंत्री (शेष पेज 9)

पंचकूला में बस पलटी, 50 स्कूली बच्चों समेत कई यात्री घायल

● हरियाणा के पिंजौर क्षेत्र में हुआ हादसा, दुर्घटना की जांच के आदेश, चालक तथा परिचालक निलंबित

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हादसे में जख्मी छात्रा को एंबुलेंस में लेकर जाते चिकित्साकर्मी।

पंचकूला के पिंजौर क्षेत्र में सोमवार की सुबह बस पलटने से सड़क हादसे में 50 स्कूली बच्चों समेत करीब 60 यात्री घायल हो गए। घायलों को पिंजौर, पंचकूला तथा चंडीगढ़ के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार सड़क की हालत खराब होने तथा ओवर स्पीड के कारण बस पलटी है। सामान्य की भांति हरियाणा रोडवेज की बस यात्रियों व स्कूली बच्चों को लेकर पिंजौर से रवाना हुई। बस पिंजौर के गांव नौलटा के पास पहुंची, यहां सड़क काफी खस्ताहालत में थी जिसके चलते बस पलट गई। बस में सवार दर्जनों स्कूली बच्चे तथा यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को आसपास के ग्रामीणों की मदद से पिंजौर व पंचकूला के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर होने के कारण उसे चंडीगढ़ पीजीआई में रैफर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार खस्ता हाल सड़ तथा बस की ओवर स्पीड के कारण यह हादसा हुआ है। पंचकूला सीएमओ डॉ.मुक्ता कुमार के अनुसार पंचकूला नागरिक अस्पताल में 22 घायल बच्चों को लाया गया है। इसके अलावा पिंजौर व कालका में भी कुछ बच्चों व यात्रियों को भर्ती करवाया गया है। वहीं एक महिला जोकि बस से बाहर थी और नीचे खड़ी थी तो बस पलटने के बाद महिला उसके नीचे दब गई। उसे पीजीआई रेफर किया गया है। इस बीच हरियाणा के परिवहन मंत्री असीम गोयल ने हादसे की जांच के आदेश जारी करते हुए बस के चालक व परिचालक को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। असीम गोयल ने बताया कि घटना की जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया गया है। सुबह के समय इस रूट पर दो नई बसें चलाने के आदेश भी जारी किए गए हैं। घायलों का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे पंचकूला के विधायक और विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि हादसे के वक्त बस ओवरलोड और स्पीड में चल रही थी। बस में स्कूली बच्चों के अलावा आईटीआई के छात्र भी थे।

हेमंत सोरेन ने हासिल किया विश्वास मत

पीटीआई। रांची

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नीत गठबंधन सरकार ने सोमवार को विधानसभा से विपक्षी सदस्यों के बहिर्गमन के बीच विश्वास मत हासिल कर लिया। राज्य की 81 सदस्यीय विधानसभा में मनोनीत सदस्य ग्लेन जोसेफ गॉलस्टेन सहित कुल 45 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के विधायक वोटिंग के लिए गिनती शुरू होते ही सदन से बाहर चले गए। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष में भाजपा के 24 और आजसू पार्टी के तीन विधायक हैं। विश्वास मत हासिल करने के बाद सोरेन ने कहा, आज एक बार फिर सबको सत्तारूढ़ गठबंधन की एकता और ताकत देखने को मिली। मैं (विधानसभा) अध्यक्ष और गठबंधन के सभी विधायकों का आभार जताता हूं। सोरेन ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन 2019 में सत्ता में आने के बाद से संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहा है और यह आज एक बार फिर देखने को मिला।

मुंबई पर टूटा बारिश का कहर, 50 उड़ानें रद्द

पीटीआई। मुंबई

मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के कारण पटरियों पर जलभराव के चलते मध्य रेलवे की उपनगरीय सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं और हवाईअड्डे पर भी परिचालन पर असर पड़ा जिसके कारण सोमवार को 50 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। भारी बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लोगों को जलमग्न सड़कों से गुजरते देखा गया। राज्य सरकार ने मुंबई, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। मुंबई के कुछ इलाकों में सुबह सात बजे तक मात्र छह घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई, जिससे सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए। पूरे दिन शहर में भारी बारिश हुई, जिससे निवासियों की परेशानी और बढ़ गई। महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई, क्योंकि भारी बारिश के कारण कई सदस्य और अधिकारी विधान भवन नहीं पहुंच सके। महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री अनिल पाटिल और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अमोल मिटकरी हावड़ा-मुंबई ट्रेन से उतरकर कुछ दूर तक पटरियों पर चलते देखे गए जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है।

मुंबई में सोमवार को रेलवे स्टेशन पर हुए जलजमाव के बीच यात्री ट्रेन का इंतजार करते हुए।

मिटकरी ने कहा, ट्रेन करीब दो घंटे तक फंसी रही। हम दादर और कुर्ला स्टेशन के बीच पटरियों पर उतर गए। मुझे करीब ढाई किलोमीटर तक रेल पटरियों पर चलना पड़ा और नेहरू नगर पुलिस स्टेशन पहुंचा। उन्होंने कहा कि कुछ जनप्रतिनिधि भी उसी ट्रेन में फंसे हुए थे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंत्रालय में एक बैठक कर मुंबई में भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया। भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी के (शेष पेज 9)

संदेशखालि मामले में ममता को झटका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय ने संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों पर सीबीआई जांच का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक सिंघवी से कहा, यह सब संदेशखालि से संबंधित है। आपने (राज्य ने) महीनों तक कुछ नहीं किया। सिंघवी ने शीर्ष अदालत से कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जारी किए गए दूरगामी निर्देश संदेशखालि में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले से संबंधित दो प्राथमिकियों तक ही सीमित रह सकते हैं। उन्होंने कहा, जिस आदेश की (उच्च न्यायालय के) बात हो रही है वह राशन घोटाले से जुड़ा है। सिंघवी ने कहा कि कथित घोटाले में 43 प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं। पीठ ने कहा, प्राथमिकियां चार वर्ष पहले दर्ज की गई थीं। आरोपी कौन हैं? (शेष पेज 9)

कोली को बरी करने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

सीबीआई की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुनवाई को सहमत हुआ शीर्ष न्यायालय

निठारी कांड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड में सुरेंद्र कोली को बरी करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अर्जी पर सुनवाई के दौरान कोली को नोटिस जारी किया है। 2005-06 में नोएडा में निठारी कांड हुआ था और कई बच्चियों की हत्या का मामला सामने आया था।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उच्च न्यायालय के 16 अक्टूबर, 2023 के फैसले के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अलग-अलग याचिकाओं पर कोली से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने मई में उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाले एक पीड़ित के पिता की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी। पीठ ने कहा कि सीबीआई की याचिकाएं उक्त याचिका के साथ सुनवाई के लिए आएंगी। राष्ट्रीय राजधानी से लगे नोएडा के निठारी में 29 दिसंबर, 2006 को एक घर के पीछे नाले से आठ बच्चों के कंकाल के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई थी।

यूपी सरकार और सीबीआई की ओर से शीर्ष अदालत में पेश हुए एसजी तुषार मेहता ने कहा, 'वह एक सीरियल किलर है. छोटी लड़कियों को बहला-फुसलाकर ले जाता था. उनकी हत्या करता था. उन्हें पकाता था. ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी. हाईकोर्ट ने इसे पलट दिया. यह वाकई भयानक है, अब मामले की अगली सुनवाई कब होगी, इसकी तारीख सामने नहीं आई है।

सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कई बच्चियों के अपहरण और मर्डर के लिए कोली जिम्मेदार है। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में कोली को फांसी की सजा दी थी लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फैसले को पलट दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बरी किए जाने के बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

नोएडा के निठारी में जघन्य कांड मामले में नाले में बच्चों को शव खोजते हुए लोग। इस दिल दहला देने वाले हत्याकांड का मुख्य अपराधी सुरेंद्र कोली। (फाइल फोटो)

2006 के जघन्य हत्याकांड ने झकझोर दिया था

निठारी कांड दिसंबर 2006 में उजागर हुआ था। नोएडा में एक बिजनेसमैन के घर में कई बच्चियों और महिलाओं का शव और कंकाल मिले थे। मामले की छानबीन सीबीआई ने कही थी। सीबीआई ने मकान मालिक एम एस पंढेर और उसके हेल्पर कोली को आरोपी बनाया। दोनों को निचली अदालत ने दोषी करार दिया। 12 मामलों में कोली को फांसी और पंढेर को दो मामलों में फांसी की सजा सुनाई गई थी। हालांकि मामला जब हाई कोर्ट में आया तो हाई कोर्ट ने पंढेर और कोली को सबूतों के अभाव में अक्टूबर 2023 में बरी कर दिया। हाई कोर्ट ने मामले की छानबीन के तरीके पर सीबीआई के खिलाफ टिप्पणी भी की थी।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2006 में घर के आसपास इलाके में नालों की और खुदाई तथा तलाशी में और कंकाल मिले। इनमें से अधिकतर कंकाल उन गरीब बच्चों और लड़कियों के थे जो इलाके से लापता थे। सीबीआई ने 10 दिन के अंदर मामले में जांच संभाली थी और उसकी तलाशी में और कंकाल बरामद हुए थे।

2006 में जब निठारी केस का खुलासा हुआ था तो उस समय पूरा देश इस क्रूर हत्याकांड से सहम गया था। नोएडा के निठारी गांव की कोठी नंबर डी-5 से जब नरकंकाल मिलने शुरू हुए, तो पूरे देश में सनसनी मच गई थी. जांच के दौरान मानव हड्डियों के हिस्से और 40 ऐसे पैकेट मिले थे, जिनमें मानव अंगों को भरकर नाले में फेंक दिया गया था.

गाजियाबाद में गोली लगने से सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना सिहानी गेट स्थित नेहरू नगर में रहने वाले रिटायर्ड इंस्पेक्टर रामेश्वर दयाल (78) की लाइसेंसी बंदूक से चली गोली से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक परिवार जहां इस घटना को हादसा बता रहा है। वहीं पुलिस की जांच में पता चला कि रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने आत्महत्या की है।

एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि 78 वर्ष के रामेश्वर दयाल 2006 में इंस्पेक्टर के पद से यूपी पुलिस से रिटायर हुए थे। उसके बाद वह नेहरू नगर में रह रहे थे। चुनाव के दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक धर्मवीर गन हाउस में जमा की थी। जिसको वह दो दिन पहले लेकर कर लाए थे। सोमवार दोपहर करीब 1:00 गोली लगने से उनकी मौत हो गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो परिवार ने बताया कि वह बंदूक को साफ कर रहे थे, इसी दौरान गोली चली और उनकी मौत हो गई। वहीं पुलिस के मुताबिक, ऐसा सामने आ रहा है कि रिटायर्ड इंस्पेक्टर 78 साल के रामेश्वर दयाल अपनी बीमारी से परेशान थे और उन्होंने आत्महत्या की है।

तमंचा साफ करते समय चली गोली, युवक जख्मी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव रोरी में 18 वर्षीय युवक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तमंचा साफ करते समय गोली चलने की बात कह रहे हैं। वहीं जानकारी के अनुसार गांव रोरी निवासी देवेंद्र कुमार के पुत्र सूरज ने जन्मदिन पर पार्टी मनाने के लिए आत्महत्या का प्रयास किया। रात को सूरज के कमरे से गोली चलने की आवाज आई।

नोएडा में बंद फैक्ट्री आग लगने से हुई खाक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-2 स्थित एक सील फैक्ट्री में आग लग गई। आग की से फैक्ट्री में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग किन कारणों से लगी इसकी जानकारी की जा रही है।

सीएफओ ने बताया कि फैक्ट्री में इलेक्ट्रिक सिटी कटी हुई थी। इसलिए यहां शॉट सर्किट नहीं हो सकता या कोई भी इलेक्ट्रिक फाल्ट नहीं हुआ है। ऐसे में आग कैसे लगी इसकी जांच टेक्निकल टीम कर रही है। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे फायर विभाग को सूचना मिली कि सेक्टर-2 स्थित बी-65 में आग लगी है। आग कंपनी के ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर लगी थी। यहां इलेक्ट्रिक प्रोडेक्ट बनाने का काम होता था। करीब 8 महीने पहले नोएडा प्राधिकरण ने इस फैक्ट्री को सील कर दिया था। जिसके बाद यहां बिजली का कनेक्शन काट दिया गया था। यहां कोई कर्मचारी काम नहीं करता था और कोई गार्ड था। जानकारी मिलते ही मौके पर 4 दमकल की गाड़ियों को भेजा गया।

गाजियाबाद के विकास भवन में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के विकास भवन में सोमवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम पहुंचे और आग पर काबू पाया। आग से फाइलें और फर्नीचर जलकर राख हो गए। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया- विकास भवन में आग लगने की सूचना पर दमकल की एक गाड़ी पहुंची। आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने से स्टैंड और उसमें रखी फाइलें जल गई थीं। इस दौरान किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह जिला अस्पताल पहुंचे

नोएडा। नोएडा सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल का प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने अचानक दौरा किया। सबसे पहले वो ओपीडी पहुंचे। वहां मरीजों से बातचीत की। इसके बाद भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से पूछा- व्यवस्था कैसी है। जवाब मिलते ही प्रभारी मंत्री आगे बढ़ गए। इसके बाद डॉक्टरों की उपस्थिति चेक की। मौके पर सीएमएस डॉक्टर रेनु अग्रवाल ने उनके साथ मौजूद रही। उन्होंने अस्पताल के में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। अस्पताल में रोजाना करीब 2000 मरीजों की ओपीडी है।

ग्रेनो वेस्ट में बिल्डर के खिलाफ निवासियों का प्रदर्शन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में निराला बिल्डर के खिलाफ रेजिडेंट्स ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथों में बैनर पोस्टर लेकर नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकला। रेजिडेंट्स ने कहा कि मोटा मेंटेनेंस लेने के बावजूद भी सोसाइटी में कोई कार्य नहीं किया गया। उन्होंने बिल्डर पर मूलभूत सुविधाएं न देने का भी आरोप लगाया। ग्रेनो वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र में एक बार फिर बायर्स ने जोरदार प्रदर्शन किया। निराला स्टेट 2 के बायर्स ने बिल्डर के खिलाफ उसके रेजिडेंस में नारीबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। सैकड़ों की तादाद में रेजिडेंट इकट्ठा हुए और हाथों में बैनर पोस्टर लेकर जमकर नारेबाजी।

शालीमार गार्डन क्षेत्र में मिला बुजुर्ग का शव

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव 4 दिन से भी पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। बुजुर्ग की अभी पहचान नहीं हो पाई है। शव ग्रीन बेल्ट की दीवार के नीचे मिला है। आशंका है कि बारिश से बचने के लिए बुजुर्ग दीवार के पास बैठा होगा और उसी दौरान दीवार गिर गई। गाजियाबाद में एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि सोमवार की दोपहर पुलिस को सूचना मिली की सिकंदरपुर चौकी के सामने ग्रीन बेल्ट की दीवार के नीचे एक शव है। बुजुर्ग का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

नोएडा में ट्रांसफर कर सकेंगे ट्रांसपोर्ट नगर के भूखंड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- मूल आवंटी को प्राधिकरण की शर्तों का करना होगा पालन, देना होगा शुल्क, बोर्ड में रखा जाएगा प्रस्ताव, किराया नीति भी होगी तय

ट्रांसपोर्ट नगर में आवंटित भूखंड को ट्रांसफर और किराए पर दिया जा सकता है या नहीं इसका एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। ये प्रस्ताव बोर्ड में शामिल किया जाएगा। इसके तहत आवंटन के पांच साल पूरे होने के बाद भूखंड को ट्रांसफर और किराया पर दिए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसके लिए मूल आवंटी को प्राधिकरण की शर्तों का पालन करना होगा। साथ ही ट्रांसफर और किराया दर भी तय की जा रही है। ताकि प्राधिकरण को राजस्व मिल सके।

नोएडा में ट्रांसपोर्ट की सहूलियत के लिए 2018-19 में कुल 501 भूखंड आवंटित किए गए। ये भूखंड 120 से 150 वर्ग मीटर के है। जिनको 24 हजार प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटित किया गया। इसी तरह 2020-2021 में कुल 84 भूखंड 25800 प्रति वर्गमीटर से आवंटित किए गए। ब्रोशर की नियम व शर्तो के अनुसार आवंटन के 5 साल तक भूखंड के ट्रांसफर पर रोक थी। भूखंड का आवंटन 2018 में किया गया।

ऐसे में अब नई नीति बनाकर कार्यशील भूखंड को ट्रांसफर किया जा सके इसका एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। नोएडा प्राधिकरण में भूखंड और फ्लैट ट्रांसफर करने के लिए प्राधिकरण को शुल्क देना होता है। ये दर सभी श्रेणियों में तय है। प्राधिकरण ने माना कि ट्रांसपोर्ट नगर औद्योगिक श्रेणी से जुड़ा एक पार्ट है। इसलिए यहां भूखंड के ट्रांसफर शुल्क औद्योगिक शुल्क के बरामद होना चाहिए। हालांकि बोर्ड तय करेगा कि किस श्रेणी की दर को इसमें शामिल किया जाए। जो प्रस्ताव तैयार किया गया है उसके तहत आवेदन पत्र के साथ , प्रक्रिया शुल्क 5000 रुपए,18 प्रतिशत जीएसटी के साथ। ट्रांसफर शुल्क ट्रांसपोर्ट नगर के भूखंड प्रचलित आवंटन दर , स्थानिक लाभ शुल्क का 4 प्रतिशत प्रति वर्ग मीटर और 18 प्रतिशत जीएसटी, लेखा जल विभाग का चालान प्रति, बैंक एनओसी, बिजली बिल की अंतिम कापी और जीएसटी प्रमाण पत्र देना होगा। ये एक प्रस्ताव है जिस पर मुहर लगना अभी बाकी है। ट्रांसफर के अलावा यदि कोई आवंटी कार्यशील भूखंड को 10 साल के लिए किराए पर दे सकता है। इसके लिए प्राधिकरण औद्योगिक और संस्थागत दोनों किराया संबंधित दरों को बोर्ड में रखने जा रहा है। इसमें किसी एक पर ही मुहर लगेगी।

पत्रकार अरुण नौटियाल की हार्टअटैक से मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में वरिष्ठ पत्रकार अरुण नौटियाल का रविवार रात निधन हो गया। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, उनके निधन की वजह हार्टअटैक बताई गई है। आज यानि सोमवार में उनके शव का अंतिम संस्कार हरिद्वार में होगा। मूल रूप से जनपद उत्तरकाशी निवासी अरुण नौटियाल गाजियाबाद में रहते थे। रविवार रात उनकी पत्नी अपनी बेटी को एयरपोर्ट दिल्ली छोड़ने गई थीं। बेटी को ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट पकड़नी थी। पत्नी जब वापस घर आईं तो अरुण नौटियाल अचेत अवस्था में पड़े थे।

इंडियन ओवरसीज बैंक
यादव भवन, ओल्ड रेलवे रोड, गुड़गांव-122001, हरियाणा, भारत
फोन: मुख्य प्रबंधक 0124-2310235
कार्या 0124-2223078, 0124-2320853, ई-मेल: iob0403@iob.in

परिशिष्ट IV
कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियो के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री मिथुन कुमार निवासी फ्लैट नं. 004, टॉवर सी 2, क्षेत्रफल 460 वर्ग फीट, जोकि एवलॉन होम्स नामक आवासीय सोसायटी सेक्टर 106 तिजारा के रेवेन्यू ईस्टेट के अंतर्गत, अलवर, भिवाड़ी, राजस्थान और फ्लैट नं. 005, टॉवर सी 2, जिसका क्षेत्रफल 460 वर्ग फीट, जोकि एवलॉन होम्स नामक आवासीय सोसायटी सेक्टर 106, तिजारा के रेवेन्यू ईस्टेट के अंतर्गत, अंतर्गत, अलवर, भिवाड़ी, राजस्थान (पूरा पता दें) (इसके बाद "उधारकर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 07-11-2023 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि रु. **35,96,184.24** दिनांक 30.10.2023 तक और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक 03.07.2024 को लिया है।
(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते रु. **35,96,184.24** दिनांक 30.10.2023 तक और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा। जिसमे मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। कब्जा लेने की तारीख को देय बकाया राशि रु. 35,96,184.24 भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और शेष राशि, शुल्क आदि पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय है।
(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति नं. 1 फ्लैट नं. 004, टॉवर सी2, क्षेत्रफल 460 वर्ग फीट जोकि एवलॉन होम्स नामक आवासीय सोसायटी सेक्टर 106 तिजारा के रेवेन्यू ईस्टेट के अंतर्गत, अलवर, भिवाड़ी, राजस्थान और फ्लैट नं. 005, टॉवर सी2, क्षेत्रफल 460 वर्ग फीट जोकि एवलॉन होम्स नामक आवासीय सोसायटी सेक्टर 106 तिजारा के रेवेन्यू ईस्टेट के अंतर्गत, अलवर, भिवाड़ी, राजस्थान, चौहद्दी:
उत्तर में – मुख्य प्रवेश / लिफ्ट
पूरब में – फ्लैट नं. 003
पश्चिम में – खुला स्पेस
साईट का कुल विस्तारित क्षेत्रफल 460.00 वर्गफीट
सम्पत्ति नं. 2 फ्लैट नं. 005, टॉवर सी2, क्षेत्रफल 460 वर्ग फीट जोकि एवलॉन होम्स नामक आवासीय सोसायटी सेक्टर 106 तिजारा के रेवेन्यू ईस्टेट के अंतर्गत, अलवर, भिवाड़ी, राजस्थान, चौहद्दी:
उत्तर में – मुख्य प्रवेश / लिफ्ट
पूरब में – फ्लैट नं. 003
पश्चिम में – खुला स्पेस
साईट का कुल विस्तारित क्षेत्रफल 460.00 वर्गफीट
दिनांक: 03.07.2024
स्थान: गुरुग्राम
हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक
यादव भवन, ओल्ड रेलवे रोड, गुड़गांव-122001, हरियाणा, भारत
फोन: मुख्य प्रबंधक 0124-2310235
कार्या 0124-2223078, 0124-2320853, ई-मेल: iob0403@iob.in

(परिशिष्ट IV)
कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियो के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर **श्री शाह नवाज नाजिश और श्रीमती नाजिश निवासी प्लॉट नं. 26-27 ब्लॉक आर/ए-3 मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 (पूरा पता दें) (इसके बाद "उधारकर्ता" के रूप में संदर्भित) को** मांग सूचना दिनांक 30-12-2023 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 73,188,55 दिनांक 30.12.2023 तक और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **03.07.2024** को लिया है।
(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 73,188,55 दिनांक 30.12.2023 तक और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमे मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। कब्जा लेने की तारीख को देय बकाया राशि रु. 73,188.55, भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और शेष राशि, शुल्क आदि पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय है।
(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति नं. 1, फ्लैट नं. 1202, 12वां तल, टॉवर सी1, एवलॉन रीगल कोर्ट, गांव करमपुर, भिवाड़ी अलवर बाई पास रोड सेक्टर-57, तहसील तिजारा जिला अलवर
साइट का कुल विस्तारित क्षेत्रफल-1150 वर्ग फीट।
संपत्ति सं. 2 फ्लैट सं. 1504, 15वीं मंजिल, टॉवर ए2, एवलॉन रीगल कोर्ट, गांव करमपुर, भिवाड़ी अलवर बाई पास रोड सेक्टर-57, तहसील तिजारा जिला अलवर, साइट का कुल विस्तारित क्षेत्रफल-1150 वर्ग फीट।
दिनांक: 03.07.2024
स्थान: गुरुग्राम
हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक

MANIBHAVNAM HOME FINANCE INDIA PRIVATE LIMITED
REGISTERED OFFICE
Farm No. 10, Tropical Drive, Ghitorni, M.G Road, New Delhi -110030
Mob-9310100001. Email: customercare@manibhavnam.com

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public in general, and the customers in particular, that the management of the Company has decided to shift the following branch to another address:

Name	Manibhavnam Home Finance India Private Limited
Current Address	Plot No. 02, National Highway, Patan Road, Jhalawar, Rajasthan- 326001
Contact Details of Shifting Branch	+919910705878 vipin.gupta@manibhavnam.com
Tentative Date of Shifting	20th October, 2024

It is clarified that due care is being taken by the Company to ensure that no inconvenience whatsoever is caused to the Company's customers during the process of shifting. The loan accounts of all the valued customers shall continue with this branch from new address (i.e., **SHOP NO- 25 AGRSEN NAGAR TANGA ADDA JHALAWAR RAJASTHAN 326001.** Customers are hereby requested to kindly take note of the aforesaid change, which will be effective tentatively from 20th October 2024.
In case any further clarification is required and/or in case of any difficulty, the customer may contact the officials of Manibhavnam Home Finance India Private Limited
Contact: - +91 9910705878, Mr. Vipin Gupta

Date: 09th July 2024
Place: Jhalawar

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, हरियाणा ने अपने पत्रांक सन्दर्भ सं SEIAA/HR/2023/017 दिनांक 02.07.2024 के माध्यम से ई0 आई0 ए0 अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के तहत गांव खेड़की माज़रा-धनकोट, सेक्टर-99, गुरुग्राम (हरियाणा) में ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी हेतु पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृति पत्र की प्रतिलिपि हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, हरियाणा के पास उपलब्ध है।
कृते
वाटिका सोवरेन पार्क प्रा0 लि0

प्रपत्र सं. यूआरसी-2
अधिनियम के अध्याय XXI के भाग। के तहत पंजीकरण के बारे में सूचना देने वाला विज्ञापन (कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374 (बी) और कंपनी (पंजीकरण के लिए अधिकृत) नियम, 2014 के नियम 4 (1) के अनुसार)
1. इसके द्वारा नोटिस दिया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उप-धारा (2) के अनुसरण में, इसके पंद्रह दिनों के बाद लेकिन इसके बाद तीस दिनों की समाप्ति से पहले केंद्रीय पंजीकरण रजिस्ट्रार के पास एक आवेदन किया जाना प्रस्तावित है। सेंटर (CRC) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (IICA), प्लॉट नंबर 6, 7, 8 सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर, जिला गुरुग्राम (हरियाणा), पिन कोड-122050 कि **पाकोपेरी फैशन हाउस एलएलपी (एलएलपीआईएनः एएआई-4232),** ए एलएलपी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय XXI के भाग 1 के तहत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
2. कंपनी के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं: पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के कपड़ों और शर्ट सहित हर प्रकार, प्रकृति और विवरण के परिधान पहनने वाले निर्माताओं, आयातकों और निर्यातकों, थोक और खुदरा डीलरों के व्यवसाय को आगे बढ़ाना। बुश-शर्ट, पायजामा सूट, बनियान, अंडरवियर, सूट, महिलाओं के लिए फाउंडेशन परिधान, ब्रेसियर, मातृत्व बेल्ट, घुटने की टोपी, कोट, पैंटी, नाईटी इत्यादि।
3. प्रस्तावित कंपनी के ड्राफ्ट ज्ञापन और एसोसिएशन के लेखों की एक प्रति का निरीक्षण पंजीकृत पते 312-बी, पॉकेट-सी, चरण- II, पूर्वी दिल्ली, मयूर विहार, दिल्ली, भारत, 110091 पर किया जा सकता है।
4. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि इस आवेदन पर आपत्ति करने वाला कोई भी व्यक्ति केंद्रीय पंजीकरण केंद्र, भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए), प्लॉट नंबर 6,7, 8, सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर जिला गुरुग्राम (हरियाणा), पिन कोड-122050 में रजिस्ट्रार को लिखित रूप में अपनी आपत्ति बता सकता है।, इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिनों के भीतर, एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में भेजें।
आवेदकों का/के नाम
हस्ता./-
कुणाल कश्यप (नामित पार्टनर)
DPIN: 07559675
हस्ता./-
विजय शर्मा (नामित पार्टनर)
DPIN: 07556812
हस्ता./-
मणि शर्मा (नामित पार्टनर)
DPIN: 07556834
दिनांक: 30/04/2024 स्थानः दिल्ली

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय, दूसरी मंजिल, गुलाब, पैलेस पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास, ईस्ट बोरिंग कैनाल रोड, पटना, बिहार- 800001
सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-ई-नीलामी
[नियम 8 (6) का प्रावधान देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना
अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय की सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुन: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रूप से कर्जदार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शाई गई अचल संपत्ति संरक्षित ऋणदाता केपास बंधक/ अधिभारित है। उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कर लिया गया है एवं दर्शाए विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है जैसी है", "जैसी है वैसी है" एवं "जिस भी स्थिति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं :-

क्र. सं.	कर्ज़दार(रों)/ सह-कर्ज़दार(रों)/ जमानतदार(रों) के नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्तियों का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई है	बकाया राशि (रु. में)	सुरक्षित मूल्य (रु. में) / धरोहर राशि जमा (रु. में)	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	एक्सेल ऑटो (आवेदक) श्री विनीत कुमार झा, श्री अजय कुमार सिंह, श्री सत्येन्द्र कुमार सिन्हा (सह-आवेदक), श्री विनीत कुमार झा, श्री अजय कुमार सिंह, श्री सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, रोली सिन्हा, ललिता सिन्हा, सूर्यदेव सिंह, निर्मला सिंह (जमानतदार), श्री सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, रोली सिन्हा, ललिता सिन्हा, सूर्यदेव सिंह, निर्मला सिंह (बंधककर्ता) 194351000001, 194355000003, 625905051907	तौजी नं. 181, खाता नं. 82, प्लॉट नं. 787, मौजा-शेखपुरा, पुलिस थाना-फुलवारी शरीफ, पुलिस थाना नं. 111, उप व सदर रजिस्ट्री कार्यालय तथा जिला- पटना, बिहार। क्षेत्रफल- 7 कट्ठा	रु. 8,15,09, 625/- (जून 03, 2024 तक)	रु. 1,93,00, 000/- / रु. 19,30, 000/-	अगस्त 13, 2024 को दोप. 02:00 बजे से शाम. 04:00बजे तक	अगस्त 20, 2024 को सु. 11:00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी ई-नीलामी संस्था **मेसर्स नेक्सझेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** की वेबसाइट (URL Link-https://disposalhub.com) पर संचालित होगी। बंधककर्ताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को **अगस्त 19, 2024** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/इन संरक्षित संपत्ति(यों) की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता(ओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (कॉलम **ई** देखें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय, दूसरी मंजिल ,गुलाब पैलेस, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास, ईस्ट बोरिंग कैनाल रोड, पटना, बिहार- 800001** में **अगस्त 19, 2024** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावती की स्कैन इमेज (छायाप्रति) **अगस्त 19, 2024** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करें। यदि संभावित बोलीकर्ता(ओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहते हैं, तो वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय, दूसरी मंजिल, गुलाब पैलेस, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास, ईस्ट बोरिंग कैनाल रोड, पटना, बिहार- 800001** में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को **अगस्त 19, 2024** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** की **पटना** शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।
संपत्ति निरीक्षण, ई-नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक** कर्मचारी के फोन नंबर 9163343439 पर संपर्क करें।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसियाँ **मेसर्स नेक्सझेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** इस संपत्ति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाए किसी एक अथवा अधिक निविदा व बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।
बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करें।
तिथि : जुलाई 09, 2024
स्थान : गुडगाँव
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली-110005
सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-ई-नीलामी
[नियम 8 (6) का प्रावधान देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना
अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय की सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुन: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रूप से कर्जदार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शाई गई अचल संपत्ति संरक्षित ऋणदाता केपास बंधक/ अधिभारित है। उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कर लिया गया है एवं दर्शाए विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है जैसी है", "जैसी है वैसी है" एवं "जिस भी स्थिति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं :-

क्र. सं.	कर्ज़दार(रों)/ सह-कर्ज़दार(रों)/ जमानतदार(रों) के नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्तियों का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई है	बकाया राशि (रु. में)	सुरक्षित मूल्य (रु. में) / धरोहर राशि जमा (रु. में)	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	कनेक्शन इंडिया डॉटकॉम प्राइवेट लिमिटेड (कर्ज़दार/बंधककर्ता), कनेशन इंडिया डॉटकॉम प्राइवेट लिमिटेड, नितिन कंबोज, अमन साहनी (ज़मानतदार), ऋण खाता संख्या 002105014346/ 002160000714/002160000752	यूनिट नंबर 524, 5वीं मंजिल, सिल्वरटन टॉवर सेक्टर 50, विलेज बादशाहपुर, गुड़गांव-122001 ; क्षेत्रफल: 725 वर्ग फुट	रु. 1,24,96, 089.14/- (जून 27, 2024 तक)	रु. 36,45, 000/- / रु. 3,64,500/-	जुलाई 24, 2024 को सु. 11:00 बजे से दोप 01:00 बजे तक	जुलाई 30, 2024 11:00 बजे से दोप 12:00 बजे तक

ऑनलाइन नीलामी हमारी ई-नीलामी संस्था **सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड** की वेबसाइट **https:// www.bankeauctions.com)** पर संचालित होगी। बंधककर्ताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को **जुलाई 29, 2024** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/इन संरक्षित संपत्ति(यों) की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता(ओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (कॉलम **ई** देखें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली-110005** में **जुलाई 29, 2024** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावती की स्कैन इमेज (छायाप्रति) **जुलाई 29, 2024** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करें। यदि संभावित बोलीकर्ता(ओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहते हैं, तो वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग दिल्ली-110005** में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को **जुलाई 29, 2024** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** की **दिल्ली** शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।
संपत्ति निरीक्षण, ई-नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** कर्मचारी के फोन नंबर 8657476284/8584874809 पर संपर्क करें।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसी **1. मेसर्स नेक्सझेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, 2. ऑगियो एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, 3. हेक्टा प्रॉपटेक प्राइवेट लिमिटेड** इस संपत्ति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाए किसी एक अथवा अधिक निविदा व बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।
बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करें।
तिथि : जुलाई 09, 2024
स्थान : गुड़गाँव
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 9 जुलाई, 2024

एलजी के निर्देश के बाद शिक्षकों के तबादले स्थगित

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, ट्रांसफर के आदेश के पीछे भाजपा की साजिश का आरोप लगाया

● आप नेता ने कहा, यह शिक्षक, जनता की जीत है, अभिभावक इस तबादले को लेकर बहुत चिंतित थे

सचिवालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करतीं मंत्री आतिशी। फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना के आदेशों पर कार्वाई करते हुए पांच हजार स्कूल शिक्षकों के तबादले का आदेश सोमवार को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। ये शिक्षक 10 से अधिक वर्ष से एक ही स्कूल में तैनात हैं। सक्सेना ने रविवार को मुख्य सचिव नरेश कुमार को तबादले के आदेश को कुछ वक्त के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया। यह तबादला आदेश पिछले सप्ताह जारी किया गया था।

उपराज्यपाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं और शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद एक अंतरिम उपाय के रूप में तबादले के आदेश को कुछ वक्त के लिए स्थगित रखने का निर्देश दिया।

शिक्षा मंत्री ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में तबादले के आदेश के पीछे भाजपा की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में सरकारी विद्यालयों को बदलकर रख दिया है। यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों के नतीजे कीर्तिमान बना रहे हैं। भाजपा को यह बदलाव हजम नहीं हो रहा इसलिए शिक्षा के इस क्रांतिकारी बदलाव को दबाने के लिए उसने शिक्षकों के तबादले की साजिश रची। उन्होंने आदेश वापस लिए जाने के लिए दिल्ली के लोगों को शुभकामनाएं भी दीं।

आतिशी ने कहा, आज दिल्ली के शिक्षक और जनता जीत गई। शिक्षक, विद्यार्थी और उनके परिजन इस तबादले के आदेश को लेकर चिंतित थे। मैंने शिक्षकों, विद्यार्थियों और परिजनों से वादा किया था कि हम दिल्ली में शिक्षा की क्रांति को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा, वह खुश हैं कि आज भाजपा को उपराज्यपाल के माध्यम से इस आदेश को वापस लेना पड़ा। आज दिल्ली के शिक्षक और दिल्ली की जनता जीत गई। शिक्षा विभाग ने एक आधिकारिक आदेश में कहा कि शिक्षा निदेशालय द्वारा हाल ही में जारी तबादले के आदेश के मामले में कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। यह अभ्यावेदन उन शिक्षकों से संबंधित हैं, जो एक ही स्कूल में 10 वर्ष से अधिक समय तक कार्यरत हैं। आदेश के मुताबिक, अभ्यावेदनों को पढ़ने और प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनने के बाद सक्षम प्राधिकारी ने एक समिति गठित करने का फैसला किया है, जिसमें सभी हितधारकों के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल होंगे ताकि मामले पर समग्र, सहानुभूतिपूर्ण और निष्पक्ष दृष्टिकोण तैयार किया जा सके। आदेश में बताया गया कि इसलिए अगले आदेश तक दो जुलाई 2024 को जारी शिक्षकों के तबादले के आदेश को स्थगित किया जाता है। सभी प्रभावित शिक्षकों की तैनाती बहाल की जाती है।

'सिसोदिया, आतिशी ने शिक्षा को पहुंचाया नुकसान'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शिक्षकों के तबादले को लेकर भाजपा आम आदमी पार्टी पर हमलावर है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मनीष सिसोदिया और आतिशी ने स्कूलों की शिक्षा प्रणाली को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। उन्होंने न तो नियमित शिक्षकों की भर्ती की है, न अतिथि शिक्षकों की।

सचदेवा ने कहा उन्होंने शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में तैनात कर दिया है, जिससे स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात सबसे खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी नहीं

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा।

● सचदेवा बोले, शिक्षकों 9 व 11 के छात्रों को फेल करने के लिए किया जाता है मजबूर

चाहती कि शिक्षा विभाग के कामकाज पर राजनीति हो, लेकिन आतिशी ने आज सार्वजनिक रूप से यह बताने के लिए मजबूर कर दिया कि केजरीवाल सरकार ने कैसे दिल्ली की शिक्षा को नुकसान पहुँचाया है। दिल्ली में 995 सामान्य स्कूल हैं, जबकि 2015 में जब केजरीवाल सरकार पहली बार सत्ता में आई थी, तब 1015 स्कूल थे और इन 10 वर्षों में उन्होंने कोई नया नियमित या अतिथि शिक्षक नहीं रखा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि अन्य 32 विशेष शिक्षा वाले स्कूलों में पूरी तरह से सुविधाओं की कमी है, जिनमें से कुछ सबसे खराब स्कूल हैं।

आप सरकार हर मोर्चे पर विफल : देवेन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस राजधानी की मूल समस्याओं, जल संकट, जल भराव, गंदगी, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा और आप ने शिक्षकों के तबादले को राजनीतिक इवेंट बनकर पेश कर रहे है। यादव ने हैरानी जताते हुए कहा कि उपराज्यपाल द्वारा टीचरों के इतनी बड़ी संख्या में ट्रांसफर की जानकारी शिक्षा मंत्री को नहीं होना शिक्षा व्यवस्था पर केजरीवाल सरकार की

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव।

● कहा, दोनों दल शिक्षकों के ट्रांसफर को राजनीतिक इवेंट बनाकर कर रहे पेश

निष्क्रियता और दुर्दशा को दर्शाता है। यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केजरीवाल सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा की नूरा कुश्ती का खामियाजा दिल्ली वाले भुगतान रहे हैं। जब शिक्षा व्यवस्था में टीचरों के ट्रांसफर की प्रक्रिया गर्मी की छुट्टियों के दौरान होनी चाहिए, उपराज्यपाल कार्यालय द्वार सत्र शुरु होने के समय ट्रांसफर होने से बच्चों को पढ़ाई का नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिसके कारण अभिभावक परेशान हो रहे है।

एलजी ने पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल की शुरुआत की

पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल लांन्च करते एलजी विनय सक्सेना।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● उपराज्यपाल बोले- इससे अर्थव्यवस्था में बढ़ोत्तरी और रोजगार के अवसर भी खुले हैं

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पब्लिक एम्यूजमेंट पोटर्ल जारी है। यह दिल्ली की अर्थव्यवस्था और उद्योमियों के लिए बेहद खास है। इससे व्यापार करने में आसानी होगी। साथ ही कारोबार और उद्यमिता को पोर्टल से प्रोत्साहन मिलेगा। इस मौके पर एलजी ने कहा कि प्रधानमंत्री के इज ऑफ डूईग बिजनेस के प्रति गंभीरता ने देश में व्यापारिक वातारण को पिछले दस सालो में अनूकुल बनाया है। इससे न सिर्फ अर्थ व्यवस्था तेज हुई है, बल्कि रोजगार के अवसर पर भी पैदा हुए हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि पहले लोगों को अपना कारोबार शुरू करने के लिए जो लाइसेंस प्रक्रिया थी, वह बहुत लंबी और थका देने वाली थी। पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल से इन परेशानियों से छुटकारा मिलने के साथ लोग आडिटोरियम, मनोरंजन पार्क, विडियो गेम पार्लर, म्यूजिक, डांस , रंगमंच, रामलीला का मंचन, सर्कस, और कुश्ती के लिए लाइसेंस हासिल करना आसान हो जाएगा।

राजकुमार भाटिया उपाध्यक्ष, विष्णु मित्तल महामंत्री बने

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों को लेकर दिल्ली भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। रविवार को दिल्ली प्रदेश कार्यकारणी की बैठक के बाद सोमवार को पार्टी में फेरबदल किया गया। विष्णु मित्तल को प्रदेश महामंत्री और मनोनीत निगम पार्षद राजकुमार भाटिया को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय की तरफ से जारी नोटिस के अनुसार यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के अनुसार, विष्णु मित्तल प्रदेश में प्रदेश उपाध्यक्ष की भूमिका निभा रहे थे. उन्हें अब महामंत्री का दायित्व दिया गया है। राजकुमार भाटिया विधानसभा का चुनाव भी आदर्श नगर से लड़ चुके हैं।

आबकारी नीति : हाईकोर्ट ने ईडी, सीबीआई से मांगा जवाब

सिसोदिया की जमानत पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की उस नई याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा, जिसमें कथित आबकारी नीति घोटाला मामलों में उनकी जमानत याचिका पर फिर से सुनवाई करने का अनुरोध किया गया है। न्यायालय ने मंगलवार को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से चार जून को इनकार कर दिया था। सिसोदिया के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि मामलों में जमानत का अनुरोध करने वाली उस याचिका पर फिर से सुनवाई किए जाने की अर्जी दायर की गई है जिसका पहले निस्तारण किया जा चुका है। याचिका में कहा गया है कि जांच एजेंसियों की ओर से पेश कानून अधिकारी ने पीठ को बताया था कि कथित आबकारी नीति घोटाले के मुख्य मामले और इससे जुड़े धनशोधन मामले में आरोप पत्र और अभियोजन की शिकायत तीन जुलाई, 2024 को या उससे पहले दायर की जाएगी।

● वकीलों से अतिरिक्त मुलाकात की केजरीवाल ने की है मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ जेल में अपने वकील से ज्यादा मुलाकात करने की मांग करने वाली याचिका पर तिहाड़ जेल और प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। केजरीवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अपने वकीलों के साथ हफ्ते में दो और अतिरिक्त मुलाकात की इजाजत मांगी थी। अभी केजरीवाल हफ्ते में सिर्फ दो बार ही अपने वकीलों से बातचीत कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जेल प्राधिकारियों को जवाब दाखिल करने के लिए पांच दिन का समय दिया और मामले की आगे की सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तारीख तय की। केजरीवाल ने निचली अदालत के एक जुलाई के आदेश को चुनौती दी है। केजरीवाल ने निचली अदालत में याचिका दायर कर अनुरोध किया था कि उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने वकीलों से सप्ताह में दो अतिरिक्त मुलाकात की अनुमति देने के लिए जेल प्राधिकारियों को निर्देश दिया जाए। निचली अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। वर्तमान में, केजरीवाल को अपने वकीलों से सप्ताह में दो बार मुलाकात की अनुमति है।

केजरीवाल के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल देश भर में लगभग 35 मुकदमों का सामना कर रहे हैं और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार के आधार पर उन्हें इन मामलों पर चर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने वकीलों के साथ दो अतिरिक्त मुलाकात की जरूरत है। प्रवर्तन निदेशालय के वकील ने भी कहा कि वह याचिका पर जवाब दाखिल करना चाहते हैं। अदालत ने सवाल किया कि याचिका पर क्या आपत्ति है जिसके जवाब में जेल प्राधिकारियों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने कहा कि नियम सभी के लिए समान हैं और किसी भी कैदी को वकील से एक सप्ताह में दो मुलाकातों की ही अनुमति है। उन्होंने कहा कि सभी 35 मामलों की सुनवाई एक सप्ताह में एक साथ नहीं की जा रही है, इसलिए अतिरिक्त मुलाकातों की कोई आवश्यकता नहीं है।

जीवीपी खत्म करने को नोडल अधिकारी तैनात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के हर वार्ड से गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट को खत्म किया जाएगा। इन वल्नरेबल प्वाइंट्स जहां पर कचरा जमा होता है या फिर लोग वहां पर कूड़ा फेंकते हैं। उन्हें क्लीन कर उनका सौंदर्यीकरण किया जाएगा ताकि लोग वहां फिर से कचरा न डाल सके।

इसी संबंध में महापौर शैली ओबेरॉय ने सोमवार को सभी जोन के उपायुक्त और इंजीनियरिंग व डेम्स विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर वार्ड में एक नोडल अधिकारी तैनात किए हैं। जिसकी जीवीपी को खत्म कर, उसका सौंदर्यीकरण करने की होगी। शैली ओबेरॉय ने सोमवार को कहा कि सभी जोन में जीवीपी को खत्म कर वहां चित्रकला, उकेरी जाएगी। डस्टबिन लगाए जाएंगे, साथ ही लोगों को जागरूक किया जाएगा ताकि लोग फिर से कूड़ा नहीं फेंके।

डेंगू-मलेरिया को लेकर सरकार सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बारिश के मौसम में मच्छरों से होने वाली बीमारियों को लेकर दिल्ली सरकार हरकत में आ गई है। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, डेंगू मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था समेत अन्य तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही, डेंगू की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश जारी किए।

सौरभ भारद्वाज की अध्यक्षता में डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने एवं रोकथाम करने के संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। जिसकें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और सरकारी अस्पतालों के एमएस और एमडी शामिल हुए। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने अस्पताल में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए की गई तैयारी की विस्तृत जानकारी स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के समक्ष प्रस्तुत की। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार सभी अस्पतालों में नियमित रूप से मच्छरों का प्रकोप रोकने के लिए अस्पताल में दवाइयां का छिड़काव किया जा रहा है। अस्पतालों में डेंगू और मलेरिया जैसे मरीजों के लिए पर्याप्त दवाईयां तथा अन्य जरूरी सामानों की उपलब्धता है। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों में साप्ताहिक रूप से निरीक्षण करने के आदेश जारी किए साथ ही साथ मच्छरों के प्रजनन संभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई करने और दवाई का छिड़काव करने के निर्देश भी जारी किए।

मच्छरों की रोकथाम को अधिकारियों को निर्देश देते स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज।

स्वास्थ्य मंत्री को कई अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल में डेंगू के मरीजों के लिए अलग से उपचार की व्यवस्था की गई है। डेंगू के मरीजों के लिए अलग से कुछ बेड आरक्षित किए गए हैं, जहां पर केवल डेंगू और मलेरिया के मरीजों को ही रखा जाएगा, ताकि उनका बेहतर तरीके से उपचार किया जा सके और साथ ही साथ अन्य मरीजों में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारी न फैल सके।

नहाते समय किशोरी का वीडियो बनाने वाला युवक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आरोपी के मोबाइल फोन की जांच की गई तो उसमें कुछ आपत्तिजनक वीडियो मिले : पुलिस

कापसहेड़ा इलाके में एक नाबालिग लड़की का नहाते समय वीडियो बनाने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के निवासी अनूप कुमार के रूप में हुई है। वह दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के फार्महाउस में माली का काम करता था।

पुलिस उपायुक्त रोहित मीना के अनुसार, नाबालिग लड़की ने शिकायत दर्ज कराई कि वह सात जुलाई को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सलापुर खेड़ा स्थित अपने घर में नहा रही थी, तभी उसे बाहर किसी की मौजूदगी का अहसास हुआ। लड़की के शोर मचाने पर कुमार भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन नाबालिग के परिवार के सदस्यों और कुछ पड़ोसियों ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि कापसहेड़ा थाने की टीम ने संदिग्ध को पकड़ लिया। मोबाइल की जांच में कुछ आपत्तिजनक वीडियो मिले। पुलिस ने बताया युवक के खिलाफ विभिन्न धारा के तहत में मामला दर्ज किया गया है।

जल निकासी में तेजी लाएं जल बोर्ड, एमसीडी : हुसैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नागरिक सुविधाओं के संबंध में निर्देश देते खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन।

● खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने विभागों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर मोहर्रम की तैयारियों की समीक्षा

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन मुहर्रम को लेकर शहर में पर्याप्त नागरिक सुविधाएं मुहैएं और जल निकासी के कार्य में तेजी लाने को कहा है। इसको लेकर हुसैन ने एसईएस, स्वास्थ्य, वन विभाग , एमसीडी, जल बोर्ड , उद्यान विभाग, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के उच्च स्तरीय बैठक की और उन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए।

इमरान हुसैन ने अधिकारियों को ताजिया जुलूस के मद्देनजर जिन इलाकों से जुलूस गुजरेगा, खासकर नबी करीम पुलिस चौकी, कुतुब रोड, सदर बाजार, खारी बावली, लाल कुआं, हौज काजी और जामा मस्जिद से सटी सड़कों और गलियों में पर्याप्त साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। खाद्य-आपूर्ति मंत्री ने एमसीडी और पीडब्ल्यूडी को मोहर्रम के अवसर पर 16 जुलाई को देर शाम और 17 जुलाई को तड़के सुबह सड़कों और गलियों की सफाई के लिए पर्याप्त सफाई कर्मियों की तैनाती करने को भी कहा।

मंत्री ने पीडब्ल्यूडी और एमसीडी को ताजिया जुलूस के सुचारू आवागमन के लिए खुदाई और रखरखाव का कार्य उचित तरीके से करने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को जुलूस यात्रा को असुविधा से बचाने के लिए जुलूस मार्ग पर वन विभाग के साथ समन्वय करके पेड़ों की शाखाओं की छंटाई सुनिश्चित करने को कहा। दिल्ली पुलिस के ट्रैफिक विभाग को मोहर्रम के क्षेत्र में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को मोबाइल एम्बुलेंस वैन और मेडिकल टीमें तैनात करने के जरूरी निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

उत्तम कुमार छेत्री को राष्ट्रीय नेपाली साहित्य सम्मान

नई दिल्ली। हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट ने भानु जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय नेपाली साहित्य पुरस्कार 2024 के लिए चयनित लेखकों के नामों की घोषणा की और कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। श्री विष्णु बहादुर गुरुंग ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित साहित्यकारों के नामों की घोषणा की। राष्ट्रीय पुरस्कार में दिल्ली के उत्तम कुमार छेत्री को नेपाली साहित्य सम्मान-सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, नेपाली साहित्य पुरस्कार-पद्य के लिए सिक्किम की गीताश्री शर्मा, नेपाली साहित्य पुरस्कार-गद्य के लिए मिरीक की शीला लामा और 19 से अधिक समय तक नेपाली पत्रकारिता में सेवा के लिए देहरादून के दीपक राई को नेपाली साहित्य पुरस्कार, पत्रकारिता के लिए चुना गया है।

एनबीसीसी बनाएगा एनआईटी इन्क्यूबेशन सेंटर

नई दिल्ली। एनबीसीसी को एनआईटी पटना (बिहटा परिसर) में ऊष्मायन केंद्र (इन्क्यूबेशन सेंटर) के निर्माण और विकास का कार्य सौंपा गया है। इसकी अनुमानित लागत लगभग 36 करोड़ रुपये है। करीब 6,500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में फैला यह ऊष्मायन केंद्र अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इस सुविधा को बेसमेंट, भूतल, 4 मंजिल संरचना के रूप में डिजाइन किया गया है जिसमें विभिन्न अनिवार्य सुविधाओं और उन्नत अवसंरचना को शामिल किया गया है। कार्य के दायरे के अनुसार, एनबीसीसी भवनों के निर्माण, विद्युत प्रणालियों, फर्नीचर, आईटी नेटवर्किंग, कमीशनिंग और अनुरक्षण के पर्यवेक्षण सहित संकल्पनात्मक आयोजना, विस्तृत वास्तुशिल्प और संरचनात्मक डिजाइन, ड्राफ्टिंग के लिए उत्तरदायी होगा।

नमो भारत ट्रेन सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन हो : शलभ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल नमो भारत ट्रेन में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

● एनसीआरटीसी के एमडी ने मेरठ साउथ से सराय काले खां कॉरिडोर का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने मेरठ साउथ स्टेशन से लेकर दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन तक आरआरटीएस कॉरिडोर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कॉरिडोर के तेजी से किए जा रहे निर्माण कार्यों में जुटे अधिकारियों के सामने आने वाली जटिलताओं के बारे में समझा और उन्हें प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने निर्माण सुरक्षा और सेफ्टी के मानदंडों का सख्ती से पालन करते रहने के भी निर्देश दिए। इसके बाद उन्होनें दिल्ली सेक्शन के निर्माणाधीन न्यू अशोक नगर और सराय काले खां एलिवेटेड स्टेशनों के जटिल निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस बीच उन्होनें कॉरिडोर के तेजी से किए जा रहे निर्माण कार्यों में जुटे अधिकारियों के सामने आने वाली जटिलताओं के बारे में समझा और उन्हें प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने निर्माण कार्यों के संबंध में सुरक्षा और सेफ्टी के मानदंडों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

राजधानी दिल्ली में आरआरटीएस कॉरिडोर कि लंबाई 14 किलोमीटर है। जिसमें से 9 किलोमीटर का का हिस्सा एलिवेटेड और 5 किमी का हिस्सा भूमिगत है। अंडरग्राउंड सेक्शन में आनंद विहार स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। दिल्ली सेक्शन में वायडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है और तीनों निर्माणाधीन स्टेशनों का निर्माण अंतिम चरण में हैं।

इन तीनों स्टेशनों को परिवहन के अन्य साधनों के साथ भी जोड़ने कि गतिविधियां तेजी पर हैं। अपने निरक्षण के दौरान गोयल ने कहा कि देश के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम के निर्माण से दिल्ली-एनसीआर के विकास में बढ़ोत्तरी होगी और यहां रहने वाले लोगों के लिए हाई स्पीड सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था तैयार होगी, जिसमें एनसीआरटीसी के कर्मियों की अहम भूमिका होगी।

मेरठ साउथ स्टेशन बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही यहां नमो भारत ट्रेनें दौड़ने लगेंगी। गोयल ने स्टेशन के संचालित किए जाने की तैयारियों को बारीकी से परखते हुए पार्किंग का भी जायजा लिया। इसी स्टेशन से मेरठ मेट्रो की शुरूआत होगी, जो मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक मेरठ वासियों के जीवन को आरामदायक बनाएगी, जिसके लिए इस स्टेशन में तीन प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं, जिनमें से 2 प्लेटफॉर्म नमो भारत ट्रेनों के लिए और एक प्लेटफॉर्म मेरठ मेट्रो के लिए होगा।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 9 जुलाई, 2024

हर नागरिक लगाए एक पेड़ मां के नाम: सिंह

वन मंत्री ने की अभियान की शुरुआत, पौधारोपण के लिए वन विभाग से निःशुल्क दिए जाएंगे पौधे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● इस अभियान के तहत प्रदेश में लगाए जाएंगे लाखों पौधे

हरियाणा सरकार ने सात दशक से अधिक पुराने वृक्षों के पालन-पोषण के लिए पेंशन स्कीम शुरू कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी वचनबद्धता को दोहराया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकार प्रदेश को हरा-भरा बनाने के लिए वन मित्र जैसी अनेक योजनाएं लेकर आई है। यह बात हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं खेल मंत्री संजय सिंह ने कही।

सोमवार को गांव सांप की नंगली से एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत करते हुए मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने गांव के कुंडावाला मंदिर प्रांगण में पौधारोपण भी किया। मंत्री संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में एक पेड़ मां के नाम अभियान को चलाया है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से हरियाणा प्रदेश में इस अभियान के तहत करीब लाखों पेड़ लगवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो भी नागरिक यह वृक्ष लगाएंगे, वे अपनी माता की स्मृति को तो हमेशा याद रखेंगे ही, यह धरती मां के लिए भी एक अनुपम सेवा होगी। वृक्षों से ही हमारा जीवन सुरक्षित रहता है। यह दृश्य हम कोविड के दौरान देख चुके हैं। उस समय वातावरण शुद्ध हुआ तो इससे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि हुई थी।

वन, पर्यावरण एवं खेल मंत्री संजय सिंह ने कहा कि आम जन के सहयोग से ही सरकार किसी अभियान को सफल बना सकती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को एक पौधा अपनी माता के नाम से अवश्य रोपित कर उसकी देखभाल करनी चाहिए। हरियाणा सरकान ने वन मित्र के नाम से भी एक योजना शुरू की है। जिसमें पौधों की देखभाल करने के लिए एक नागरिक को कुछ निश्चित धनराशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पहली बार वृक्षों के नाम से पेंशन स्कीम शुरू की गई है। जिसमें 75 साल पुराने पेड़ की देखरेख करने वाले व्यक्ति को 2700 रुपये पेंशन दी जाने की योजना शुरू है। वन विभाग के एडिशनल चीफ कंजर्वेटर अनंत प्रकाश ने कहा कि जलवाय परिवर्तन बढ़ते प्रदूषण के करण वन संपदा कम होती जा रही है। जिस कारण धरती पर कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। सरकार की ओर से गुरूगाम जिला में साढे तीन लाख पौधे लगवाए जाएंगे। नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि लेखराज सिंह ने कहा कि सरकार के इस अभियान में नगर परिषद की ओर पूरा सहयोग दिया जाएगा।

गांव सांप की नगली में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण करते मंत्री संजय सिंह।

500 करोड़ की जमीन कौड़ियों के भाव लुटाने की फिराक में निगम अधिकारी

● सरपंच सुंदर लाल यादव के नेतृत्व में सिकंदरपुर के ग्रामीणों ने की निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर इस फर्जीवाड़े को रोकने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

निगमायुक्त को सिकंदरपुर गांव की जमीन बिल्डर को कम दामों में बेचने की तैयारी के विरोध में ज्ञापन सौंपते ग्रामीण।

मानेसर नगर निगम क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर की करोड़ों की पंचायती जमीन को निगम अधिकारियों द्वारा मिलीभगत करके बेचने की तैयारी है। इस सूचना पर गांव के सरपंच सुंदर लाल यादव के नेतृत्व में सोमवार को मौजिज ग्रामीणों ने मानेसर नगर निगम कमिश्नर को शिकायत दी।

गांव के सरपंच सुंदर लाल यादव ने निगम कमिश्नर को जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये की जमीन को काफी कम कीमत पर वाटिका बिल्डर को बेचा जा रहा है। गांव के पंचायती रास्तों की जमीन वाटिका बिल्डर की जमीन के बीच में है। करीब ढाई एकड़ रास्तों की जमीन पर गांव वालों की भी जमीन है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से इस जमीन को सर्कल रेट पर करीब 17 करोड़ रुपये में बेचने की तैयारी की गई है। जबकि इस जमीन की वास्तविक कीमत 500 करोड़ रुपये से भी अधिक है। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि सिकंदरपुर गांव में कोई सामुदायिक केंद्र नहीं है। ना ही गांव के पास कोई ऐसी जमीन है, जहां पर यह केंद्र बनाया जा सके। वे चाहते हैं कि वाटिका में सामुदायिक केंद्र के लिए जमीन दी जाए।

सुंदर यादव के साथ अन्य मौजिज ग्रामीणों दीपक, सज्जन सिंह, धर्मवीर, अजित, विकास, नरेश ने मानेसर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि उनके गांव की जमीन अगर इस तरह से कौड़ियों के भाव निजी बिल्डर को बेची जाती है तो ग्रामीण खुलकर इसका विरोध करेंगे। इस जमीन को बचाने के लिए पंचायत निदेशक और हाईकोर्ट से भी ग्रामीण जीत चुके हैं। अगर जरूरत पड़ी तो फिर से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

मां ने जिसे बनाया रक्षक, उसी ने पीटकर ले ली एक मासूम की जान, दूसरा घायल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● महिला की गैर मौजूदगी में अक्सर पीटता था बच्चों को

● पति की मौत के बाद एक अन्य युवक के साथ रह रही थी महिला

राजेंद्रा पार्क में बच्चे की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थाना राजेंद्रा पार्क पुलिस के अनुसार 7-8 जुलाई की रात को सरकारी अस्पताल से सूचना मिली थी कि 9 साल के बच्चे मानू को घायलावस्था में व एक 7 साल के बच्चे को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया है। इस सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची। वहां पर बच्चों के दादा ने जानकारी दी कि वह अपने परिवार के साथ टेकचंद नगर गुरुग्राम में रहता है। उसके बड़े बेटे विजय कुमार का वर्ष 2023 में निधन हो गया था। उसके बाद उसकी पुत्रवधू राजेंद्रा पार्क में अपने बच्चों समेत एक व्यक्ति के साथ रहने लगी। वह व्यक्ति दोनों बच्चों को पीटता था। उसकी पुत्रवधू का 7 जुलाई को फोन आया कि प्रीत व मानु को चोट लगी है। वह उन्हें अस्पताल लेकर गई है। वह भी घबरा गया और अस्पताल पहुंचा।

पुत्रवधू ने जानकारी दी कि जिस व्यक्ति के साथ वह रहती थी, उसने बच्चों के साथ मारपीट की है। चोट लगने के कारण प्रीत की मृत्यु हो गई है। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को सोमवार को राजेंद्रा पार्क से काबू कर लिया। उसकी पहचान विनीत चौधरी निवासी बिजनौर (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई है। फिलहाल वह राजेंद्रा पार्क में ही रहता है।

पूछताछ में पता चला कि वह अक्सर बच्चों की मां की गैर मौजूदगी में बच्चों के साथ मार पीट करता था। सात जुलाई को वह जब घर आया तो बच्चों की मां घर पर नहीं थी। उसने बच्चों के साथ मारपीट की, चोंटों के कारण 7 वर्षीय बच्चे प्रीत की मौत हो गई। साथ ही 9 वर्षीय लड़का मानू घायल हो गया। आरोपी एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है।

सरकार नशा रोकने के लिए कृत संकल्पित: डीसी

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए प्रशासन और पुलिस संयुक्त रूप से गुप्त कार्यवाही करें। प्रसाद ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों के साथ एनकोर्ड की 8वीं राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहाकि नकली व अवैध दवाइयों की बिक्री रोकने के लिए सख्ती से मॉनिटरिंग की जाए तथा विशेषकर ड्रग की हर मूवमेंट को ट्रैक किया जाए। सभी मेडिकल स्टोर के अन्दर व बाहर सीसीटीवी कैमरे लगे है या नहीं चैकिंग करके सुनिश्चित करें। सीसीटीवी कैमरे नहीं लगवाने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों पर कार्यवाही करें। नशा करने वालों और बेचने वालों की गम्भीरता से निगरानी करना सुनिश्चित करें।

महिलाओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं: सोनिया

● हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने थाने का किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महिला थाना के औचक निरीक्षण के दौरान फरियादी महिला के बारे में पुलिस अधिकारियों को निर्देश देतीं हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने गुरुग्राम के सेक्टर-51 स्थित महिला थाना में महिला शिकायतकर्ताओं की फरियाद सुनीं। साथ ही थाना प्रबंधक गीता को उन मामलों में संवेदनशीलता के साथ उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जो खामियां मिलीं, उन्हें दुरुस्त करने को कहा। इस दौरान एसीपी डॉ. कविता भी मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल सोमवार को महिला थाना का औचक निरीक्षण करने पहुंची। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा महिला आयोग महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े जो भी मुद्दे सरकार तक पहुंचाने की बात आती है तो आयोग के माध्यम सरकार से उसे पूरा करने की सिफारिश की जाती है।

उपाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के अत्याचार और उत्पीड़न करने वाले व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा। महिला आयोग के द्वारा इसकी कड़ी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से काम कर रहे हरियाणा महिला आयोग के प्रयासों से आज प्रदेश में महिलाएं अत्याचार का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है।

उपाध्यक्ष ने थाना के औचक निरीक्षण में शिकायत लेकर पहुंची महिला शिकायतकर्ताओं से बातचीत करते हुए उनके मामलों में सुलह भी करवाई।

ड्रिंक एंड ड्राइव में 5 महिलाओं समेत 673 वाहनों के किए चालान

गुरुग्राम। जिला पुलिस ने सप्ताहभर का एक विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रिंक एंड ड्राईव) वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसा। इस दौरान 5 महिलाओं समेत 673 वाहनों ने पुलिस ने चालान काटे। इस अभियान को लेकर यातायात पुलिस उपायुक्त विरेंद्र विज द्वारा यातायात पुलिस की विभिन्न पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीमों को चिन्हित स्थानों पर विशेष आदेश/निर्देश देकर तैनात किया गया। चिन्हित स्थानों पर तैनात की गई पुलिस टीमों द्वारा नाका लगाकर चेकिंग करते हुए 5 महिला वाहन चालक सहित कुल 673 वाहन चालक ड्रिंक एंड ड्राईव करते हुए मिले। उनके खिलाफ कार्यवाही करते हुए उनके चालान किए गए। एक जनवरी 2024 से 30 जून 2024 तक कुल 10567 ड्रिंक एंड ड्राइव के चालान किए जा चुके हैं।

सीकरी केसी चटर्जी मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित

● अनेक संस्थाओं एसोसिएशनों से जुड़कर समाजसेवा को दे रहे आयाम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

के.सी. चटर्जी मेमोरियल पुरस्कार ग्रहण करते बोधराज सीकरी।

गुरुग्राम के विख्यात समाजसेवी बोधराज सीकरी को अवार्ड फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन की ओर से के.सी. चटर्जी मेमोरियल अवार्ड-2024 से नवाजा गया।

फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन इस प्रोफेशन में सराहनीय योगदान के लिए हर वर्ष औषधि उद्योग के व्यक्ति को संस्था सम्मानित करती है। इस बार यह सम्मान बोधराज सीकरी को दिया गया। इण्डियन फार्मास्यूटिकल कांग्रेस के तत्वावधान में हैदराबाद में तीन दिवसीय औषधि उद्योग का समारोह हुआ। इसमें 12000 से अधिक विद्यार्थियों और औषधि उद्योग के दिग्गज एकत्र हुए। समारोह में तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि रहे।

चाकू से हमला करने के आरोपी ने पुलिस हिरासत में की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के आरोपी ने रविवार देर रात पुलिस हिरासत में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, घटना अपराध शाखा सेक्टर-65 स्थित थाने में हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गाजीपुर के रहने वाले हरीश को तीन दिन पहले मॉल ऑफ फरीदाबाद में उसके साथी अमित ने पैसों के लेनदेन के चक्कर में चाकू मारकर घायल कर दिया था। उन्होंने बताया कि हमले में हरीश गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसे फोर्टिस एस्कार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अधिकारी ने बताया कि कोतवाली थाने में आरोपी अमित के खिलाफ जानलेवा हमले की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर अपराध शाखा की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि रविवार रात को आरोपी ने आत्महत्या कर ली।

अधिकारी ने बताया कि मृतक अमित के शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

समाधान शिविर में सुनी 61 समस्याएं, 22 का समाधान

समाधान शिविर में समस्याएं सुनते उपायुक्त निशांत कुमार यादव।

गुरुग्राम। जिला प्रशासन की तरफ से नियमित कार्य दिवस पर समाधान शिविर का आयोजन करवाया जा रहा है। समाधान शिविर में डीसी निशांत कुमार यादव ने नागरिकों की शिकायतों को सुना व अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। सोमवार को अ समाधान शिविर में 61 शिकायतों पर सुनवाई की गई और 22 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे शिविरो में सोमवार को संबंधित एसडीएम ने 16 समस्याओं की सुनवाई करते हुए 10 का तत्काल निवारण किया। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं के समाधान में जिला व खंड स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर कारगर सिद्ध हो रहे हैं। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का समाधान होने से उनमें सरकार व जिला प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। वे सरकार की इस मुहिम से बेहद प्रसन्न नजर आ रहे हैं। डीसी ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की शिकायतों को जल्द से जल्द दूर करें। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान राज्य सरकार व जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी रखने के निर्देश

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने विधायक नयनपाल रावत के साथ सागरपुर डीघ प्रहलादपुर के ग्रामीणों और बीपीसीएल के अधिकारियों की संयुक्त रूप से बैठक ली। बैठक में उन्होंने प्याला से जेवर तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य सुचारू रूप से जारी रखने के निर्देश दिए, जिसमें ग्रामीणों से विशेष सहयोग की अपील की। लघु सचिवालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त विक्रम सिंह ने विस्तार से प्याला बीपीसीएल से जेवर तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य की प्रगति रिपोर्ट ली। यह पाइप लाइन प्याला सागरपुर, डीघ प्रहलादपुर से होकर गुजर रही है। इसके मुआवजे को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की, जिसके तहत उपायुक्त ने ग्रामीणों के साथ संबंधित कंपनी के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में ग्रामीणों ने मांग की कि गेहूं, गेहूं का भूसा व मूंग फसलों का मुआवजा वितरीत किया जाए, तीसरी फसल धान की रोपाई शुरू हो चुकी है जिसका मुआवजा दिलायें, सर्कल रेट बढने के साथ भूमि मुआवजा में भी बढ़ोतरी इत्यादि मांगे प्रस्तुत की।

साइबर ठगों का नया पैंतरा है ट्रैफिक ई-चालान: एसपी

फरीदाबाद। पलवल पुलिस द्वारा विशेष जागरुक अभियान चलाकर लोगो को साइबर अपराधों से बचने हेतु जागरुक किया जा रहा है। जो इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा शहरी/ग्रामीण क्षेत्र तथा स्कूल, कॉलेज इत्यादि में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है और लोगों को नये तकनीकी फ्रॉड के बारें जागरुक किया जा रहा है। पलवल पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन ने बताया कि आजकल साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी ट्रैफिक पुलिस ई-चालान घोटाला चलाया जा रहा है, जो लोगों को ई-चालान को ध्यान में न रखने या लापरवाही से पढ़ने का लालच देकर किया जाता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी इंटरनेट की दुनिया में सक्रिय रहते हैं। वे लगातार नए मौकों की तलाश में रहते हैं। इस तरह के घोटाले का तरीका लोगों को ट्रैफिक ई- चालान के भुगतान के लिए एक दुर्भावनापूर्ण लिंक पर क्लिक करने के लिए मजबूर करना है। व्यक्ति का विश्वास जीतने के लिए, धोखाधड़ी वाले संदेश को इस तरह से तैयार किया जाता है कि यह वास्तविक लगे।

अधिकारी तुरंत प्रभाव से करें शिकायतों का निपटारा: बनवारी

● लोक संपर्क एवं परिवाद समिति की मासिक बैठक में बोले पब्लिक हैल्थ मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जन शिकायतों का सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तुरंत प्रभाव से निपटान करना सुनिश्चित करें, ताकि नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। यह निर्देश हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री डा. बनवारी लाल ने सोमवार को जिला सचिवालय के सभागार में आयोजित परिवाद समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभागीय जिलाधिकारियों को दिए। मासिक बैठक के एजेंडा में कुल 14 परिवाद शामिल किए गए, जिनमें से 13 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।

डा. बनवारी लाल ने गांव सुलतानपुर निवासी राजेंद्र द्वारा गांव में दूषित पानी की निकासी न होने और उनके खेत में जाने वाले रास्ते को बंद करने संबंधी शिकायत की सुनवाई करते हुए एसडीएम की अध्यक्षता में कमेटी बनाने के निर्देश दिए।

हत्या के मामले में एक को 20 साल जेल व दूसरे को उम्रकैद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

चाकू मारकर हत्या के एक मामले में अदालत ने दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। एक को 20 साल की सजा व दूसरे को उम्रकैद की सजा दी गई है। दोषियों में एक नाबालिग है व दूसरा बालिग।

पुलिस के अनुसार 14 सितम्बर 2019 को थाना पटौदी में एक सूचना खंडेवला मोड हेली मंडी पर एक व्यक्ति की चाकू लगने से घायल होने के बारे में मिली थी। जब पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची तो घायल को अस्पताल ले जाया जा चुका था। अस्पताल में उसकी मौत हो चुकी थी। जिसका नाम हेतराम था। इस घटना के बारे में मृतक हेतराम के भाई ने लिखित शिकायत देकर कहा कि उसका भाई हेतराम निवासी जोड़ी खुर्द इनके एक जानकार की खंडेवला मोड़ हेली मंडी पर स्थित दूध की डेयरी पर गया था। वहां पर उनके जानकार के लड़कों ने चाकू मार कर उसके भाई की हत्या कर दी। इस पर पुलिस ने केस दर्ज किया था।

पहली यात्रा में भाजपा हुई हाफ दूसरी में हो जाएगी साफ: तंवर

● सैलजा की पद यात्रा को लेकर बोले कांग्रेस नेता राकेश पृथला

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कांग्रेस इलेक्शन कमेटी हरियाणा के सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश तंवर पृथला ने कहा है कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा द्वारा हरियाणा में निकाले जाने वाली पद-यात्रा निश्चित तौर पर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का रास्ता साफ करेगी।

यात्रा की घोषणा के बाद जमीन से जुड़े कांग्रेसजनों में खुशी का माहौल है और वह दिल खोलकर इस यात्रा का स्वागत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पूर्व निकाली गई कांग्रेस संदेश यात्रा की सफलता का ही परिणाम है कि प्रदेश में पांच सीटों पर कांग्रेस की बड़ी जीत हुई। उन्होंने कहा कि सैलजा की यात्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा को हरियाणा में लोकसभा में आधे पर खड़ा कर दिया और अबकीबार की पद-यात्रा विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से भाजपा का सूपड़ा ही साफ कर देगी। राकेश तंवर सोमवार को पृथला में आयोजित पत्रकार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बढ़ता शोर बहरेपन को दे रहा बढ़ावा: डा. अशोकन

● नेशनल इनिशिएटिव फॉर सेफ साउंड की आठवीं कॉन्फ्रेंस में ध्वनि प्रदूषण पर जताई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नेशनल इनिशिएटिव फॉर सेफ साउंड की आठवीं कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ करते अतिथि।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की यहां नेशनल इनिशिएटिव फॉर सेफ साउंड की आठवीं कॉन्फ्रेंस में ध्वनि प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा हुई। देशभर से पहुंचे विशेषज्ञों ने भारत में बढ़ते बहरेपन के मामलों पर चिंता जाहिर की। साथ ही इस बात की आवश्यकता भी जताई कि लोगों को ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरुक करना बेहद जरूरी हो चुका है।

इस कॉन्फ्रेंस में आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष बबब ईएनटी एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शंकर मेडिकरी, एनआईएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जॉन पनकर, एनआईएसएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अजय लेखी व डॉ सीएन राजा सहित देशभर से काफी संख्या में आए चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते प्रभावों के दुष्परिणाम पर सभी चिकित्सकों ने चिंता जताई। आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण और इसकी रोकथाम को लेकर लोगों को जागरुक करना आवश्यक हो चुका है। विशेषकर छोटे बच्चों में शुरू से इसके प्रति जागरुकता लाना जरूरी है। भारत में वाहनों में तेज हॉर्न बजाने का चलन, हेडफोन के ज्यादा प्रयोग, समारोहों में तेज ध्वनि में संगीत बजाने की व्यवस्था पर कंट्रोल होना जरूरी हो चुका है। नेशनल इनिशिएटिव फॉर सेफ साउंड की कन्वीनर डॉ. सारिका वर्मा ने कहा कि व्यवहारिक रूप से लोगों को यह सिखाने की जरूरत है कि जिस प्रकार विदेशों में वाहनों के हॉर्न का प्रयोग बिल्कुल नहीं होता है ऐसी ही व्यवस्था के लिए भारत में भी शुरूआत की जाए।

क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की तरफ से ध्वनि को लेकर निर्धारित मानकों का प्रयोग, जिसमें यह तय किया गया है कि 55 डेसिबल से ज्यादा दिन में और 45 डेसिबल से ज्यादा शोर रात के समय में नहीं होना चाहिए। उसका हजार गुना शोर हमारे शहरों में रहता है। जिसकी वजह से लोगों के सुनने की क्षमता काफी कम होती जा रही है। जो कि आगे चल कर बहरेपन के रूप में भी तब्दील हो जाती है।

बंद हों समगोत्र शादियां, लिव इन पर लगे रोक

सर्वजातीय सर्वखाप के प्रतिनिधियों ने की सीएम के साथ बैठक, कहा- पारंपरिक मान्यताओं व प्रथाओं का हो रहा हनन

● प्रेम विवाह में जरूरी हो माता-पिता की मंजूरी

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा के खाप नेताओं ने समगोत्र शादियों के विरोध में कड़ा कानून बनाने की मांग की है। वैवाहिक संबंधों को लेकर संघर्ष कर रहे सर्व जातीय सर्व खाप हरियाणा के प्रतिनिधियों का एक शिष्टमंडल सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला। खाप नेताओं ने हरियाणा में हजारों साल से चली आ रही सामाजिक मान्यताओं का हवाला देकर कहा कि वर्तमान हालात में हिंदू मैरिज एक्ट में कई तरह के संशोधनों की जरूरत है।

इस बैठक में गठवाला खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मलिक, लव वंशीय खत्री खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र खत्री, सिरोहा खाप प्रधान रणधीर सिरोहा, देशवाल खाप प्रधान संजय देशवाल, नांदल खाप प्रधान ओमप्रकाश नांदल, सैन समाज हरियाणा के प्रधान दिलबाग, ओमप्रकाश कंडेला व जगवंत हुड्डा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

खाप नेताओं ने कहा कि आज के लड़के-लड़कियां समगोत्र शादियों को बढ़ावा देते हुए एक ही गांव, पड़ोस के गांव में शादियां कर रहे हैं यह हरियाणा की पारंपरिक मान्यताओं के विरूद्ध है। हिंदू विवाह अधिनियम के माध्यम से मान्यताओं, जीवन शैली तथा प्रथाओं का हनन किया जा रहा है। खाप नेताओं ने लिव इन रिलेशन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से आवाहन किया कि इसे तुरंत प्रभाव से खत्म करके हुए रोक लगाई जाए। हरियाणा आज लिव इन का चलन आम हो गया है और इस तरह से रहने वाले युवा असमय मौत का शिकार हो रहे हैं। हरियाणा में पिछले समय के दौरान ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें लड़कियां गर्भवति होकर आत्महत्या कर रही हैं और लड़के फरार हो जाते हैं।

प्रेम विवाहों पर आपत्ति जताते हुए खाप नेताओं ने कहा कि सरकार ऐसा कानून पास करे जिसमें माता-पिता की स्वीकृति को अनिवार्य किया जाए। माता-पिता की स्वीकृति के बगैर होने वाले प्रेम विवाह को मान्यता न दी जाए। मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ करीब एक घंटे तक चली इस बैठक में कई अन्य पहलुओं पर भी चर्चा हुई। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मामले में एक कमेटी का गठन करके जो वर्तमान हालातों को देखते हुए हिंदू मैरिज एक्ट का रिव्यू करेगी। इस कमेटी में अधिकारियों, कानून विशेषज्ञों के अलावा खाप नेताओं को भी शामिल किया जाएगा।

खत्म होंगे एचएसवीपी में एनहासमेंट के विवाद

● मुख्यमंत्री ने दिए अधिकारियों को पॉलिसी बनाने के निर्देश

लगभग 4400 से अधिक प्लॉट मालिकों को मिलेगी बड़ी राहत

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के आवंटियों को जल्द ही करोड़ों रुपये का तोहफा मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने प्लॉटों के एनहांसमेंट के लंबित मामलों के निपटान हेतु 'विवादों का समाधान' योजना के तहत अधिकारियों को एक नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इस योजना के तहत एनहांसमेंट की बकाया राशि को एकमुश्त जमा करने से लगभग 4400 से अधिक प्लॉट मालिकों के 2015 से 2019 के बीच लंबित एनहांसमेंट मामलों का समाधान करते हुए उन्हें ब्याज में भी बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सोमवार को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में नगर एवं ग्राम आयोजना और शहरी संपदा मंत्री जेपी दलाल भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य ध्येय लोगों को राहत पहुंचाना है, इसलिए एक प्रभावी नीति तैयार करके एनहांसमेंट के लंबित मामलों को सुव्यवस्थित तरीके से जल्द से जल्द निपटाया जाए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि हाउसिंग फॉर ऑल विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही हाउसिंग योजनाओं के तहत भी इस प्रकार के विवादों का जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि एचएसवीपी द्वारा वर्तमान में ई-नीलामी के माध्यम से बेचे जा रहे प्लॉट का उचित सीमांकन (डीमार्केशन) करना सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में प्राधिकरण और आवंटी के मध्य किसी प्रकार का कोई विवाद पैदा न हो। इसके अतिरिक्त उन्होंने मनसा देवी कॉम्पलेक्स पंचकूला में रेहड़ी-फड़ी वालों को उचित स्थान मुहैया करवाने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि एचएसवीपी और श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड साथ मिलकर इस संबंध में एक नीति तैयार करें।

तीन माह में 15 हजार प्लॉटों की होगी नीलामी

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एचएसवीपी द्वारा जून 2021 से लेकर अब तक लगभग 25,000 प्लॉटों का आवंटन ई-नीलामी द्वारा किया जा चुका है, जिससे लगभग 27,000 करोड़ रुपये प्राधिकरण को मिले हैं। प्राधिकरण के पास अभी भी लगभग 70 हजार प्लॉट उपलब्ध हैं, जिसमें से आने वाले 3 महीने में लगभग 15,000 प्लॉटों की ई-निलामी करने के लिए प्राधिकरण की पूरी तैयारी है। इससे लगभग प्रति माह 2,000 से 2,500 करोड़ रुपये प्राधिकरण को प्राप्त होंगे।

चिकित्सकों ने महानिदेशक कार्यालय का किया घेराव

● 15 जुलाई को प्रदेश भर में दो घंटे की कलम छोड़ हड़ताल का ऐलान

● मांगें नहीं मानी गईं तो 25 जुलाई से बंद होंगी इमरजेंसी सेवाएं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर प्रदेशभर से आए चिकित्सकों ने सोमवार को स्वास्थ्य महानिदेशक कार्यालय के बाहर मांगों को लेकर धरना दिया। इस दौरान डीजी हेल्थ से बातचीत हुई और लंबे समय से उनकी मांगों को लेकर केवल आश्वासन दिए जाने पर कहा कि आने वाले समय में वह अनिश्चितकालीन आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

प्रदर्शन के लिए सभी जिलों से जिला संगठन के पदाधिकारी पहुंचे हुए थे। इस दौरान डॉक्टरों संगठन और कोर कमेटी ने आगे की रणनीति को लेकर बैठक भी की। हरियाणा एचसीएमएस अध्यक्ष डाक्टर राजेश ख्यालिया और महासचिव अनिल यादव ने बताया कि डॉक्टरों की मांगे पूरी नहीं होने के कारण उन्हें अनिश्चितकालीन धरने प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इससे पहले भी विभाग के डीजी हेल्थ, एसीएस सभी से मिलकर अवगत कराया जा चुका है। डाक्टरों के अनुसार अभी भी सुनवाई नहीं हुई, तो 15 जुलाई को डॉक्टरों ने प्रदेश के अंदर दो घंटे के लिए कलम छोड़ हड़ताल का फैसला लिया है। 25 जुलाई से अनिश्चितकाल के लिए इमरजेंसी सेवाएं बंद कर दी जाएंगी।

एसोसिएशन पदाधिकारियों का कहना है कि इसके कारण जो समस्या आएंगी, उसके जिम्मेदार अफसर व सरकार होगी। एसोसिएशन प्रधान डॉक्टर राजेश ख्यालिया, महासचिव अनिल यादव, उप प्रधान डॉक्टर वीरेंद्र ढांडा के अनुसार प्रदेश के सभी चिकित्सकों को 15 जुलाई की हड़ताल में शामिल होने के लिए लामबंद किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले पूर्व सीएम मनोहरलाल ने विधानसभा में कहा था कि हम विशेषज्ञों की कमी को देखते हुए अलग से कैडर बनाने का काम करेंगे। बताते हैं कि इस पर अप्रूवल के बाद भी टेबल से टेबल पर घुमाया जा रहा है।

क्या हैं डाक्टरों की मांगें

- पीजी के लिए बांड की राशि को कम किया जाए।
- सीधे एसएमओ की भर्ती न की जाए।
- एसीपी और भत्ते केंद्र सरकार के बराबर दिए जाएं।
- विशेषज्ञों का कैडर अलग से बनाया जाए।

नरेंद्र शर्मा बने अखिल भारतीय सारस्वत ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

कुरुक्षेत्र। अखिल भारतीय सारस्वत ब्राह्मण सभा एवं धर्मशाला के चुनाव में पूर्व पार्षद नरेंद्र शर्मा निंदी ने 249 वोट लेकर अपने प्रतिद्वंदी सुभाष शर्मा को 58 वोटो के अंतर से हराया। सुभाष शर्मा को 191 वोट मिले। इस चुनाव में नरेंद्र शर्मा निंदी के पूरे पैनल ने सभी सात पदों पर विजय प्राप्त की। इस चुनाव में कुल 505 मतदाताओं में से 451 मतदाताओं ने अपना मतदान किया। वहीं वरिष्ठ उप प्रधान के पद पर नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं ठेकेदार कुलदीप शर्मा गोल्डी ने 232 वोट लेकर अपने प्रतिद्वंदी सुशील शर्मा ठेकेदार को 27 वोटो के अंतर से हराया। सुशील ठेकेदार को 205 वोट मिले।

इसी प्रकार उप प्रधान (प्रथम) के पद पर अमित शर्मा ने 257 वोट लेकर अपने प्रतिद्वंदी गोपाल चंद शर्मा को 72 वोटो से हराया। गोपाल चंद शर्मा को 185 वोट मिले।

प्रदेश में बढ़ते अपराध पर सख्त हुए सैनी

● गृह विभाग की बुलाई बैठक, मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार पुलिस अधिकारियों से होंगे रूबरू

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में बढ़ती अपराधिक घटनाओं पर मुख्यमंत्री नायब सैनी सख्त हो गए हैं। नायब सैनी ने गृह विभाग की बैठक बुला ली है। मंगलवार को होने वाली इस बैठक में पुलिस महानिदेशक समेत तमाम आला पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला मौका है जब नायब सैनी गृहमंत्री होने के नाते पुलिस विभाग की बैठक लेने जा रहे हैं।

हरियाणा में पिछले कुछ दिनों से हत्या व अन्य अपराधिक घटनाओं के मुकाबले व्यापारियों व कारोबारियों से फिरौती मांगने की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। विपक्षी दलों द्वारा इसे मुद्दा बनाया जा रहा है। हिसार व कई अन्य स्थानों पर व्यापारी वर्ग बाजार बंद करके रोष भी जता चुका है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घिरते देख नायब सैनी ने यह बैठक बुलाई है। इससे पहले मनोहर सरकार में गृह विभाग अनिल विज के पास था। 12 मार्च को सत्ता परिवर्तन होने के बाद लोकसभा चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई। जिसके चलते मुख्यमंत्री गृह विभाग की बैठक नहीं कर पाए। अब पिछले कुछ दिनों से बढ़ रही घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने क्राइम रिपोर्ट तलब कर ली है। सरकार ने दो दिन पहले ही आईएएस अनुराग रस्तोगी को प्रदेश का गृह सचिव तैनात किया है।

साइबर ठगी से बचाने को परामर्श जारी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने कहा कि बदलते वक्त के साथ साईबर ठगों ने भी अपने पैंतरे बदले हैं। साइबर ठग नए-नए तरीकों से आमजन को निशाना बना रहें हैं। पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र ने कहा कि साईबर ठगों के निशाने पर हर वह आदमी है, जो किसी भी डिजिटल माध्यम से जुड़ा है फिर चाहे वह इंटरनेट मीडिया हो या फिर इंटरनेट बैंकिंग। उन्होंने कहा कि आजकल साइबर ठग ई-चालान के नाम से ठगी कर रहें हैं। यदि आपके पास भी आरटीओ के नाम से ई-चालान का मैसेज आता है तो सावधान हो जाइए। मैसेज भेजने वाला आरटीओ विभाग नहीं ठग हो सकतें हैं। ठगों द्वारा चालान भरने के लिए दिए गए किसी भी लिंक पर क्लिक ना करें वर्ना आपका खाता खाली हो सकता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साईबर ठग तरह-तरह के लालच देते हैं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित गाड़ी नंबर वाली कारें जो कि अपनी लाइफ पूरी कर चुकी हैं पेट्रोल कारें 15 साल, डीजल कारें 10 साल। पाइन व्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम् सी डी ड्राइव में जब्त की गई थी और अभी तक किसी के द्वारा भी क्लेम नहीं की गयी है। इन सभी गाड़ी मालिकों को सूचित किया जाता है कि कंपनी के ऑफिस में आ कर गाड़ी की स्क्रैप वैल्यू क्लेम कर लें। अन्यथा ये सभी गाड़ियां अगले तीन दिन में स्क्रैप कर दी जाएंगी।

DL4SBG8647,	DL4SAF2034,	UA06F9589,
DL6SQ1896,	DL9SU2833,	DL7SAT5152,
UP873643,	DL4SAD6138,	DL7SBF1493,
DL6SE5900,	DL6SAA5171,	DL7SAG0240,
JC44E-	DL4SAH7637,	DL13S2654,
2302066,	DL4SB9447,	DL4SBF8499,
DL6SP8810,	DL8SQ4886,	PB08AR6719,
DL6SB9385,	DL6SAA3183,	DL8SAJ1573,
DL3ST9286,	UP16U5784,	DL8SAQ8802,
DL7SZ8310,	DL6SF2630,	DL6SAC4193,
DL6SX1893,	DL4SAS2820,	DL7SAD2238,
HR10L4311,	DL6SL9993,	DL4SBH5881,
DL4SG0001,	DL4SK2237,	DL6SAD2086,
DL4SBJ9864,	5US003277,	DL6SAD2489,
PB02AG7895,	DL6ST9782,	DL8SK3973,
DL4SBD7376,	DL9SX5814,	HR05U5799,
DL6SAB2637,	DL4SBM4429,	96L1L50-
DL4SND4274,	DL4SAX4486,	50708,
DL8SZ8240,	DL5CD9079,	DL1SR6844,
DL4SBJ9341,	DL4CU4649,	DL3SAX3717,
DL4SNC0194,	DL5CE0158,	DL1SM7997,
DL4SAZ6741,	NAF311,	DL8SAL3987,
DL4SAX2559,	UP16AL8521,	DL8SAR5173,
DL6SAE1011,	61225BK-	DL4SND1965,
UP73C8450,	C23054,	DL8SAJ5001,
DL6SE6599,	DL5SM8332,	DL6SAA7747,
BR17D2465,	DL6SAA1547,	DL1SR8615,
DL9SK0190,	DL6SZ0523,	DL8SAR1420,
DL7SAH0331,	DL4SBG9658,	DL8SAM0239,
DL8SAJ8914,	DL8SN3550,	DL8SAR5179,
DL8SAA3570,	DL4SY6366,	UP16U5907,
DL4SAZ7164,	DL6SAD1826,	ST91IN-
DL4SND4758,	UMQ5719,	502875,
DL2CAJ1707,	DL9SR9544,	MA1YA21-
DL6SAD2980,	DL6SQ6023,	JKB2H23073,
DL6SP2341,	DL6SU3606,	HYW2621,
DL6SP1776,	DL3SBK7906,	DL3SR9103,
DL7SBC2056,	DL4SBE7878,	DL7SAN0710,
DL1S7839,	DL8SAJ8703,	DL7SAA4376,
DL6SE5664,	HR51AD2711,	DL7SAK9203,
DL4SAF6771,	DL8CAF4525,	DL13SC6312,
DL3SAX5039,	HR99TW6542,	DL7SBA7355,
UP33N6889,	DL7SX7268,	DL7SU7186,
DL9SR0175,	DL4SNC3565,	DL7SBC6994,
DL4SAE3621,	DL5SAU5609,	DL1SM8449,
DL9ST0530,	DL8SAJ6766,	DL8SAR4100,
DL4SAM3354,	DL8SAJ6722,	DL4SAZ5027,
DL4SY4932,	DL9SX5702,	DL8SAN0558,
MA6TF482D9-	DL1SM2825,	DL8SAL9029,
H022451,	DL6ST3731,	HR10D8178,
DL4SNC1345,	DL8SAR2878,	UP32CL1811,
DL9ST5913,	DL7SAQ8552,	DL11S0329,
MD2DDDZZZ-	DL5SH5137,	DL6SAB3100,
PPD47218,	DL8SAC4423,	DL7SAA8100,
DL8SAR5268,	DL4SNC4310,	DL6SY8715,
DL9SD7001,	DL8SAN0618,	DL8SAL3635,
DL4SAN6710,	DL1SL2403,	DL13S2209,
DL6SS7974,	DL6SAC1677,	DL8SAS1605,
DL4SNC3282,	DL6SAD3503,	DL8SP1440,
DL4SNC4038,	DL6SAC4267,	DL2SD1381,
UA04D1462,	DL4SAK2650,	DL1SJ2907,
DL4SNA2885,	DL8SAH5081,	DL3SAW1860,
DL9SP4565,	DL3SBC3285,	AP09AW4047,
HR26AA2049,	DL4SND5163,	DL6SAB6143,
UP78BQ0876,	TN064089,	DL13SA8979,
HP389473,	DL6SAD3361,	RJ02SE1648,
DL9SP4485,	DL4SNC3840,	DL10CC3566,
UP32AJ0519,	DL9CW9990,	DL7SAQ1897,
DL9SE7676,	DL6SZ9926,	DL7SAQ9652,
DL3SX0852,	DL4SNC2632,	DDK9273,
DL4SAZ3622,	DL1SR9518,	DL7SBD7380,
DL4SAZ3266,	DL6SAD0281,	DL7SAK9189,
DL9SAA2276,	DL8SAR5774,	RJ197M7640,
UP15V2434,	DL6SS9350,	HR26AV5786,
UP15T1806,	DL1SR9485,	DL3CZ9123,
BR1AE5536,	DL6SAD2963,	DL4CAD1557,
RJ14SV9928,	DL4SNC1365,	DL9CJ5166,
UP78BU6710,	DL8SAR4430,	DL1CJ2100,
DL3SH7712,	DL3SBM3616,	DL3AG8344,
DL4SL3578,	DL6SY9509,	DL3CAG8344,
DL1ST0367,	DL5SQ6828,	DL8SL0770,
DL4SBB4482,	DL8SAR4203,	MD2DSZZ-
DL3SAE7438,	DL8SAM2825,	MCM11136,
DL4SBK2064,	DL6SL1873,	HR05S0626,
DL3SAP2794,	DL9SM1783,	UP15BK9234,
UP93V5255,	UP11W6011,	DL3CBB3790,
DL9SE0115,	DL4SBG8355,	DL1CQ9281.
DL4SAN3191,	DL8SP5432,	

हरियाणा महिला विकास निगम दे रहा ई-रिक्शा का प्रशिक्षण

● 18 से 45 वर्ष तक की महिलाएं कर सकती हैं आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा महिला विकास निगम की चेयरपर्सन पी अमनीत कुमार द्वारा सभी जिला प्रबंधक को वीसी के माध्यम से बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा केवल हरियाणा की बीपीएल परिवार की स्थाई निवासी लड़कियों/महिलाओं के लिए 10 दिन का ई-रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण महिलाओं को निशुल्क प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को ई-ऑटो रिक्शा हरियाणा महिला विकास निगम की स्कीम के माध्यम से सब्सिडी पर लोन दिलवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए लड़कियों/महिलाओं के पास हरियाणा का मूल निवासी प्रमाण पत्र के अलावा उम्र 18-45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए व इसके अलावा गरीबी रेखा से नीचे बीपीएल कार्ड धारक या जिस परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख से कम है व शैक्षणिक योग्यता कम से कम 8वीं पास व महिला की अच्छी दृष्टि एवं वैध लर्नर लाइसेंस धारक होनी चाहिए। इच्छुक महिलाएं 10 जुलाई तक जिला प्रबंधक हरियाणा महिला विकास निगम के कार्यालय में आवेदन कर सकती है।

नम आंखों से दी गई प्रदीप नैन को अंतिम विदाई

पायनियर समाचार सेवा। जींद

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप नैन का सोमवार को यहां उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। प्रदीप नैन के पार्थिव शरीर को तिरंगे से सजी गाड़ी में लाया गया।

कुलगाम में गत छह जुलाई को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान प्रदीप शहीद हो गए थे। प्रदीप नैन के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए उनके घर ले जाया गया था। प्रदीप को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। तिरंगे में लिपटे प्रदीप नैन के पार्थिव शरीर को देख कर पत्नी, मां व बहन के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता, राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा समेत अन्य लोगों ने अंतिम संस्कार से पहले प्रदीप नैन को पुष्पांजलि अर्पित की।

स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता ने कहा कि वे शहीद प्रदीप नैन की मां को सलाम करते हैं, जिसने ऐसे वीर सपूत को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि दुख होना स्वभाविक है क्योंकि जवान बेटा चला गया लेकिन गर्व भी है। प्रदीप ने आतंकवादियों को मौत के घाट उतार कर अपनी शहादत दी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उन्हें भेजा है और शहीद परिवार को जो घोषित सहायता होगी वह जल्दी दी जाएगी। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि यह दुख के साथ गर्व की बात है। जाजनवाला के वीर सपूत ने आतंकियों से लड़ते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

शहीद प्रदीप नैन ने अपनी जान की परवाह नहीं की। देशहित को सर्वोपरि रखा।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा पक्षकार रोहित सैनी, संपत्ति क्षेत्र 63.74 वर्ग गज कालोनी भीम नगर गढ़ हापुड़ परगना और तहसील और जिला,हापुड़,यूपी, श्री उमेश सैनी से खरीदार हे है तथा श्री राम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के साथ बंधक रख रहे है.तथा,यह सूचित किया जाता है की उक्त विलेख के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार,बिक्री,बंधक आदि सिवाय रोहित सैनी और उक्त संस्था के बीच,मान्या नही होगा.तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न.पर इस प्रकाशन के 08 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरैम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.७६०,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-१०,द्वारका,नई देल्ही.-७५.
मोबाइल : ९८११०१३११८

PUBLIC NOTICE

To be known to all that, Mrs. Usha Gujral W/o Late Shri Kundan Lal Gujral,R/o C-6, Jangpura Extension, New Delhi, is owner of Freehold Built-up Property bearing No.C-6, Jangpura Extension,New Delhi.The (1) Original GPA dated 05.08.1971 executed by Udho Dass Grover in favour of Shri Khan Chand Grover, (2) Original GPA dated 29.01.1973 executed by Shri Khan Chand Grover in favour of Smt. Usha Gujral, (3) Original Agreement to Sell dated 29.01.1973 executed by Shri Yudhistar Lall Grover and Smt. Sudershan Grover in favour of Smt. Usha Gujral,(4) Original Agreement to Sell dated 29.01.1973 executed by Shri Udho Dass Grover through GPA Shri Khan Chand Grover and Shri Yudhistar Lall Grover and Smt. Sudershan Grover in favour of Smt.Usha Gujral and (5) All original payment receipts and other related documents pertaining to the said property have been lost. An F.I.R./NCR to this effect has been lodged. Any person(s) found in possession of original documents may contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice.

Public Notice

This is to inform the general public that **Mrs. Sita Devi** is the owner of Property bearing municipal no. 846, old no. 107, area measuring 48 sq. yards., situated in the area of village Chowki Mubarakabad, abadi known as Lekhu Nagar, Tri Nagar, Delhi-110035.She is acquired above Said property through Sale Deed dated 23.09.2016 as doc. No. 12654 executed by **Mr. Ritesh Kaushik and Mr. Nitin Kaushik in favour of Mrs. Sita Devi** in respect of said property.

Mrs. Sita Devi intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned property to **Mr. Shahjad.** Subsequently, **Mr. Shahjad** is in the process of mortgaging the said **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas:North (Advocates & Legal Consultants)at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

दि स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)
(सी.आई.एन : L74899DL1956GOI002674)
जवाहर व्यापार भवन, टॉलस्टॉय मार्ग, नई दिल्ली. 110001

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एस.टी.सी. केवल ई-निविदा के माध्मय से एस.टी.सी. के मुख्यालय, नई दिल्ली में सम्पति कर सलाहकार के रूप में नियुक्ति के लिए इच्छुक एजेंसियों/ फर्म/एकमात्र स्वामी से बिड/बोलियां आमन्त्रित करता है। विस्तृत जानकारी के लिए एस.टी.सी. वेबसाइट **www.stclimited.co.in** तथा **www.eprocure.gov.in/eprocure/app** देखें

बीकॉम-बीएससी में दाखिले की दूसरी मेरिट सूची जारी

● आज होगी फिजिकल काउंसलिंग, 11 जुलाई तक भरनी होगी दाखिला फीस

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीज द्वारा बीकॉम व बीएससी लाइफ साइंस में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिले की दूसरी मेरिट सूची जारी की गई। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि केयू आईआईएचएस की वेबसाइट पर उपलब्ध बीकॉम की दूसरी मेरिट सूची के अनुसार सभी अभ्यर्थियों को 9 जुलाई को कमरा संख्या 01 तथा बीएससी लाइफ साइंस के लिए कमरा संख्या 26 में फिजिकल काउंसलिंग हेतु 8 बजकर 30 मिनट पर अपने संबंधित मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। उन्होंने बताया कि दाखिला फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि 11 जुलाईनिर्धारित है।

प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि बीकॉम में ऑल इंडिया जनरल की दूसरी मेरिट सूची 98.4 से शुरू होकर 98 तक, ऑल इंडिया ईडब्ल्यूएस की 95.8, हरियाणा जनरल की 97.8 से 96.6 पर, हरियाणा ईडब्ल्यूएस की 95.8 पर, हरियाणा एससी की 94.8 से 94 तक, हरियाणा डी-एससी 89.2 से 88.8, हरियाणा बीसीए 95.8 से 94.8, हरियाणा बीसी बी 96.4 से 96 तथा दिव्यांग/पीडब्ल्यूडी/पीएच/ब्लाइंड/ईएसएम वर्ग की 92.8 पर समाप्त हुई। उन्होंने बताया कि बीएससी लाइफ साइंस में ऑल इंडिया जनरल की दूसरी मेरिट सूची 97.8 से शुरू होकर 93.6 तक, हरियाणा जनरल की 93.4 से 90.6 पर, ऑल इंडिया ईडब्ल्यूएस 90.4 से 87.2 पर, हरियाणा ईडब्ल्यूएस की 86.6 से शुरू होकर 86 तक, हरियाणा एससी की 87.6 से 85.2 तक, हरियाणा डी-एससी 81.4 से 73.4, हरियाणा बीसीए 85.8 से 79.8 तथा हरियाणा बीसी बी 88.4 से 81.2 पर समाप्त हुई।

एक दिवसीय नृत्य प्रशिक्षण शिविर में कलाकारों को दी ताल की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा कला परिषद द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से कला और संस्कृति का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालयों में गीत-संगीत, हरियाणवी नृत्य, कत्थक, अभिनय तथा चित्रकला की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यशालाओं को सफल बनाने हेतु कला परिषद द्वारा जून माह में प्रशिक्षण देने के इच्छुक कलाकारों के आवेदन आमंत्रित किये गए, जिसके पश्चात ऑडिशन आधार पर प्रशिक्षकों का चयन किया गया। इतना ही नहीं हरियाणवी नृत्यों के प्रशिक्षण हेतु चयनित कलाकारों को रविवार को पुनः कला कीर्ति भवन में आमंत्रित किया गया तथा नृत्य के संदर्भ में बेसिक जानकारी दी गई। इस मौके पर हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा ने कलाकारों का स्वागत करते हुए बताया कि हरियाणा कला परिषद का मुख्य उद्देश्य प्रतिष्ठित कलाकारों को मंच मुहैया करवाने के साथ-साथ युवा वर्ग में कला और संस्कृति की लौ जगाना है। युवा पीढ़ी ही हरियाणवी संस्कृति को अपनाकर भविष्य में जिंदा रख सकती है।

पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे अत्यंत आवश्यक: बनवारी लाल

● लोक निर्माण विभाग मंत्री ने पौधरोपण कर की 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की जिले में शुरुआत

● मानसून के दौरान अधिक से अधिक पौधे रोपने का आह्वान

दयाराम वशिष्ट। पलवल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सोमवार को हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री डा. बनवारी लाल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल के प्रांगण में पौधारोपण कर जिला में इस अभियान की शुरूआत की। इस बारे में जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इस अभियान की शुरूआत की गई है।

सड़कों के मरम्मत कार्य का किया उद्घाटन

फरीदाबाद/बल्लभगढ़। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले तथा निर्वाचन मंत्री मूलचंद शर्मा और विधायक नयन पाल रावत ने आईएमटी क्षेत्र की पांच मुख्य 10 किलोमीटर लम्बी सड़कों के जीर्णोद्धार कार्य का नारियल तुड़वाकर शुभारंभ किया। एचएसआईडीसी विभाग द्वारा इन मुख्य 5 सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। सड़कों के जीर्णोद्धार कार्य पर लगभग 13 करोड़ 23 लाख रुपए की लागत का खर्चा आएगा। इस अवसर पर आईएमटीक्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पोधारोपण भी किया। कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगुवाई में बिजली पानी सड़के, शिक्षा, अस्पताल से सम्बंधित सभी कार्यो का कायाकल्प करके फरीदाबाद को एक नया रूप देंगे। राज्य मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए एक पेड़ माँ के नाम अभियान में पौधरोपण की पहल देश के लिए मिसाल है।

ब्रिटेन में चुनाव

लेबर पार्टी की विजय

ब्रिटेन में हुए संसदीय चुनाव में लेबर पार्टी की विजय हुई है। इससे भारत अपने प्रति ज्यादा सकारात्मक दृष्टिकोण तथा भारत-समर्थक नीतियों की उम्मीद कर सकता है। एक दशक से अधिक समय तक सत्ता से बाहर रहने के बाद कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के हालिया चुनाव में शानदार विजय प्राप्त की है। प्रधानमंत्री कीर को सबसे पहले मुबारकवाद देने वालों में प्रधानमंत्री मोदी शामिल हैं। दोनों नेताओं ने 'एफटीए' पर ज्यादा जोश से काम करने और संबंध मजबूत करने पर सहमति प्रकट की। वास्तव में यह ब्रिटिश राजनीति में बड़ा परिवर्तन है और वर्तमान नीतियां तथा पहलें पूर्व की अवस्थापना की तुलना में एकदम अलग होंगी। हालिया चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी पर लेबर पार्टी की निर्णायक विजय के कारण यह परिवर्तन बहुत महत्वपूर्ण है। प्रशासन में यह परिवर्तन ब्रिटेन की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नीतियों में नया अध्याय है। ब्रिटेन के साथ गहरे ऐतिहासिक, आर्थिक व राजनयिक संबंधों वाले भारत जैसे देशों के लिए यह परिवर्तन उल्लेखनीय बदलावों का कारण बन सकता है। नई उदारवादी सरकार के अंतर्गत ब्रिटिश-भारत संबंधों का विकास विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव डाल सकता है जिनमें व्यापार, शिक्षा, तकनीक और आप्रवास शामिल हैं। लेबर पार्टी की विजय ब्रिटिश राजनीति में व्यापक परिवर्तन का संकेत है। लेबर पार्टी ज्यादा उदारवादी, परंपरागत रूप से ज्यादा प्रगतिशील, समावेशी तथा टिकाऊपन व अंतरराष्ट्रीय सहयोग में विश्वास करने वाली है। इन नीतियों के खासकर जलवायु परिवर्तन, सामाजिक न्याय व आर्थिक सुधारों में कंजरवेटिव दृष्टिकोण से अलग होने की उम्मीद है।

हालांकि, कंजरवेटिवों ने ब्रिटेन के भारत के साथ संबंधों में छेड़छाड़ नहीं की थी, पर आने वाले महीनों में ब्रिटिश नीतियों में व्यापक परिवर्तन की संभावना है। सबसे बड़ा परिवर्तन आप्रवास कानूनों में देखने को मिल सकता है। ब्रिटेन में भारतीयों की काफी संख्या है और ऐसे में वीसा तथा आवासीय स्तर प्राप्त करना हमेशा से ब्रिटेन में रहने वाले भारतवासियों तथा भारत के लोगों का सर्वोच्च एजेंडा रहा है। काफी परिवर्तन वाला अगला क्षेत्र दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों का हो सकता है। उदारवादी पार्टी की प्रतिबद्धता मुक्त व्यापार तथा आर्थिक साझेदारी के प्रति है जिसके परिणामस्वरूप समग्र ब्रिटिश-भारत मुक्त व्यापार समझौता-'एफटीए' हो सकता है। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को मुबारकवाद देते समय यह मुद्दा प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले उठाया। वास्तव में बहुत लंबे समय से ब्रिटेन भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझीदार रहा है। हालांकि, कंजरवेटिव सरकार के दौरान भी समग्र मुक्त व्यापार समझौते-'एफटीए' को अंतिम रूप देने के बारे में बातचीत चल रही थी, लेकिन विश्व व्यापार के प्रति लेबर सरकार के ज्यादा उत्साही दृष्टिकोण के कारण इस वार्ता में तेजी आ सकती है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी की विजय के बाद विदेश नीति में ज्यादा सहयोगी और खुले दृष्टिकोण से खासकर रक्षा, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद-विरोध में गहरे रणनीतिक संबंध स्थापित हो सकते हैं। कामनवेल्थ, संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा जलवायु मंचों पर ज्यादा सहभागिता से अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में परस्पर हित के मुद्दों पर संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा मिल सकता है। इसके साथ ही भारत अंतरराष्ट्रीय सगंठनों में भारत की महत्वाकांक्षाओं के प्रति ब्रिटेन के समर्थन की उम्मीद कर सकता है जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की संभावित स्थाई सदस्यता भी शामिल है।

हिंदूवाद और हिंसा की अवधारणा

प्रत्येक धर्म के सांस्कृतिक व नैतिक ढांचे विशिष्ट होते हैं। विभिन्न धर्मों में भोजन की आदतों तथा ऐतिहासिक संदर्भों ने हिंसा की अवधारणाओं ने दृष्टिकोण को प्रभावित किया है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

प्रत्येक धर्म के सांस्कृतिक व नैतिक ढांचे अपने आम में विशिष्ट तथा अलग-अलग होते हैं। दुनिया के विभिन्न धर्मों में भोजन की आदतों तथा ऐतिहासिक संदर्भों में हिंसा की अवधारणाओं ने लोगों के दृष्टिकोण को प्रभावित किया है। यह बात हिंदू धर्म या व्यापक अर्थों में 'हिंदूवाद' पर भी लागू होती है। इसलिए हिंदूवाद को हिंसा से जोड़ना पूरी तरह गलत है। 'हिंदूवाद' को खासकर हिंसा से जोड़ने का अर्थ है कि हमारे सभी नेताओं को व्यापक रूप से भारतीय सोच के बारे में अध्ययन करने और उसे समझने की आवश्यकता है। लोकसभा में 1 जुलाई, 2024 को हिंदुओं को हिंसा से जोड़ने के प्रयासों को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। भारत के संबंध में कोई अवधारणा बनाने से पहले यह समझना भी जरूरी है कि भारतीय हिंदू, मुस्लिम, औपचारिक रूप से बपतिस्मा प्राप्त ईसाई व अन्य धर्मानुयाई भी हो सकते हैं। लोकसभा में जब नेता विपक्ष ने हिंदूवाद को हिंसा से जोड़ा तब उनके तथा लोकसभा अध्यक्ष के बीच हुई बहस इन दृष्टिकोणों में अंतर को स्पष्ट करती है। हालांकि, यह बहस तथा दृष्टिकोणों में अंतर काफी तीखे तरीके से सामने आया। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सभी हिंदुओं को हिंसा से जोड़ते हुए आरोप लगाया था कि वे हिंसक होते हैं, झूठ बोलते हैं तथा घृणा फैलाते हैं। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विस्तार से बताया कि हिंदू बहुत नरम स्वभाव के होते हैं, वे न केवल अपने से बड़े लोगों के सामने झुकते हैं, बल्कि उनके पैर भी छूते हैं। इसके उलट इस्लाम धर्म अपने अनुयाइयों को दयालु अल्लाह के सिवा किसी अन्य के समक्ष झुकने की अनुमति नहीं देता है।

ईसाइयों की परंपरा और व्यवहार इससे बिल्कुल अलग है। वे अपनी भावनाओं और प्रेम को प्रकट करने के लिए हर व्यक्ति से हाथ मिलाते हैं। इसी प्रकार हिंसा की सीमा भी विभिन्न धर्मानुयाइयों के बीच अलग-अलग होती है। आमतौर से ईसाइयों को मांस खाने की आदत होती है, बस केवल वे शुक्रवार को मांस नहीं खाते हैं और मछली के एक टुकड़े से काम चला लेते हैं। मुसलमान आमतौर से बिना किसी नियंत्रण के मांस खाते हैं और वे शुक्रवार को भी कोई बंधन नहीं मानते हैं। भोजन की आदतों का संबंध किसी खास क्षेत्र में रहने और वहां उपलब्ध सामग्री के उपभोग से हो सकता है। संभवत: ईसाई और मुसलमान समुदायों की भोजन आदतें पश्चिम एशिया के रेगिस्तानों में जन्म लेने के कारण विकसित हुई हैं। इस क्षेत्र में शाकाहारी विरले ही पाए जाते थे और यही स्थिति कमोबेश आज भी बनी हुई है। भोजन की आदतों का संबंध उस क्षेत्र में उगने वाली फसलों से भी है। ईसाइयत यूरोप में फली-फूली जहां जाड़े में फसलें उगाना आसान नहीं है। ऐसे में उनके भोजन की आदतें भी इस परिवेश से प्रभावित हुई हैं। इन परिस्थितियों के कारण दुनिया भर में मांसाहार का प्रचलन बना रहा और काफी तेजी से बढ़ा। दुनिया में मांसाहार की इस प्रवृत्ति के चलते ही लगभग 100 मिलियन जानवर हर साल मारे जाते हैं। यह अनुमान 'पुअर एंड नेमैक' द्वारा 2018 में जारी डेटाबेस के आधार पर लगाया गया है।

हमारे नेताओं को समझना चाहिए कि हिंदूओं का विकास उन क्षेत्रों में हुआ जहां वनस्पतियां पर्याप्त मात्रा में थीं और दुनिया के अनेक अन्य क्षेत्रों की तुलना में वहां खाद्यान्न फसलें उगाना ज्यादा आसान था। इन परिस्थितियों को देखते हुए वहां रहने वाले हिंदू 'सर्वाहारी', यानी मांसाहार व शाकाहार मिश्रित रूप से अपनाने के बजाय कठोर रूप से शाकाहारी बने रह सकते थे। लेकिन हिंदुओं में शाकाहार का संबंध उनके धार्मिक व आध्यात्मिक विश्वास से भी है। हिंदू पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं और उनका विश्वास है कि आत्मा बार-बार अनेक रूप में जन्म लेती है। इसके उलट ईसाइयों का मानना है कि आत्मा का केवल एक बार जन्म होता है और मनुष्य की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा को 'अंतिम निर्णय' के क्षण तक प्रतीक्षा करनी होती है, जब ईश्वर उसे इस धरती पर अपने कामों के देखते हुए स्वर्ग या नर्क में भेजने का निर्णय लेता है। यही अवधारणा इस्लाम धर्म की भी है। दूसरी ओर हिंदुओं का मानना है कि जब उसके पिता, माता, रिश्तेदार या प्रियजन इस दुनिया से प्रस्थान करते हैं तो केवल उनका शरीर नष्ट होता है। उनके विश्वास के अनुसार आत्मा अजर-अमर होती है और वह एक शरीर के नष्ट होने पर दूसरे शरीर में प्रवेश कर पुनर्जन्म के पश्चात नया जीवन धारण कर लेती है। इसलिए हिंदुओं को आमतौर से भय होता है कि यदि वे मांस खाएंगे तो इसमें उनके किसी मृतक संबंधी का अवशेष हो सकता है जिसने अपनी मृत्यु के बाद उस जानवर के रूप में पुनर्जन्म लिया हो। इसी कारण अधिकांश हिंदू केवल अपने स्वाद या भोजन आनन्द के लिए जानवरों या चिड़ियों का वध करना उचित नहीं मानते हैं। यदि कोई व्यक्ति यह सोच ले कि उसके वंशजों का वध किसी अन्य के भोजन आनन्द के लिए किया जाएगा तो वह भी मांसाहार करना पसंद नहीं करेगा। ऐसे में यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठता है कि शाकाहारियों और मांसाहारियों में से कौन अधिक हिंसा फैलाता है। आजकल दुनिया का एक बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण के कारण भी शाकाहार पर जोर देता है क्योंकि उसका मानना है कि मांसाहारी पर्यावरण को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। हिंदुओं का भी यही विश्वास है और संयोग से मैं भी हिंदू हूं। यदि मांस का उपभोग छोड़ दिया जाए तो किसी व्यक्ति का भोजन या उसकी भोजन की आदतें उसके सामाजिक तथा पेशेवर व्यवहार व आम व्यवहार में परिवर्तन कर सकती हैं। इस सवाल का जवाब यूरोप के इतिहास से अच्छी तरह मिलता है। अपने पूरे इतिहास में यूरोपीय महाद्वीप में 896 युद्धों का रिकार्ड दर्ज है। यूनानी और रोमन साम्राज्यों के अस्तित्व में आने से बहुत पहले से यूरोपीय कबीलाइयों की तरह एक दूसरे से लड़ते थे और उनकी हत्या करते थे। एथेंस-स्पार्टा युद्ध, पेलोपोनेसियन युद्ध, रोमन साम्राज्य के विस्तारवादी युद्ध, आदि यूरोप के इतिहास का अंग हैं और उनको पुन: याद दिलाने की जरूरत नहीं है। लेकिन युद्ध और हत्याओं के प्रति यूरोप का लगाव या उसकी आदत की व्याख्या करने की जरूरत है जो एचिलीस से लेकर पुतिन या जेलेन्स्की तक जारी है। अपनी इसी युद्धपिपासु व हिंसक प्रवृत्ति के कारण यूरोप लगातार हत्या के औजारों का निर्माण और उनमें विकास करता रहा। इनमें डंडों से लेकर पत्थर के हथौड़े तथा कांसे और बाद में लोहे और स्टील के हथियार शामिल हैं। इसके बाद धारदार तलवारों और भालों का विकास भी यूरोप में हुआ। 19वीं और 20वीं शताब्दियों में तकनीकी विकास और खोज का विस्तार हुआ। इसके बाद दुनिया में लोहे, स्टील, कोयले और भाप का युग आया। बाद में रेलवे, भाप से चलने वाले जहाजों, टेलीग्राफ तथा रेडियो, आटोमोबाइल, मशीन गनों, टैंकों, विमानो और पनडुब्बियों का विकास हुआ। इन सबने यूरोपीय राष्ट्र-राज्यों को इतिहास में पहले के किसी अन्य समय की तुलना में शक्ति जुटाने, स्वयं को हथियारों और परिवहन से लैस करने का अवसर मिला। इससे उनकी युद्धक क्षमता तथा हिंसा करने की क्षमता में असाधारण बढ़ोत्तरी हुई। पिछले 75 साल में अणु बम और गाइडेड मिसाइलों की खोज के साथ ही इंटरनेट और साइबर युद्ध ने युद्ध का परिदृश्य और उसके आयामों में इतने व्यापक परिवर्तन किए हैं जितने पहले कभी नहीं थे।

हमारे कहने का अर्थ है कि यूरोप युद्धों तथा और ज्यादा युद्धों की भूमि है। यूरोपीय युद्धों के कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों का विनाश हुआ है। यदि हम सभी प्राचीन और मध्यकालीन युद्धों को छोड़ दें तो भी दो विश्वयुद्धों में 130 मिलियन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी के नेतृत्व में इटली जैसी छोटी सी शक्ति ने भी सशस्त्र संघर्ष के बारे में अपनी शक्ति का भ्रम पाला था। इन भ्रमों के परिणामस्वरूप इटली में काफी समय तक 'आर्मर्ड सुआसियान' की अवधारणा चली जिससे वह स्वयं को यूरोप की सर्वाधिक शक्तिशाली हवाई शक्ति समझता रहा। इस प्रकार इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि 'मांस भक्षी' यूरोपीय महाद्वीप युद्ध की भूमि है। ऐसे में हिंदुओं पर हिंसा का आरोप लगाना नैतिक पतन के सिवा और कुछ नहीं है।

जुनून एक पूर्ण जीवन के लिए उत्प्रेरक है

> जुनून खुशी, प्रसन्नता और गहरी संतुष्टि की भावना पैदा करता है जो भीतर से निकलती है।

रचना लखपति
(लेखिका एक प्रेरक हैं)

जुनून एक शक्तिशाली शक्ति है जो व्यक्तियों को उनके इच्छित उद्देश्यों की ओर प्रेरित करती है, महत्वाकांक्षा को प्रज्वलित करती है और जीवन की चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना करने में दृढ़ संकल्प प्रदान करती है। जब कोई व्यक्ति किसी ऐसे लक्ष्य को खोजता है जिसके लिए वह वास्तव में जुनूनी है, तो उसे एक अलग और अजेय ऊर्जा का अनुभव होता है जो उसे उस ओर ले जाती है और उसे सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। कई व्यक्ति खुद को नीरस दिनचर्या में फंसा हुआ पाते हैं जो उन्हें बोझिल बनाती है।

उठो और चमको, कार्यालय जाओ, अपने कार्यों को पूरा करो, और अपने घर के आराम में वापस आओ, केवल अगले दिन दिनचर्या को दोहराने के लिए। दिन-ब-दिन एक ही दिनचर्या में लगे रहने से उदासी और असंतोष की भावनाएँ पैदा हो सकती हैं जब किसी की दैनिक गतिविधियों के लिए उत्साह की कमी होती है। अगर यह आपके जुनून को प्रज्वलित नहीं करता है तो कुछ करने की क्या ज़रूरत है? मैं समझता हूँ कि हर किसी को अपने सपनों का करियर बनाने का अवसर नहीं मिलता है।

कई व्यक्ति अपने जीवन में स्थिरता स्थापित करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं, जबकि कुछ लोग केवल अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ऐसे मामलों में भी, उन गतिविधियों को प्राथमिकता देना और उनके लिए समय निकालना महत्वपूर्ण है जो खुशी और संतुष्टि लाती हैं। जुनून खुशी, प्रसन्नता और गहरी संतुष्टि की भावना पैदा करता है जो भीतर से निकलती है। उदाहरण के लिए, मेरी एक परिचित महिला पर विचार करें। वह कॉर्पोरेट जगत में डूबी हुई है, उन

चुनौतीपूर्ण नौकरियों में से एक को संभाल रही है जो वित्तीय स्थिरता प्रदान करेगी लेकिन उसके जुनून को प्रज्वलित नहीं करेगी। काम के लंबे दिन और सप्ताहांत के बाद, वह अपना समय उस चीज़ को समर्पित करती है जो वास्तव में उसे खुशी देती है- बेकिंग।

जब वह नई रेसिपी के बारे में बताती है जिसे वह आजमा रही होती है या जब वह किसी को अपनी कड़ी मेहनत के परिणामों का आनंद लेते हुए देखती है तो उसे जो खुशी महसूस होती है, वह उत्साह से भर जाती है। यह उसे रोमांच और व्यक्तिगत संतुष्टि की एक अनूठी भावना देता है जो उसकी कॉर्पोरेट नौकरी देने में विफल रहती है। उसका अटूट जुनून उसे उत्साहित रखता है और काम के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षणों के दौरान भी उसे दैनिक प्रेरणा का स्रोत प्रदान करता है।

अपनी नौकरी छोड़ने और अचानक अज्ञात क्षेत्र में जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह इतनी छोटी सी बात है कि यह आपकी वर्तमान दिनचर्या में फिट हो सकती है। शायद हर हफ़्ते कुछ घंटे अपने शौक के लिए समर्पित करना, सीखने की कक्षाएँ लेना या कोई दूसरा काम करना फ़ायदेमंद हो सकता है। भले ही ये प्रयास मामूली लगें, लेकिन ये आपके समग्र स्वास्थ्य और खुशी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

सिर्फ़ कुछ लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि हर किसी के लिए एक संपूर्ण जीवन जीने के लिए जुनून ज़रूरी है। उद्देश्य की भावना और इससे मिलने वाला उत्साह हमारे दिमाग और दिल को युवा और जीवंत बनाए रखने के लिए ज़रूरी है। इसलिए, अगर आपको किसी चीज़ के लिए गहरा जुनून है, तो उसे प्राथमिकता दें और उसके लिए समय दें। आप पूरे दिल से अपने लक्ष्य को हासिल करके सफलता प्राप्त करेंगे। वास्तव में, लंबी यात्रा काफी थका देने वाली हो सकती है। हालाँकि, जुनून से भरी ज़िंदगी जीने के पुरस्कार अथाह हैं। आखिरकार, यह सब जुनून पर निर्भर करता है। इसे विकसित करें, इसका पोषण करें और विश्वास करें कि यह आपको एक खुशहाल और समृद्ध जीवन की ओर ले जाएगा।

आप की बात

भारत-चीन संबंध

चीन और भारत के विदेश मंत्रियों की शंघाई सहयोग संगठन-एससीओ की अस्ताना बैठक में सीमा पर गतिरोध खत्म करने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने सीमा पर शांति बनाने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध खत्म करने का प्रयास सराहनीय है। मगर इतने वर्षों से चीन के साथ जितनी भी द्विपक्षीय बैठकें हुई उनमें चीन की कथनी और करनी में जमीन आसमान का फर्क दिखता है। विश्व जनमत के सामने एक अच्छा राष्ट्र बनने और जमीनी स्तर पर अपनी कुटिल चालें चालू रखने की उसकी आदत में फिलहाल कोई सुधार नहीं दिखता है। लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का राजनयिक पहल के रूप में स्वागत होना चाहिए। वर्तमान समय में मौजूद अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को देखते हुए चीन और भारत दोनों ही जानते हैं कि सभी समस्याओं का हल बातचीत के जरिए ही निकलना है। इससे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव को घटाने में भी सहायता मिल सकती है। लेकिन राजनयिक प्रयासों के साथ ही सीमा पर भारतीय रक्षा ढांचागत संरचना लगातार मजबूत करने तथा रक्षा सेनाओं को आधुनिकतम साधनों से लैस करने की जरूरत है क्योंकि चीन के दोमुंहेपन का इतिहास कतई भुलाया नहीं जाना चाहिए।

-**सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

राहुल का अहंकार

राहुल गांधी ने कहा है कि इंडिया गठबंधन ने अयोध्या में भाजपा को हराकर राम मंदिर आंदोलन को पराजित कर दिया है, जिसे लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। ऐसा कह कर वह आज राम मंदिर का भी अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस ने तो भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। अब 500 साल के संघर्ष और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद बने भव्य राम मंदिर का विरोध करते हुए राहुल गांधी की जुबान नहीं लड़खड़ा रही है। क्या कांग्रेस सत्ता में आने के बाद राम मंदिर का महत्व अनदेखा कर सकती है? कुछ सीट अधिक आ जाने पर आज राहुल गांधी बड़ी बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन को पराजित करने की बात संपूर्ण हिंदू समाज का अपमान है जिसे वह हिंसक, झूठा, आदि कह चुके हैं। वे मोदी, भाजपा और संघ को हिंदू मानते ही नहीं हैं। फिर क्या उनकी समझ में हिंदू का अर्थ लगातार अपमान सहना, गुलाम बने रहना, जजिया देना, अपने धर्मस्थलों का विध्वंस चुपचाप देखते रहना तथा अहिंसा के नाम पर अत्याचारियों को सहन करना है? मोदी, भाजपा और संघ को राहुल गांधी से न असली हिंदू होने का सार्टीफिकेट चाहिए और न हिंदू अब पहले की तरह बने रहने को तैयार हैं।

- **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

बजट से उम्मीदें

राजनीतिक दल आजकल मुफ्त रेवड़ी बांटने की होड़ कर रहे हैं। ऐसे में बजट की दिशा और उससे उम्मीदें महत्वपूर्ण हो सकती हैं। बजट के लिए धन आम लोगों की कड़ी मेहनत से प्राप्त राशि पर चुकाए करों से इकट्ठा होता है। इसका उद्देश्य अंतिम आदमी तक रोटी, कपड़ा मकान व अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के साथ ही राष्ट्र का उत्थान व विकास भी होता है। इसका प्रयोग राजनीतिक वर्चस्व के लिए मुफ्त रेवड़ी बांटने में नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ करोड़ों लोगों के परिश्रम से प्राप्त पारिश्रमिक को अनदेखा करना तथा दूसरी ओर करोड़ों लोगों को बिना काम मुफ्त रेवड़ी देकर गलत भावना पैदा करना होता है। इससे उनमें-ऊपर वाला दे तो कौन जाए कमाने वाली भावना तथा आलस्य पैदा होता है। आम आदमी को सुविधाएं, जरुरत की वस्तुओं पर करों में राहत तथा निशक्तों को पूरी सुविधाएं देना उचित है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी नेताओं को सलाह दी है कि वे मुफ्त की रेवड़ी बांटने से परहेज करें। उम्मीद है कि आम बजट आम लोगों के लिए राहत भरा व सुखदाई, महंगाई कम करने वाला तथा देश को विकसित देश बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा। इससे हर नागरिक में परिश्रम व ईमानदारी की भावना पैदा होगी।

-**शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पेरिस ओलंपिक

पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई 2024 से आरंभ होकर 10 अगस्त 2024 तक पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए तैयारी करने वाले खिलाड़ियों के साथ एक मुलाकात की है। मोदी की यह पहल सराहनीय है जिससे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन हुआ है। निश्चित ही भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में देश का नाम रोशन करेंगे। उम्मीद है कि इस बार भारत टोकियो ओलम्पिक की तुलना में बेहतर उपलब्धियां प्रदर्शित करने में सफल होगा। इससे भारत द्वारा 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी भी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से ओलंपिक की तकनीकी खेल स्पर्धाओं, खेल प्रबंधन, मैनेजमेंट एवम आवासीय व्यवस्था को अच्छी तरह समझने की बात भी कही है। इन खिलाड़ियों के अनुभवों से सीख लेकर भारत 2036 की ओलंपिक की दावेदारी मजबूती से रख सकेगा। भारत ने एशियन गेम्स 1952 व 1982 के अलावा 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों का सफ्ल आयोजन किया है। वह विश्व हॉकी कप का भी आयोजन दो बार कर चुका है।

- **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

नमामि गंगे मिशन ने 211.08 करोड़ की तीन परियोजनाओं को दी मंजूरी

देवबंद में 134.71 करोड़ और लखनऊ के बरिकला में 27.02 करोड़ की परियोजनाओं को भी मिली मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार 2025 महाकुंभ को दिव्य-भव्य बनाने में जुटी है। इसके क्लियर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद समय-समय पर सभी विभागों के कार्यों की जानकारी ले रहे हैं। वहीं नमामि गंगे मिशन ने प्रयागराज महाकुंभ के मद्देनज़र स्वच्छता संबंधित बुनियादी ढांचों के निर्माण के लिए कुल तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है, इसकी लागत 211.08 करोड़ रुपये है। वहीं, उत्तर प्रदेश के देवबंद में इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन और एसटीपी कार्यों के लिए 134.71 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। जबकि लखनऊ के बरिकला में स्थित एसटीपी की क्षमता को बढ़ाने के लिए 27.02 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। यह निर्णय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी समिति की 55वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने की। योगी सरकार का महाकुंभ में स्वच्छता पर विशेष जोर है। इस मद्देनजर प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के लिए स्वच्छता संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 152.37 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 54,400 शौचालय- मूत्रालय तथा एक प्राथमिक ठोस अपशिष्ट संग्रह प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य अस्थायी स्वच्छता सुविधाओं का निर्माण कर महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त सुविधाएं देने के साथ ही आयोजन के दौरान स्वच्छता और नदी के जल की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज से निकलने वाले 22 नालों को पूरी तरह से टैप करने के लिए 55.57 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन नालों से निकलने वाले सीवेज को रोककर उसको पूरी तरह ट्रीट करना है, ताकि महाकुंभ के दौरान गंगा और यमुना नदी की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित की जा सके। महाकुंभ 2025 के दौरान सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर और नदी के पानी की गुणवत्ता पर अस्थायी आबादी के प्रभाव का मानचित्रण करने और नदियों के किनारे भविष्य में होने वाले ऐसे सामूहिक आयोजनों के लिए बेहतर रणनीति विकसित करने के लिए 3.14 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली आईपीएसए-कुंभ परियोजना को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना महाकुंभ के दौरान सीवेज बुनियादी ढांचे की निगरानी और प्रबंधन के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकियों का उपयोग करेगी, जिससे गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। यह वैज्ञानिक अध्ययन नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आईआईटी रुड़की, आईआईटी-बीएचयू, टेरी और होक्काइडो विश्वविद्यालय सहित प्रमुख संस्थानों के एक संघ द्वारा किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के देवबंद में इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन और एसटीपी कार्यों के लिए 134.71 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय जल निकायों के प्रदूषण तथा सीवेज को रोकने और मोड़ने के उपायों का निर्माण और कार्यान्वयन करके सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाना है। जबकि, लखनऊ के बारीकला में 1 एमएलडी एसटीपी की क्षमता को बढ़ाकर 3.5 एमएलडी क्षमता के निर्माण के लिए 27.02 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। ताकि सीवेज के बढ़ते प्रवाह को ट्रीट करके मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत बनाया जा सके।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है कि तीर्थयात्रियों को इस पवित्र स्थल पर गंगा स्वच्छ मिले, जिसमें सीवेज का पानी न बहे। भारत सरकार राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के माध्यम से न केवल उन्हें एक स्वच्छ और अनुकूल पवित्र स्थल प्रदान कर रही है, बल्कि नदी के किनारे रहने वाले सभी निवासियों के व्यापक हित में काम कर रही है।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदानः केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय .7 कालीदास मार्ग पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक.एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगजनो, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी।

'कोर एरिया' के तौर पर हो रहा ग्रेटर नोएडा के दादरी का विकास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रदेश में औद्योगिक क्रांति की नई पटकथा लिख रही है। एक ओर, सुदृढ़ कानून व्यवस्था के साथ प्रदेश की तरक्की को गति दी है, जिससे अब दुनिया भर के निवेशक उत्तर प्रदेश को मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर देख रहे हैं। वहीं, प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की अवसंरचना विकास की गतिविधियों को गति दी जा रही है।

इसी क्रम में, ग्रेटर नोएडा के दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब (एमएमएलएच) का विकास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुल 823 एकड़ के प्रसार क्षेत्र में फैले मल्टी मोडल लॉजिस्टिक हब में

823 एकड़ क्षेत्र में 7,064 करोड़ रुपए के व्यय से दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स हब को दिया जा रहा मूर्त रूप

से 455 एकड़ क्षेत्र को कोर एरिया के तौर पर विकसित किया जा रहा है जबकि, 17.5 एकड़ क्षेत्र में कमर्शियल व एडमिनिस्ट्रेटिव फैसिलिटीज तथा 350 एकड़ क्षेत्र में रेल यार्ड व अन्य प्रोजेक्ट्स पर कार्य हो रहा है।

इन सभी कार्यों की पूर्ति और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए सीएम योगी की मंशा अनुसार एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। योगी के विजन के अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना दादरी में बन रहे मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स हब को वर्ल्ड क्लास फ्रंट हैंडलिंग फैसिलिटी के तौर पर विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह ड्राई पोर्ट की तरह काम करेगा जहां गुड्स व रॉ मटीरियल्स का तेज ट्रांजिट सुनिश्चित होगा। इसे देश के चुनिंदा सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसे 7,064 करोडज़ रुपए के व्यय से पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि देश के पूर्वी व पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर पर स्थित दादरी का मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स हब कंटेनर हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग, डी-स्टफिंग व स्टफिंग तथा वैल्यू एडेड पैकिंग जैसी सुविधाओं के सिंगल प्वॉइंट डेस्टिनेशन के तौर पर कार्य करेगा। रेल कनेक्टिविटी से जुड़े होने के कारण रेल प्लैटफॉर्म्स, कस्टम क्लीयरेंस, कार्गो सेपरेशन, ट्रक पार्किंग एरिया व हरित क्षेत्रों जैसी सुविधाओं से युक्त होगा। दादरी में एमएमएलएच को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) माध्यम के जरिए विकास कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है जिसे ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण व राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) की मॉनिटरिंग में गाइडलाइंस के अनुरूप पूरा किया जा रहा है। न्यू दादरी स्टेशन से एमएमएलएच बाउंड्री के लिए अप्रोच ट्रैक व रेल ओवर रेल (आरओआर) ब्रिज के निर्माण के लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने मास्टर डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर लिया है। वहीं, एमएमएलएच के अंतर्गत रेलवे ट्रैक्स व टर्मिनल स्टेशन के विकास के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) ने डीपीआर को स्वीकृति दे दी है।

यूपी राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद बना 'अवार्डिंग एंड एसेसिंग निकाय'

एससीवीटी और राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एंव प्रशिक्षण परिषद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने इस दिशा में एक और अहम कदम उठाया है। इसके तहतए उत्तर प्रदेश राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) और राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन हुआ है। इस समझौते के तहत एससीवीटी अब एक प्रमाणित 'अवार्डिंग एंड असेसिंग निकाय' बन गया है। जो व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित करेगा। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षाए कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के युवाओं को नए और उच्च स्तरीय रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में मदद करना है। इस प्रयास के अंतर्गत एससीवीटी अब प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षार्थियों को समय से मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगा। एक संस्था को पुरस्कार देने वाली संस्था के रूप में तब परिभाषित किया जाता है, यदि यह प्रशिक्षुओं को स्वीकृत योग्यता के लिए प्रमाणपत्र प्रदान करती है या प्रस्तावित करती है और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और विश्वसनीय मूल्यांकन सुनिश्चित करती है। साथ ही, क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में वह औपचारिक रूप से शिक्षण प्रदाताओं, केंद्रों और पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता के साथ-साथ उनका अध्ययन करने वाले शिक्षार्थियों के ज्ञान और कौशल को भी प्रमाणित कर सकती है। एमओयू के समय उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षाए कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव एम. देवराज अध्यक्ष एनसीवीईटी अतुल कुमार तिवारी सहित एससीवीटी एवं एनसीवीईटी के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने इस समझौते का स्वागत किया और इसे उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

खाद्यान्न का मुफ्त वितरण 20 जुलाई तक

लखनऊ। प्रदेश के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत माह जुलाई, 2024 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण आगामी 20 जुलाई 2024 तक किया जायेगा। निःशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। राशन दुकानदार अपनी उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। यह जानकारी प्रदेश के खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू ने देते हुए बताया कि अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा. गेहूं एवं 21 किग्रा. चावल तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किग्रा. गेहूं एवं 3 किग्रा. का वितरण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना के अन्तर्गत आच्छादित गरीब लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने और राष्ट्रीय एकरूपता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य सेए एनएफएसए में आच्छादित अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को जनवरी, 2024 से 05 वर्ष के लिए निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्य सचिव से अमेरिका दूतावास की वरिष्ठ वाणिज्यिक विशेषज्ञ ने भेंट की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से ऑटोडेस्क की निदेशक कर्टनी लुटरमैन और अमेरिका दूतावास में वरिष्ठ वाणिज्यिक विशेषज्ञ रितु अरोड़ा ने भेंट की। भेंट के दौरान अमेरिका-भारत परिवहन कार्यक्रम,

अमेरिका-भारत परिवहन कार्यक्रम, हरित और स्मार्ट सड़कों व इमारतों आदि विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

हरित और स्मार्ट सड़कों व इमारतों आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने प्रदेश में निर्मित व निर्माणाधीन एक्सप्रेसवेज, पाइप पेयजल परियोजना, स्मार्ट रोड्स, ड्रेनेज सिस्टम तथा एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट व महाकुम्भ-2025 आदि के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में ऑटोडेस्क की निदेशक सुश्री कर्टनी लुटरमैन ने हरित और स्मार्ट रोड्स और बिल्डिंग की स्थापना में राज्य के प्रयासों में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि ऑटोडेस्क एक अमेरिकन मल्टीनेशनल साफ्टवेयर कॉर्पोरेशन है, जो आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, मीडिया, एजुकेशन और इण्टरटेनमेंट इंडस्ट्रीज को सेवाएं प्रदान करता है। ऑटोडेस्क का मुख्यालय सेन फ्रांसिस्को कैलिफोर्निया में है। ऑटोडेस्क ने भारत और दुनियाभर में विभिन्न सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं में काम किया है। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, विशेष सचिव मुख्यमंत्री प्रथमेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत करेगी संगमनगरी

प्रमुख सचिव ने की महाकुंभ मेले से संबंधी परियोजनओं की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज/ लखनऊ

महाकुंभ मेला 2025 को भव्य और दिव्य बनाने की सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सोमवार को प्रमुख सचिव नगर विकास, अमृत अभिजात की अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रयागराज शहर में रोड सौंदर्यकरण, लाइटिंग, वॉल पेंटिंग्स, मुख्य चौराहों पर मूर्तियों की स्थापना, साइनेज और हॉर्टिकल्चर परियोजनाओं पर चर्चा की गई। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों को एक ही थीम में करते हुए, उच्च गुणवत्ता, कॉस्ट इफेक्टिवनेस और समय सीमा का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ मेला 2025 एक भव्य आयोजन होगा और इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रयागराज शहर को सुंदर और आकर्षक बनाया जाएगा, जो लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत करने के लिए तैयार होगा।

प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि रोड सौंदर्यकरण के तहत शहर की प्रमुख सड़कों को नया रूप दिया जाएगा, जिनमें पेड़-पौधे लगाए जाएंगे।फुटपाथों का निर्माण किया जाएगा और सड़क के किनारे सुंदर लाइटिंग लगाई जाएगी। शहर की दीवारों पर कुंभ मेला के इतिहास और महत्व को दर्शाती कलाकृतियां बनाई जाएंगी। मुख्य चौराहों पर प्रयागराज की संस्कृति और इतिहास को दर्शाती मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। शहर में नए साइनेज बोर्ड लगाए जाएंगे, जो श्रद्धालुओं को महाकुंभ मेला स्थल और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचने में मदद करेंगे। शहर में पार्कों और उद्यानों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव ने बताया कि 15 स्थानों पर प्लेसमेकिंग इंस्टालेशन, 4 स्थानों पर थीमेटिक इंस्टालेशन, 2 स्थानों पर मूर्तियों की स्थापना और हॉर्टिकल्चर के तहत दो प्रकार के पौधारोपण किए जाएंगे। एक मौसमी फूलों के पौधे और दूसरे लंबे समय तक हरियाली बनाए रखने वाले पौधे। इसके अलावा, 36 चौराहों को महाकुंभ के लिए सजाया जाएगा। इस बैठक में मेला प्राधिकरण के अधिकारी, नगर विकास विभाग के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अगले तीन से चार साल में खुद की दाल खाएगा यूपी

मौजूदार समय में दलहन उत्पादन में रिकॉर्ड 36 फीसद की वृद्धि, सुधरेगी गरीबों और जमीन की सेहत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अगले तीन चार साल में दलहन उत्पादन में उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर हो जाएगा। यह योगी सरकार का लक्ष्य है। इस बाबत उनके निर्देश पर किए गए सात साल के नतीजे शानदार रहे हैं। 2016/217 से 2023/2024 के दौरान दलहन उत्पादन में करीब 36ब्त की वृद्धि इसका सबूत है। इस दौरान दलहन का उत्पादन 23.94 लाख मिट्रिक टन से बढ़कर 32.55 लाख मिट्रिक टन हो गया। दलहन का रकबा और प्रति हेक्टेयर उपज बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की मदद से योगी सरकार किसानों का हर संभव मदद कर रही है।

प्रदेश में दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए अरहर, उर्द एवं मूंग की कार्य-योजना योगी सरकार द्वारा तैयार कर ली गयी। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत 27200 हेक्टेयर फसल प्रदर्शन आयोजित होंगे। इसी क्रम में दलहन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत 31553 कुंतल बीज वितरण एवं 27356 कुंतल प्रमाणित बीज उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बीज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 14 सीड हब तैयार किए गए हैं। इनके जरिए 21000 कुंतल बीज उत्पादन किया जायेगा। 10500 किसानों में अरहर की उन्नतशील प्रजातियों केमिनीकिट्स बांटे जाएंगे। इसी तरह पिछले साल की तरह इस साल भी दलहनी के अन्य फसलों मूंग ,उर्द आदि के भी मिनिकिट बांटे जाएंगे।दलहनी फसलों के उत्पादन के बाद बाजार में उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए सरकार ने इन सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर रही है। किसान इनके उत्पादन के लिए प्रोत्साहित हों इनके लिए अन्य फसलों की तुलना में हर इनके एमएसपी में भी अधिक वृद्धि कर रही है। दलहन उत्पादन में अग्रणी बुंदेलखंड के जिलों-बांदा, महोबा, जालौन, चित्रकूट एवं ललितपुर में आदर्श दलहन ग्राम विकसित किये जायेंगे।उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता राज्य है। पर, अभी उपभोग का आधा ही उत्पादन प्रदेश में होता है। रणनीति के अनुसार तय समयावधि में प्रति हेक्टेयर उपज 14 से बढ़ाकर 16 कुंतल करने का है। कुल उपज का लक्ष्य 30 लाख टन है। इसके अलावा करीब 1.75 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त रकबे को दलहन की फसलों से आच्छादित करने की भी तैयारी है। सरकार इसके लिए दलहन की परंपरागत फसलों की उन्नत और अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराएगी। कुछ प्रगतिशील किसानों के वहां इनका प्रदर्शन भी होगा। किसानों को बड़ी संख्या में बीज के निशुल्क मिनीकिट भी दिए जाएंगे। यह क्रम जारी भी है। साथ ही फोकस कम समय में होने वाली मूंग, उर्द (उड़द) आदि की फसलों पर होगा। इनकी सहफसली खेती को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा असमतल भूमि पर स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली का प्रयोग करते हुये उत्पादन में वृद्धि, फरो एंड रिज मेथड से खेती कर उत्पादन में वृद्धि और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी भी सरकार दे रही है। दरअसल खाद्यान्न में रिकॉर्ड उत्पादन के बाद सरकार अब खाद्यान्न सुरक्षा से एक कदम आगे पोषण सुरक्षा के बारे में सोच रही है। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका दलहनी फसलों की होगी। वजह आम आदमी, खासकर शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक मात्र स्रोत दाल ही है। खपत की तुलना में पैदावार कम होने से अक्सर कुछ वर्षों के अंतराल पर दाल के दाम सुर्खियों में रहते हैं। ऐसा होने पर आम आदमी के थाल की दाल पतली हो जाती है। गरीब के थाल से तो गायब ही। प्रोटीन का स्रोत होने के नाते आम आदमी खासकर गरीबों की सेहत के लिए भोजन में दाल जरूरी है। इसी तरह नाइट्रोजन फिक्ससेशन गुण के कारण दलहनी फसलें भूमि के लिए भी संजीवनी हैं।

948 विरासत वृक्षों को संवारेगी प्रदेश सरकार

वृक्षारोपण जन अभियान-2024

इस वर्ष 11 जनपदों में तैयार होगी विरासत वृक्ष वाटिका, 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजाति के वृक्ष घोषित किए गए हैं विरासत वृक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकार विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत सूबे के 948 विरासत वृक्षों को संवारेगी। 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजाति के वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया है। यह वृक्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदों में हैं। योगी सरकार पेड़-पौधों के जरिए भी विरासत का सम्मान करने को प्रतिबद्ध है। काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35 व उन्नाव में विभिन्न प्रजातियों के 34 विरासत वृक्ष हैं।

योगी सरकार विलुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण व पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों के स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़े हुए वृक्षों को संरक्षित कर जन सामान्य में इसके प्रति जागरूकता पैदा कर रही है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा विरासत/ हेरिटेज वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण हेतु दिशा-निर्देश दिया गया है। इस बार इन वृक्षों की नई पौध तैयार करने के लिए विरासत वृक्ष वाटिका भी तैयार की जाएगी। सौ वर्ष से अधिक आयु की 28 प्रजातियों को घोषित किया गया विरासत वृक्ष उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील. कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल शामिल हैं। इसमें बरगद प्रजाति के 363 व पीपल प्रजाति के 422 वृक्ष हैं। विरासत वृक्ष में आध्यात्मिक व स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े वृक्ष शामिल किए गए हैं। योगी सरकार यूपी के सभी 75 जिलों में विरासत वृक्षों को खोजकर इन्हें संरक्षित करने को प्रतिबद्ध है। सीएम योगी के गृह जनपद गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर, काली मंदिर के समीप व गौशाला के अंदर बरगद व पाकड़ वृक्षों सहित पूरे जनपद में 19 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित किए गए हैं। वहीं लखनऊ व वाराणसी के क्रमश: दशहरी आम व लंगड़ा आम के मातृ वृक्ष, फतेहपुर का बाचन इमली, मथुरा के इमलीतला मन्दिर परिसर का इमली वृक्ष, प्रतापगढ़ का करील वृक्ष, बाराबंकी में स्थित एडनसोनिया वृक्ष, हापुड़ व संत कबीर नगर में अवस्थित पाकड़ वृक्ष, सारनाथ का बोधि वृक्ष, बाबा झारखंड के नाम से प्रसिद्ध अम्बेडकर नगर का पीपल वृक्ष एवं आर्डिनेंस क्लॉथ फैक्ट्री शाहजहांपुर में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा पीपल वृक्ष शामिल है। वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत प्रदेशवासियों को चिह्नित विरासत वृक्षों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11 जनपदों में विरासत वृक्ष वाटिका तैयार की जाएगी। यह वाटिका गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट व मीरजापुर में तैयार होगी। प्रत्येक वाटिका में विरासत वृक्ष से तैयार पौधा/टहनी/डाल को अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। शेष पौधे स्थानीय महत्व की प्रजातियों के होंगे। इसके लिए लगभग आठ हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। प्रभागों द्वारा चिह्नित 11 जनपदों में पर्याप्त संख्या में विरासत वृक्ष से पौधे तैयार करने के लिए प्रत्येक प्रभाग में कम से कम 10 वृक्ष उपलब्ध कराए जाएंगे। योगी सरकार में विशिष्ट विरासत वृक्षों में चीनी यात्री हवेनसांग द्वारा उल्लिखित झूंसी (प्रयागराज) का एडनसोनिया वृक्ष, मथुरा के टेर कदंब मंदिर परिसर व निधि वन में अवस्थित पीलू वृक्ष, प्रयागराज के किले में अक्षयवट, उन्नाव जनपद में वाल्मीकि आश्रम, लव कुश जन्म स्थली व जानकी कुण्ड नाम से प्रसिद्ध स्थल पर अवस्थित बरगद वृक्ष एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए एन.बी.आर.आई लखनऊ व महामाया देवी मन्दिर परिसर गाजियाबाद में अवस्थित बरगद वृक्ष शमिल हैं।

सक्रिय बदमाशों का ब्यौरा त्रिनेत्र एप पर फीड करना थानेदारों के लिए होगा अनिवार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में सक्रिय बदमाशों का ब्योरा त्रिनेत्र एप पर फीड करना अब थानेदारों के लिए अनिवार्य होगा। पूर्व में भी पुलिस मुख्यालय की ओर से इस संबंध में निर्देशित किया गया था किंतु ज्यादातर थानेदार इस आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। इससे नाराज डीजीपी प्रशांत कुमार ने अब सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अपराधियों का आपराधिक इतिहास त्रिनेत्र एप में अविलम्ब अद्यावधिक कर दिया जाए। प्रदेश में आपराधिक गतिविधियों एवं आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के उद्देश्य से त्रिनेत्र एप विकसित किया गया है। जिसके पोर्टल पर अपराधियों का आपराधिक वितरण ऑनलाइन फीड करने के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा बीती 12 जनवरी को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। प्रदेश के सभी पुलिस कप्तानों, पुलिस आयुक्तों और रेलवे पुलिस के अफसरों को जारी आदेश में डीजीपी ने कहा है कि कतिपय जिलों में इस दिशा में और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस संबंध में चार बिन्दुओं पर निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देश में कहा गया है कि अनवारित किए गए अपराधों में संलिप्त अपराधियों का थाना स्तर पर तत्परता से डाटा अद्यावधिक किया जाए। अनावरित किए गए अपराधों में संलिप्त अपराधियों का थाना स्तर पर तत्परता से डाटा अद्यावधिक किया जाए। संगठित अपराधियों का आपराधिक इतिहास त्रिनेत्र एप में अविलंब अद्यावधिक किया जाए।

महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराध में संलिप्त अपराधियों का डाटा त्रिनेत्र एप में अवश्य अद्यावधिक कर दिया जाए। सम्पत्ति संबंधी अपराधों यथा लूट, डकैती, नकबजनी आदि में सम्मिलित अपराधियों का डाटा प्राप्त कर उनकी गतिविधियों को सर्विलांस के माध्यम से लगातार मानीटरिंग की जाए।

बीज भंडार का ताला न खुलने से किसान निराश होकर लौटे

● बीज किट देने में किया जा रहा है भेदभाव

बीज भंडार के सामने खडे किसान

कुरारा (हमीरपुर)। ब्लाक स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार में प्रभारी द्वारा आज केंद्र न खोले जाने से खरीफ फसल की बुवाई के लिए बीज लेने आए किसानो को मायूस होकर लौटना पड़ा। सैकड़ों किसान केंद्र में दोपहर तक इंतजार करते रहे। लेकिन केंद्र का ताला नहीं खुला। विकास खंड कार्यालय परिसर में राजकीय कृषि बीज भंडार का केंद्र संचालित है। इस केंद्र से क्षेत्र के किसानो को रबी फसल व खरीफ फसल का बीज वितरण किया जाता है। इस समय खरीफ फसल में किसान ज्वार, तिल, मूंग, उड़द, बाजरा, अरहर, मूंगफली, आदि का बीज बिक्री किया जा रहा है। किसानो के लिएयह समय खरीफ फसल में बुवाई का चल रहा है। शासन के निर्देश है कि अवकाश के दिन भी केंद्र संचालित होना चाहिए। जिससे किसानो को बीज मिल सके तथा समय से खरीफफसल की बुवाई संपन्न हो सके। आषाढ़ मास में बरसात के चलते खरीफफसल बुवाई का समय कम मिल पाता है। उमराह ट गांव के विकलांग किसान शिवपाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा कामता कुशवाहा जल्ला,आशा रानी पारा,माया देवी झलोखर, राम सिया जल्ला,गंगाबाई झलोखर,जागेश्वर बेरी, नरेंद व रामचंद्र बिलौटा बलिराम शीतल पुर सहित डेढ़ सैकड़ा अधिक किसानों ने बताया कि तड़के केंद्र में आ गए थे। लेकिन केंद्र प्रभारी द्वारा दोपहर तक केंद्र नही खोला गया किसान इंतजार करते करते मायूस होकर अपने घर को वापस लौट गए। किसानो ने बताया कि तिल के मिनी किट निशुल्क वितरण के लिए सरकार द्वारा भेजे गए हैं। प्रभारी द्वारा इसमें भेदभाव किया जा रहा है।

अपने चहेते लोगो को केंद्र खोलकर दिया जाता है। जब की दूर दूर गांवों से आने वाले किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही व हीला हवाली के चलते किसानो को बीज नही मिल पा रहा है। किसानो ने जिला कृषि अधिकारी से इस प्रकरण की जांच कराए जाने की मांग की है। तथा खरीफफसल की बुवाई के लिए समय से बीज वितरण कराये जाने की व्यवस्था कराई जाए। इस संबंध में केंद्र प्रभारी अनूप कुमार से जानकारी करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन बंद मिला।

राजस्व विभाग का भयंकर भ्रष्टाचार, बांदा अधिकारियो पर जम कर बरसे भाजपा के शिक्षक विधायक बाबूलाल

बांदा। शिक्षक विधायक ने कहा जब मेरा काम नहीं हो रहा तो जनता का कैसे होता होगा काम उन्होंने एक और खुलासा किया के कृषि भूमि को आवासी में बदलने हेतु लेखपाल कानूनगो नायब तहसीलदार, तहसीलदार एसडीम बिना मिठाई के बिना कोई कार्य नहीं करते है यदि मिठाई सुविधा शुल्क मिल गई पूरा कर मात्र एक हफ्ते में कंप्लीट हो जाता है और आदेश भी हो जाता है। झांसी प्रयागराज क्षेत्र से शिक्षक विधायक हैं बाबूलाल तिवारी जी का 4 वर्ष से कृषि हम आवासीय भूमि में परिवर्तित नहीं की जा रही क्योंकि विधायक ने मिठाई और सुविधा शुल्क नहीं दी इस बात को लेकर विधायक जी काफी क्रोधित हुए और एसडीएम कार्यालय के चेंबर में जाकर काफी गुस्सा हकीकत जाहिर की कि जब मेरा कार्य नहीं हो रहा तो जनता का काम कैसे होता होगा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत चलाया गया साफ सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा छिड़काव अभियान

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में चलाया जा रहा है, विभिन्न विभागों के समन्वय से तहसीलों, कस्बों, गांवों में साफ सफाई, झाड़ियो की कटाई, नाली, नालो की सफाई एन्टी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग आदि गतिविधियां संचालित की जा रही है। डीएम ने संबंधित सभी विभागों को कड़े निर्देश दिए हैं कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप संचारी रोग नियंत्रण अभियान का संचालन जनपद में किया जाए, जिसके अनुपालन में सभी संबंधित विभागों द्वारा दिन प्रतिदिन कार्ययोजना के अनुरूप विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। आज जनपद के विकासखंड क्षेत्र मलासा के बिहारी, निगोही बरगवां तुर्की मऊ टोडरपुर, मुरलीपुर, विजईपुर, सरौटा, नगर पंचायत शिवली मूसानगर आदि में साफ सफाई, नाली . नाला सफाई, जल जमाव निकासी, कूड़ा उठान, एन्टी लार्वा छिड़काव आदि का कार्य अभियान चलाकर किया गया। कृषि विभाग द्वारा प्रीतमपुर, ग्राम पंचायत ताजपुर तरसौली, ग्राम जलिहापुर, विकासखंड मलासा, अकबरपुर विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पातेपुर आदि में लोगों को संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत चूहाध् छछूंदर नियंत्रण जागरूकता कार्यक्रम किये गए, वही जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक, वही दस्तक अभियान व डायरिया रोको अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई के मध्य संचालित होगा।

दो गैंगस्टरों को हुई पॉच-पॉच वर्ष की सजा व अर्थदण्ड

पुलिस हिरासत में मौजूद गैंगस्टर का आरोपी।

कन्नौज। कोतवाली कन्नौज में गैंगस्टर एक्ट के तहत पंजीकृत अभियोग में न्यायालय द्वारा अभियुक्तगण को धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट में दोषी पाते हुये न्यायालय में 05-05 वर्ष का कठोर कारावास व पॉच-पॉच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश शर्मा नें बताया कि अभियुक्तगण द्वारा संगठित गिरोह बनाकर समाज में भय व आतंक का माहौल बनाने व आर्थिक तथा भौतिक लाभ अर्जित करने के सम्बन्ध में कोतवाली कन्नौज में गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत हुआ था, जिसकी विवेचना सम्पादित कर अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया। पुलिस महानिदेशक उ.प्र. लखनऊ के निर्देशन में अभियुक्तों को सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को अपराधियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस टीम एवं अभियोजन पक्ष तथा मॉनीटरिंग सेल व कोर्ट पैरोकार के द्वारा अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी कराते हुये सोमवार को न्यायालय एडीजे 05 द्वारा अभियुक्तगण धरमू उर्फ धर्म सिंह पुत्र नरपत किसान ग्राम तहसीपुर, प्रकाश उर्फ राम प्रकाश पुत्र मैकू किसान निवासी ग्राम हीरापुरवा को 05-05 वर्ष का कठोर कारावास व पॉच-पॉच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

आनलाइन हाजिरी के खिलाफ शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन

● काली पट्टी बांध, सिर मुड़ाकर किया विरोध

फतेहपुर। परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सोमवार से ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य किए जाने के फैसले के खिलाफ विभिन्न शिक्षक संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए भी शिक्षक अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। सुबह स्कूल पहुंचे शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों ने हाथ में काली पटटी बांध कर काम किया। कई स्कूलों के शिक्षकों ने मुंडन कराकर भी विरोध दर्ज कराया। उसके बाद जिले भर के शिक्षक-शिक्षामित्र एवं अनुदेशक कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। बाद में डीएम को एक ज्ञापन सौंप कर अपनी समस्याओं के निदान की मांग की।

डीजी स्कूल शिक्षा ने आठ जुलाई से शिक्षकों के विद्यालय आने का समय डिजिटल उपस्थिति पंजिका में सुबह 7.45 बजे से आठ बजे तक दर्ज किए जाने के निर्देश दिए गए थे। अग्रिम आदेश तक 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जा रहा है। शिक्षक अब सुबह 8.30 बजे तक (कारण सहित उल्लिखित करते हुए) अपनी उपस्थित दर्ज करा सकेंगे। यह सूचना सभी शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी भेजी गई है। उधर, प्राथमिक शिक्षक संघ समेत अन्य विभिन्न संगठनों ने अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर विरोध किया गया है। कहा कि अभी बारिश का मौसम चल रहा है। रास्ते कट जाते हैं। ऐसे में यदि शिक्षक फंस जाता है और एक मिनट भी देरी से पहुंचता है तो वह अनुपस्थित माना जाएगा। ऐसे ही जाड़े के दिनों में घना कोहरा होने पर स्कूलों में पहुंचने में थोड़ी देरी हो सकती है। संगठन ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में हाईकोर्ट की शरण में भी जा सकता है। कहा कि यह आदेश न्यायसंगत नहीं है।

काली पट्टी बांध कर किया काम: परिषदीय विद्यालयों में सोमवार से शिक्षकों, कर्मचारियों की डिजिटल अटेंडेंस (टैबलेट पर चेहरा दिखाकर उपस्थिति) लगाने की व्यवस्था का व्यापक स्तर पर विरोध शुरू हो गया है। सोमवार को काली पट्टी बांधकर काम करने के बाद जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में उमड़े शिक्षकों के जन सैलाब ने एक स्वर से इस व्यवस्था का विरोध किया। श्री त्रिपाठी ने बताया कि पहले शिक्षकों की ईएल, सीएल, हाफ डे जैसी मांग पूरी की जाए। बरसात की दिक्कत को देखते हुए फ्लिहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित की जाए। सभी विभागों में लागू करें यही व्यवस्था: संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि शासन की आंख नहीं खुलती हैं तो कार्य बहिष्कार का ऐलान किया जाएगा। विभाग पहले लंबित मुद्दों पर निर्णय ले, उसके बाद शिक्षकों के साथ सभी विभागों में डिजिटल अटेंडेंस लागू करे। डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षकों को ईएल, सीएल, हाफ डे, प्रतिकर अवकाश दिया जाए। साथ ही 15 से 20 मिनट देर होने पर किसी तरह की कार्रवाई न करने की मांग समेत कई बिंदुओं की मांगे शामिल रहीं। विभाग ने 30 मिनट की दी है राहत: बेसिक शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की मांग और दिक्कत को देखते हुए शिक्षकों, कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के निर्धारित समय सुबह 7.45 से 08 बजे तक राहत दी है।

क्विक न्यूज़

डे-एनयूएलएम के घटक समूह गठन के कार्य हेतु इच्छुक समूह की महिलायें करें आवेदन

कानपुर देहात। वित्तीय वर्ष 2024.-25 में जनपद कानपुर देहात की नगर निकाय अकबरपुर, पुखरायां एंव झींझक में दीनदयाल अन्त्योंदय राष्टीय शहरी आजीविका मिशन डे.एनयूएलएम के घटक समूह गठन का कार्य सीआरपी द्वारा कराया जाना है। उपरोक्त के संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी परियोजना अधिकारी, जिला नगरीय विकास अभिकरण ने बताया कि सीआरपी हेतु मुख्य रूप से पात्रता के बिन्दू यह है कि नगरीय क्षेत्र में महिला स्वंय सहायता समूह के सदस्य हो एंव उक्त समूह में किसी भी प्रकार से डिफाल्टर न हो। तथा समूह संचालन का लगभग दो वर्ष का अनुभव हो साथ ही पंचसूत्र के पालन की प्रतिबद्धता हो। सीआरपी हेतु आयु का आधार 20.45 वर्ष के मध्य है एंव शैक्षिक योग्यता न्यूनतम हाइस्कूल की परिक्षा उत्तीर्ण की हो साथ ही मोबाइल एप चलाने में निपुणता एंव डिजिटल साक्षरता की सामान्य जानकारी होना आवश्यक है। समूह गठन के कार्य हेतु इच्छुक महिलायें अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र की छायाप्रति एंव 02 नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटोग्राफके साथ जिला नगरीय विकास अभिकरण प्रथम तल जिलाधिकारी कार्यालय परिसर माती कानपुर देहात में आगामी 07 कार्य दिवसों में सम्पर्क स्थापित करे। समूह गठन हेतु चयनित महिलाओं सीआरपी को सूडा मुख्यालय द्वारा निर्धारित सीमान्तर्गत समूह गठन के कार्य हेतु भुगतान भी किया जायेगा।

अवैध अतिक्रमण हटवाया गया

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में उप जिलाधिकारी भोगनीपुर व क्षेत्राधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम मुहम्मदपुर में ताजिया जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया गया। ग्राम मुहम्मदपुर में ताजिया जुलूस मार्ग की साफ़सफाई के निर्देश ग्राम प्रधान को दिए गए। इसी ग्राम में प्रमोद कुमार की शिकायत पर सरकारी हैंडपंप पर से अवैध रूप से बांधे गए निजी मोटर निकलवाकर सरकारी हैंडपंप को अतिक्रमण मुक्त कराकर आम जनता के लिए सुलभ कराया गया। वही ग्राम बुधेड़ा तहसील भोगनीपुर गाटा संख्या 235 विवादित चकमार्ग जिस पर उसी ग्राम के दबंगों का अवैध कब्जा विगत 10 सालों से था, उसकी पैमाइश और निशानदेही कर मौके पर से अवैध अतिक्रमण हटवा दिया गया।

करंट लगने से बिजली मैकेनिक की मौत

फर्रुखाबाद। तार जोड़ते समय अचानक करंट लगने से बिजली मैकेनिक की हालत गंभीर हो गयी, उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल लाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला बजरिया गड़रियन नगला निवासी 30 वर्षीय नन्हे कठेरिया पुत्र रामसनेही बिजली मैकेनिक का कार्य करता थाद मोहल्ले के राम आसरे के घर बिजली का काम कर रहा था द्य उसी दौरान बिजली का तार जोड़ते समय करंट लग गया।जिससे नन्हे की हालत गंभीर हो गयीद्य रामआसरे ने नन्हे के परिजनों को सूचना दी।आनन.फानन में परिजन लोहिया लेकर पंहुचे । जहां ईएमओ ड्यूटी पर तैनात डॉण् वैभव यादव ने मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गयी।

अज्ञात शव की शिनाख्त

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शाह रोड घनसेनपुर मोड़ के पास 03 दिन पूर्व अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से 28 वर्षीय अज्ञात युवक की मौके पर मौत हो गई थी, जिसकी शिनाख्त मृतक के परिजनों ने सदर अस्पताल में करते हुए बताया कि मृतक कमलेश पुत्र हीरालाल निवासी सैदाबाद दुर्गा मंदिर के पीछे 05 जुलाई को निमंत्रण से वापस आते समय हादसे का शिकार हो गया था। पूछने पर भाई श्रीपाल ने बताया कि कल वह भाई की फोटो लेकर राधानगर थाने पहुंचा, जहां पुलिस ने जानकारी दिया कि सदर अस्पताल में शव रखा है, जिस पर यहां आकर शव की शिनाख्त की है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के बहरामपुर गांव निवासी स्व. श्यामलाल का पुत्र बसंतलाल सोनकर सोमवार की सुबह आठ बजे शौचक्रिया करने गया था। वापस लौटते समय जब वह लाइन पार करने लगा तभी ट्रेन की चपेट मे आ गया जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। पघटना की जानकारी पोस्टमार्टम हाउस में बहनोई रामधनी ने दी है।

प्रशासन ने जलस्तर बढ़ने पर प्रभावितों को सुरक्षित स्थानो, शिविरों में कराया पुनर्स्थापित

मेडिकल चेकअप करते हुए जरूरी औषधियां प्रदान की।

लखीमपुर खीरी। बाढ़ की विभीषिका, नदियों में बढ़ने वाले जलस्तर को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल बेहद संजीदा है। बाढ़ प्रबंधन और जन.जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियो को न केवल विस्तृत दिशा निर्देश दिए है, बल्कि एसडीएम से नियमित संवाद कर अनुश्रवण भी कर रही है। उनके निर्देश के क्रम में बाढ से प्रभावी ढंग से निपटने, उनके प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सभी एसडीएम अपने अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहे।

पलिया। शारदा नदी में जलस्तर बढ़ने से पलिया तहसील क्षेत्र अंतर्गत खीरी.पीलीभीत बॉर्डर पर बसे गांव गोविंद नगर कॉलोनी प्रभावित होने की सूचना मिली। इसपर क्रिक रेस्पॉन्ड करते हुए प्रभावित परिवारों को एसडीएम कार्तिकेय सिंह अपने राजस्व दलबल संग सुरक्षित स्थान पर बसाने के लिए पूरे मनोयोग से जुटे दिखाई दिए। सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराया। सभी प्रभावित परिवारों के खाद्यान्नए फ्लए पेयजल सहित अन्य ज़रूरी सामग्री की व्यवस्था प्रशासन ने कराई। जो लोग अपने घरों में सुरक्षित हैंए उन्हें तहसील प्रशासन कम्युनिटी किचन के जरिए लंच पैकेट का भी वितरण कर रहा है। एसडीएम ने किसी भी आकस्मिक जरूरत की पूर्ति के लिए क्षेत्रीय प्रधानए लेखपाल को जरूरी दिशा निर्देश दिए। प्रभावितों को चिकित्सीय सुविधाएं देने के उद्देश्य से चिकित्सीय टीम ने प्रभावित परिवारों का

सदर। सदर तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बड़ागांवए धोबियाना और सिंधिया में ट्रैक्टर और नाव पर सवार होकर पहुंचे एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, तहसीलदार सुशील प्रताप सिंह ने पीड़ितों का दर्द जाना। ग्रामीणों से संवाद कर हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। क्षेत्रीय लेखपाल को बाढ़ से प्रभावित होने वाली फसल और घर का सर्वे करने के निर्देश दिए। प्रभावित परिवारों को सभी अनुमन्न सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी। तहसील प्रशासन पूर्णतया तैयार है। ग्रामीणों की आवागमन हेतु प्रशासन की ओर से नाव भी लगाई गई है।

बाढ़ प्रभावित गांवो में पहुंचे एसडीएम कराया लंच पैकेट का वितरण

गोला। उप जिलाधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने गोला तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव जोहरा गुजारा, पूजा गांव मुडिया, आषाढी, बेल्हा सिकटिहा, डंबल टांडा, बजेड़ा, रेवतीपुरवा, रूरा सुल्तानपुर करसोर का स्थलीय भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्हें निकटवर्ती बाढ़ चौकिया में शिफ्ट होने का अनुरोध किया। तहसील प्रशासन द्वारा पूजा गांव के मजरा मुड़िया, करसोर, रूरा सुल्तानपुर में कम्युनिटी किचन के जरिए लंच पैकेट वितरित किया। उनके आवागमन हेतु नाव भी लगाई गई। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दौरान बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भी पहुंचवाया। तहसील प्रशासन की ओर से लोगों के आवागमन हेतु नाव भी लगाई गई हैं।

धौरहरा। एसडीएम राजेश कुमार ने तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव कैरातीपुरवाए परसाए रामलोक और रामलोक का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों से संवाद किया। तहसील प्रशासन की ओर से तैयार कराए गए लंच पैकेट का वितरण किया। फ्लड डिवीजन के अफसरो को स्टेशन रहकर बाढ़ निरोधी कार्यों के मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। परेशान परिवारों को सतर्क रहने और सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करवाया। साथ ही प्रशासन की तरफसे हर संभव मदद का भरोसा दिया।

पुलिस ने बैंकों में अभियान चलाकर की संदिग्धों की तलाश

बैंक का निरीक्षण करते कोतवाल आलोक कुमार दुबे।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली पुलिस द्वारा आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए नगर की बैंकों में चेकिंग अभियान चलाते हुए संदिग्धों की तलाश में मौजूद लोगों से पूछताछ की गई। जिससे बैंक के अंदर व बाहर बेवजह खड़े लोगों में हड़कंप मच गया और इधर उधर खिसकते दिखाई दिये। सोमवार को नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित भारतीय स्टेट बैंक एसएमई शाखा में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर सीसीटीवी कैमरों एवं आगंतुक रजिस्टर चेक करने के बाद प्रबंधक एवं बैंक गार्ड से सुरक्षा के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद जीटी रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया, फत्तेहगढ रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा, तिर्वा रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक, आर्यावर्त ग्रामीण बैंक, सब्जी मंडी स्थित पंजाब नेशनल बैंक में पहुंच कर बैंक में मौजूद लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों की तलाश की। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ताओं से संदिग्ध व्यक्ति की सूचना देकर पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। इस दौरान उन्होनें बताया कि यह अभियान अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगानें एवं बैंक उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा है। इस दौरान कांस्टेवल सतेन्द्र सिंह, गगन चौधरी, विनय कुमार सहित महिला कांस्टेवल प्रियंका, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

तुलादान के बाद सांसद ने कहा कि क्षेत्रीय समस्याओं को लोकसभा में उठाया जायेगा

तुलादान में भाग लेते गठबंधन के नेता

मौदहा हमीरपुर। क्षेत्र में जनसंपर्क कर सभी का आभार जता रहे सपा सांसद का दल के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने नवीन गल्ला मंडी स्थित एक निजी आढ़त में तुला दान किया। मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि क्षेत्र में समस्याओं के निदान हेतु संसद भवन में समस्याओं को गंभीरता से उठाया जायेगा। सपा के टिकट पर चुनाव लड़े नवनिर्वाचित सांसद अजेंद्र सिंह राजपूत संसदीय क्षेत्र भ्रमण के दौरान सोमवार को नगर के नवीन गल्ला मंडी पहुंचे जहां व्यक्तिगत आढ़त की दुकान पर नवनिर्वाचित सांसद का तुला दान कार्यक्रम आयोजित किया गया। तराजू के एक पलड़े में दशहरी आम रखकर तुला दान किया। इस दौरान सांसद के साथ पहुंचे सपा नेता पुष्पेन्द्र यादव ने कहा कि मौदहा सपाइयों के हृदय में बसता है क्योंकि यहां के लोगों ने एकजुट होकर सपा को समर्थन देकर अपना सांसद बनाया है। पूर्व मंत्री कुंवर बादशाह सिंह ने भाजपा को मिथ्यावादी कहा। अभी कोई भी कार्यकर्ता आराम से न बैठे जब तक उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री न बना दे।

इंडिया गठबंधन से भारी संख्या में कांग्रेसी, आम आदमी पार्टी तथा सपा के कार्यकर्ता भरी दोपहरी में पसीना बहाते नजर आए। सभा में पूर्व मंत्री बादशाह सिंह, जिलाध्यक्ष इदरीस खांन, सपा महासचिव मुन्नी लाल निषाद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामबाबू यादव, पूर्व जिला सचिव मोहनबाबू, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जावेद मेजर, ओमप्रकाश सोनकर वारसी, जुम्मन निजामी, बदरूद्दीन, घनश्याम साहू, रणबहादुर यादव, प्रभात यादव, गुलाब श्रीवास, पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस ओमप्रकाश शिवहरे, शिवशरण यादव कुरारा सहित सैकड़ों की तादाद में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंदिर की विवादित भूमि पर कब्जे का विरोध करना पड़ा महंगा

फतेहपुर। मंदिर की विवादित भूमि का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन होने व एसडीएम के आदेश को धता बताते हुए दबंगों ने जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास किया। जिस पर पीड़ित ने विरोध दर्ज कराया तो दबंगों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एनसीआर दर्ज करके मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां पीड़ित ने पुलिस पर समुचित कार्रवाई न किए जाने का आरोप लगाया। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के असनी गांव निवासी सुनील कुमार गुप्ता पुत्र स्व. शारदा प्रसाद ने जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराने के उपरांत बताया कि गांव में स्थित भूमि गाटा संख्या 610 पर प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर स्थापित है, यह भूमि विवादित है, जिसका मुकदमा न्यायालय सिविल जज जू.डि. में विचाराधीन है। पूर्व में शिव प्रसाद, अमन, विनोद, प्रमोद आदि ने अवैध कब्जे का प्रयास किया था।

नपाप संडीला के दो तिहाई सभासद भ्रष्टाचार को लेकर उबले

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते सभासदगण

संडीला (हरदोई)। नगर पालिका परिषद कार्यालय में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार और मनमानी तथा सभासदों की पूर्ण उपेक्षा को लेकर दो तिहाई से अधिक सभासदों ने एसडीएम से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपाए जिसमें सारे मामले की निषपक्ष और कड़ी जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। नगर पालिका परिषद कार्यालय में बीते काफ़ी समय से सरकारी धन के बंदरबाट का खेल सुनुयोजित ढंग से चल रहा है। चाहे नगर पालिका परिषद ने आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति का ठेका हो या नाला सफ़ाई अथवा अन्य निर्माण कार्यों का। नगर पालिका परिषद कार्यालय में एक आध चुनिंदा चेहरे है जिनको ही यह सारा कार्य दिया जाता है। आश्चर्य का विषय है कि इन ठेकेदारों में मात्र एक ठेकेदार ही ऐसा है जो चेयरमैनए विधायक तथा सांसद सभी का एक साथ खास है। मामला बिगड़ना तब शुरू हुआ जब नगर में नाला सफ़ाई के लिए भारी भरकम धनराशि खर्च किए जाने के बावजूद न तो सही तौर पर नाले साफ़ हुए और न ही अन्य निविदागत कार्य। इसका परिणाम यह हुआ कि वर्षा के शुरू होते ही नगर में जबरदस्त जलभराव हो गया तथा वर्षा का पानी लोगों के घरों तक में घुस गया और इसका ठीकरा जनता ने सभासदों के सिर पर फ़ोड़ना शुरू कर दिया जबकि संभवत: यह उत्तर प्रदेश की एकमात्र नगर पालिका हैं जहां अघोषित तौर से सभासदों के कोई अधिकार नहीं होते। यहां तक कि छोटे छोटे कर्मचारी भी उनकी पूरी तौर पर उपेक्षा करते हैं। यही नहीं इस नगर पालिका परिषद में यदि पिछले पांच छह साल की बजट पास करने की प्रक्रिया को देखा जाए तो यह अनूठी होगी क्योंकि प्रोसीडिंग बुक पर सारी कार्रवाई पहले लिख ली जाती है और बाद में एक सादे कागज़ पर सभासदों के हस्ताक्षर कराकर प्रोसीडिंग बुक में लगा दिया जाता है।

सभासदों को घोर उपेक्षा पर कोढ़ में खाज का काम नगर पालिका परिषद ने आउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए बिना किसी सूचना टेंडर पास करने के प्रकरण में किया और आश्चर्य का विषय है कि यह टेंडर उसी ठेकेदार के पक्ष में बताया जा रहा है। सभासद कलाम, शीबा, शमीम अहमद, हाफ़िज़ मो. सज्जाद, जुबैर अंसारी, अजय द्विवेदी, अकील अहमद, राहुल, रूपन देवी, नूर निसां, मो. नसीम, निहाल अहमद, मधुरानी, मदन गोपाल कश्यप, मो. सिराज, शीलम तथा अमन प्रताप सिंह ने एसडीएम तान्या सिंह से भेंट की और उन्हें कथित रूप से आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति के प्रयास और नाला सफ़ाई में हुए भ्रष्टाचार को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने के बाद अमन प्रताप सिंह तथा अन्य सभासदों ने बताया कि अब पानी सभासदों के सिर से ऊपर चला गया है। सभासदों की उपेक्षा और सरकारी धन के बंदरबाट को किसी भी दशा में बर्दाशत नहीं किया जाएगा और इसके लिए सभी प्रकार की लोकतांत्रिक ढंग से लड़ी जाएगी। उन्होंनें कहा कि उनकी प्रमुख मांग है कि नगर पालिका परिषद की निविदाओं के प्रकाशन ऐसे समाचार पत्रों में कराए जाएं जिनका व्यापक प्रचार प्रसार हो और इस लूट पर अंकुश लगाया जाए। नगर पालिका परिषद पर लगाए गए आरोपों के संबंध में अधिशासी अधिकारी विजेता गुप्ता से संपर्क किया गया तो उनका फ़ोन नहीं उठा जबकि चेयरमैन मो. रईस अंसारी के फ़ोन पर बताया गया कि वे सो रहे हैंए बाद में संपर्क करें।

फिल्मों में दिव्यांगों की नकारात्मक छवि भेदभाव को बढ़ावा देती है: उच्चतम न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दृश्य मीडिया (विजुअल मीडिया) और फिल्मों में दिव्यांग व्यक्तियों की नकारात्मक छवि गढ़ना (स्टीरियोटाइपिंग) भेदभाव और असमानता को बढ़ावा देता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसी भाषा जो दिव्यांग व्यक्तियों को अपमानित करती है, उन्हें और अधिक हाशिए पर धकेलती है तथा उनकी सामाजिक भागीदारी में आने वाली बाधाओं को बढ़ाती है, उस पर सावधानी से विचार किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शब्द संस्थागत भेदभाव पैदा करते हैं और दिव्यांग व्यक्तियों के बारे में सामाजिक धारणा में अपंग और मंदबुद्धि जैसे शब्द निम्न दर्जे का अर्थ रखते हैं। शीर्ष अदालत ने दृश्य मीडिया में दिव्यांग व्यक्तियों के चित्रण की रूपरेखा पर कहा कि वे नकारात्मक आत्म-छवि में योगदान करते हैं और समाज में भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और प्रथाओं को कायम रखते हैं। उन्होंने कहा, ऐसी भाषा जो दिव्यांगता को वैयक्तिकृत करती है और अक्षम करने वाली सामाजिक बाधाओं (उदाहरण के लिए पीड़ित, पीड़ा जैसे शब्द) को नजरअंदाज करती है, उससे बचा जाना चाहिए या उसे सामाजिक मानक के विपरीत भाषा के रूप में पर्याप्त रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए। यह फैसला निपुण मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका पर दिया गया। मल्होत्रा ने कहा था कि हिंदी फिल्म आंख मिचौली में दिव्यांग जन के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, शब्द संस्थागत भेदभाव पैदा करते हैं और दिव्यांग लोगों के बारे में अपंग और मंदबुद्धि जैसे शब्द सामाजिक धारणाओं में निचले दर्जे के समझे जाते हैं। पीठ ने कई दिशानिर्देश तय करते हुए कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को फिल्म दिखाने की अनुमति देने से पहले विशेषज्ञों की राय लेनी चाहिए। इसमें कहा गया है, दृश्य मीडिया को दिव्यांग व्यक्तियों की विविध वास्तविकताओं को चित्रित करने का प्रयास करना चाहिए। उसे न केवल उनकी चुनौतियों, बल्कि सफलताओं, प्रतिभाओं और समाज में उनके योगदान को भी प्रदर्शित करना चाहिए। मिथकों के आधार पर न तो उनका मजाक उड़ाया जाना चाहिए और न ही उन्हें असाधारण के रूप में पेश किया जाना चाहिए।

मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने का काम अंतिम चरण में: केंद्र

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि स्कूल जाने वाली किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी की दलीलों का संज्ञान लिया और संबंधित नीति तैयार करने के लिए दो महीने का समय देने का उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया। शीर्ष अदालत कांग्रेस नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने केंद्र और राज्यों को छठी से बारहवीं कक्षा की छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने तथा सभी सरकारी और आवासीय विद्यालयों में अलग महिला शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। एएसजी ने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने का काम अंतिम चरण में है और दो महीने का समय और दिया जा सकता है। पीठ ने कहा, हम इस मामले को सितंबर के पहले सोमवार को सूचीबद्ध करेंगे। याचिका में विद्यालयों में गरीब पृष्ठभूमि की किशोरियों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर किया गया है। केंद्र ने पहले कहा था कि वह 10 अप्रैल, 2023 और छह नवंबर, 2023 के आदेशों के अनुसार स्कूल जाने वाली लड़कियों को मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए सभी आवश्यक तथ्यों को एकत्र करने की प्रक्रिया में है। शीर्ष अदालत ने केंद्र को देश भर के सभी सरकारी सहायता प्राप्त और आवासीय विद्यालयों में छात्राओं की संख्या के अनुरूप शौचालय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल तैयार करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने समान प्रक्रिया पर जोर देते हुए केंद्र सरकार से राष्ट्रीय स्तर पर स्कूली छात्राओं को सैनिटरी पैड के वितरण के लिए तैयार की गई नीति के बारे में भी पूछा। पिछली सुनवाई के दौरान केंद्र ने शीर्ष अदालत को सूचित किया था कि स्कूल जाने वाली लड़कियों को मुफ्त में सैनिटरी पैड के वितरण के लिए एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार किया गया है और हितधारकों से उनकी टिप्पणियां मांगी गई है। पीठ ने 10 अप्रैल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय करने तथा राष्ट्रीय नीति तैयार करने के लिए प्रासंगिक आंकड़े एकत्र करने के वास्ते नोडल अधिकारी नियुक्त किया था। याचिका में कहा गया है कि 11 से 18 वर्ष की आयु के बीच की गरीब पृष्ठभूमि की लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि शिक्षा का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत एक संवैधानिक अधिकार है।

घर खरीदारों केसाथ धोखाधड़ी हो रही, समान खरीदार-बिल्डर समझौते की जरूरत : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि देश में घर खरीदारों के साथ हो रही धोखाधड़ी को लेकर बिल्डर-खरीदार के बीच समझौतों में एकरूपता लाने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, खरीदारों के साथ बिल्डर धोखाधड़ी कर रहे हैं और यही कारण है कि अब एकरूपता लाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत, वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2021 में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लाने तथा बिल्डरों और एजेंटों को अनुचित एवं गलत कारोबारी गतिविधियों में संलिप्त होने से रोकने के लिए एक मॉडल समझौता की जरूरत है। न्यायमित्र के रूप में न्यायालय को सहयोग कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता देवाशीष भरूखा ने पीठ से कहा कि मसौदा बिल्डर-खरीदार समझौतों के साथ एक अंतिम स्थिति रिपोर्ट रिकॉर्ड पर लाया गया है। यह भी दलील दी गई कि राज्यों के सुझाव हासिल हुए और उन्हें सम्मिलित किया गया। पीठ ने कहा कि वह न्याय मित्र की रिपोर्ट और उस पर आपत्तियों का अध्ययन करेगी। इससे पहले, पीठ ने उद्योग संघों सहित हितधारकों को इन मॉडल समझौतों पर अपने सुझाव केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय को प्रस्तुत करने की अनुमति दी थी। मामले में अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी।

पुलिस को जमानत पर आरोपी की निजी जिंदगी में ताकझांक की अनुमति नहीं दी जा सकती: कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि जमानत की ऐसी कोई शर्त नहीं हो सकती जो पुलिस को किसी आपराधिक मामले के आरोपी की निजी जिंदगी में ताकझांक की इजाजत दे।न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जमानत के एक मामले में लगाई गई शर्त को खारिज कर दिया जिसमें मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में एक नाइजीरियाई नागरिक को अपने मोबाइल फोन की गूगल मैप्स पिन जांच अधिकारी के साथ साझा करने को कहा गया था। न्यायमूर्ति ओका ने फैसला सुनाते हुए कहा, ऐसी कोई शर्त नहीं हो सकती जो जमानत के उद्देश्य को ही समाप्त कर दे। हमने कहा है कि गूगल की पिन देना जमानत की शर्त नहीं हो सकती। जमानत की ऐसी कोई शर्त नहीं हो सकती कि पुलिस को आरोपी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने की अनुमति दे। पुलिस को जमानत पर किसी आरोपी की निजी जिंदगी में ताकझांक की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने मादक पदार्थों के एक मामले में जमानत की शर्त को चुनौती देने वाली नाइजीरियाई नागरिक फ्रेंक वाइटस की अर्जी पर फैसला सुनाया।

अदालत ने बैंक दस्तावेजों पर सेंथिल बालाजी की याचिका खारिज कर दी

चेन्नई। यहां की एक सत्र अदालत ने सोमवार को पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने धन शोधन जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा एकत्र किए गए गायब दस्तावेज मुहैया कराने का आग्रह किया था। अदालत ने सेंथिल बालाजी की हिरासत भी 10 जुलाई तक बढ़ा दी। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने 14 जून 2023 को धन शोध मामले में गिरफ्तार किया था।प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अल्ली ने उनकी न्यायिक हिरासत 10 जुलाई तक बढ़ाई है। अभियोजन पक्ष ने सेंथिल बालाजी को सोमवार को यहां केंद्रीय पुझल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए न्यायाधीश के समक्ष पेश किया था।न्यायाधीश ने सेंथिल बालाजी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें गायब कागजात को उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। ए दस्तावेज उनके खाते से संबंधित चालान की रसीद की प्रतियां थीं, जिन्हें ईडी ने अपनी जांच में एकत्र किया था।

कोली को बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका सुनेगा न्यायालय

नई दिल्ली (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड में सुरेंद्र कोली को बरी करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने उच्च न्यायालय के 16 अक्टूबर, 2023 के फैसले के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अलग-अलग याचिकाओं पर कोली से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने मामले में कोली को बरी करने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाले एक पीड़ित के पिता की याचिका पर सुनवाई के लिए मई में सहमति जताई थी। इस मामले में मोहिंदर सिंह पंढेर को सत्र अदालत ने बरी कर दिया था जबकि कोली को 28 सितंबर 2010 को मौत की सजा सुनाई गई थी। पीठ ने सोमवार को कहा कि सीबीआई की याचिकाएं पीड़ित के पिता की उक्त याचिका के साथ सुनवाई के लिए आएंगी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीबीआई की ओर से कहा कि कोली सीरियल किलर है जिसने छोटी बच्चियों को फुसलाया और उनकी हत्या कर दी। घटना को जघन्य करार देते हुए मेहता ने कहा कि मामले में बहशीपन के आरोप हैं। उच्च न्यायालय ने कोली और उसके मालिक पंढेर को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे मामले में दोष साबित करने में विफल रहा।पंढेर और कोली पर बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने और उनकी हत्या करने के आरोप था। उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी लेकिन उच्च न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया था।पंढेर और कोली के खिलाफ 2007 में कुल 19 मामले दर्ज किए गए थे। राष्ट्रीय राजधानी से लगे नोएडा के निठारी में 29 दिसंबर, 2006 को एक घर के पीछे नाले से आठ बच्चों के कंकाल के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई थी। घर के आसपास इलाके में नालों की और खुदाई तथा तलाशी में और कंकाल मिले। इनमें से अधिकतर कंकाल उन गरीब बच्चों और लड़कियों के थे जो इलाके से लापता थे। सीबीआई ने 10 दिन के अंदर मामले में जांच संभाली थी और उसकी तलाशी में और कंकाल बरामद हुए थे।

बब्बर खालसा के सदस्य ने पुलिस से भागने की कोशिश की, गोली लगने से हुआ घायल

चंडीगढ़ (भाषा)। प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन खालसा इंटरनेशनल का एक संदिग्ध सदस्य जालंधर में हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गया। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिमरनजीत सिंह उर्फ बबलू तीन अप्रैल को एसबीएस नगर में पूर्व आतंकवादी रत्तनदीप सिंह की हत्या में आरोपी है। उसे जालधंर की देओल नगर कॉलोनी में रविवार देर रात एक विशेष जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था। बबलू की गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद एक पुलिस दल उसे जालंधर-नकोदर मार्ग पर वडाला के निकट एक जगह लेकर जा रहा था जहां उसने रत्तनदीप सिंह की हत्या में इस्तेमाल संदिग्ध पिस्तौल को छिपाने का दावा किया था। डीजीपी ने कहा, वहां पहुंचने पर आरोपी ने एक पुलिस अधिकारी को धक्का देकर भागने की कोशिश जिसके बाद पुलिस दल ने गोली चलाई और आरोपी घायल हो गया। उन्होंने कहा कि आरोपी को पास के अस्पताल ले जाया गया। बबलू के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस ने बबलू के पास से दो अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं। यादव के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बबलू पाकिस्तानी आतंकवादी हरविंदर रिंदा और अमेरिकी नागरिक गोपी नवनशहरिया के निर्देश पर काम कर रहा था और उन्होंने उसे तथा जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सी कुलाम नामक एक अन्य हमलावर को रत्तनदीप सिंह की हत्या का काम सौंपा था। जस्सी अपराध को अंजाम देने के बाद विदेश भागने में सफल रहा। पुलिस ने कहा कि बबलू खूंखार अपराधी है और उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास के अनेक मामले दर्ज हैं। वह अमृतसर में कथित रूप से एक सहायक उप-निरीक्षक की हत्या में शामिल था।

पंजाब के बटाला में दो समूहों के बीच गोलीबारी में चार लोगों की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले में दो समूहों के बीच पुरानी रंजिश के चलते हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात बटाला के श्री हरगोबिंदपुर के लिधांवाला चौक पर हुई। दोनो समूहों में कुल 13 लोग थे और सभी विठवान गांव के रहने वाले हैं। बटाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अश्विनी गोटयाल ने बताया कि गोलीबारी में दोनों समूहों के दो-दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बलराज सिंह, शमशेर सिंह, बलजीत सिंह और निर्मल सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना में आठ लोग घायल हुए हैं और उन्हें अमृतसर के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक सभी घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान कई राउंड गोलियां चलाई गईं और मौके से 30 कारतूस और खोखें मिले है।

पुलिस ने अदालत में कहा-पिता ने बेटे को भागने को कहा

बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला

मुंबई (भाषा)। मुंबई पुलिस ने सोमवार को कहा कि बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में फरार मुख्य आरोपी मिहिर शाह के पिता राजेश शाह ने दुर्घटना के बाद उसे मौके से भागने को कहा था। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया।

पुलिस ने अदालत में कहा कि राजेश ने अपने ड्राइवर राजऋषि बिदावत को घटना की जिम्मेदारी लेने को कहा जो हादसे के समय कार में था।

पुलिस ने अदालत में सीसीटीवी फुटेज भी पेश किए जिनमें कार से कावेरी नखवा को डेढ़ किलोमीटर तक घसीटते हुए देखा गया। इन तस्वीरों में मिहिर शाह और सह-आरोपी राजऋषि बिदावत को बोनट से महिला को खींचकर हटाते, उसे सड़क पर रखते और गाड़ी को उलटी दिशा में चलाते समय उसे कुचलते हुए देखा जा सकता है। कावेरी रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे एनी बेसेंट रोड पर अपने पति प्रदीप के साथ दुपहिया वाहन से जा रही थीं, तभी बीएमडब्ल्यू कार के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी बांद्रा-वर्ली सी लिंक की ओर भागने लगे। उन्होंने कार को बांद्रा के काला नगर के पास छोड़ा और वहां से भाग गए। पालघर जिले के शिवसेना नेता राजेश शाह और उनके चालक बिदावत को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। बिदावत घटना के समय कार में ही था। मुख्य आरोपी मिहिर शाह के साथ ही राजेश शाह और बिदावत पर गैर इरादतन हत्या समेत अनेक प्रावधानों के तहत आरोप हैं।राजेश शाह और बिदावत को मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीवरी) एसपी भोसले की अदालत में पेश किया गया जिन्होंने राजेश शाह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया और बिदावत को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) राजेश शाह पर लागू नहीं होती। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत में कहा कि मिहिर शाह ने घटना के बाद अपने पिता को फोन किया और राजेश शाह ने बेटे को भाग जाने को कहा। पुलिस ने अदालत से कहा कि राजेश शाह ने मिहिर शाह से यह भी कहा कि बिदावत को ड्राइवर सीट पर बैठने के लिए कहे। पुलिस ने रिमांड सुनवाई में कहा कि राजेश अपने बेटे के ठिकाने के बारे में जानते हैं और इसलिए उनसे पूछताछ जरूरी है। बचाव पक्ष की ओर से वकील सुधीर भारद्वाज ने कहा कि पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज हैं लेकिन रिमांड में इसका उल्लेख नहीं किया गया। भारद्वाज ने दलील दी कि यदि बेटा लापता है तो क्या पिता को गिरफ्तार किया जा सकता है? बचाव पक्ष ने कहा कि किसी बेटे के लिए दहशत की स्थिति में अपने पिता को फोन करना सामान्य नहीं है। भारद्वाज ने कहा कि राजेश के मामले में गैर इरादतन हत्या का आरोप लागू नहीं होता क्योंकि वह कार नहीं चला रहे थे और ना ही मौके पर मौजूद थे। उन्होंने यह भी कहा कि बिदावत की हिरासत जरूरी नहीं है क्योंकि उसके पास से कुछ नहीं मिला। राजेश शाह को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद उनके वकील ने जमानत के लिए आवेदन किया, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। इस बीच,पुलिस ने मिहिर शाह को गिरफ्तार करने के लिए कई दल बनाए हैं। मुख्य आरोपी मिहिर को विदेश भागने से रोकने के लिए लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया है।

पेज 1 का शेष

परीक्षा की...

तक पता लगाई गई उनकी संख्या के बारे में भी जानकारी मांगी। नीट-यूजी की शुचिता सुनिश्चित करने पर चिंता व्यक्त करते हुए सर्वोच्च अदालत ने कहा कि सरकार के लिए जानेमाने विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक टीम गठित करने पर विचार करना आवश्यक होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 की शुचिता नष्ट हो गई है और यदि इसके लीक प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया के जरिए प्रसारित किया गया है तो दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देना होगा। उसने कहा कि यदि प्रश्नपत्र लीक टेलीग्राम, व्हाट्सऐप और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हो रहा है, तो यह जंगल में आग की तरह फैलेगा। पीठ ने कहा, यदि परीक्षा की शुचिता नष्ट हो जाती है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। यदि हम दोषियों की पहचान करने में असमर्थ हैं, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। पीठ ने कहा, जो हुआ, हमें उसे नकारना नहीं चाहिए। साथ ही पीठ ने कहा, यह मान लें कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, तो वह प्रश्नपत्र लीक के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए क्या करेगी? उच्चतम न्यायालय विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित 30 से अधिक याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई कर रहा था। इनमें पांच मई को हुई परीक्षा में अनियमितताओं और कदाचार का आरोप लगाने वाली और परीक्षा नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है। हम लीक की सीमा का पता लगा रहे हैं। पीठ ने कहा कि इसमें कुछ चेतावनी के संकेत हैं क्योंकि 67 उम्मीदवारों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए हैं। पीठ ने कहा, पिछले वर्षों में यह अनुपात बहुत कम था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह जानना चाहती है कि प्रश्नपत्र लीक से कितने लोगों को लाभ हुआ और केंद्र ने उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की। पीठ ने सवाल किया, गलत काम करने वाले कितने लोगों के परिणाम रोके गए हैं और हम ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक वितरण जानना चाहते हैं। पीठ राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में सफल गुजरात के 50 से अधिक अभ्यर्थियों की एक अलग याचिका पर भी सुनवाई कर रही है, जिसमें केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को विवादित परीक्षा रद्द करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने दलीलें शुरू करते हुए कहा कि वे पेपर लीक, ओएमआर शीट में हेरफेर, अभ्यर्थी की जगह किसी अन्य के परीक्षा देने और धोखाधड़ी जैसे आधारों पर परीक्षा रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने हाल में न्यायालय में कहा था कि गोपनीयता भंग होने के किसी साक्ष्य के बिना इस परीक्षा को रद्द करने का बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों पर गंभीर असर पड़ सकता है। एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय पांच मई को आयोजित परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक से लेकर अभ्यर्थी की जगह किसी अन्य के परीक्षा देने तक बड़े पैमाने पर कथित अनियमितताओं को लेकर मीडिया में बहस और छात्रों और राजनीतिक दलों के विरोध के केंद्र में रहे हैं। देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट-यूजी परीक्षा आयोजित की जाती है। पेपर लीक सहित अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के बीच तकरार हुई। नीट-यूजी 2024 में कुल 67 छात्रों ने 720 अंक प्राप्त किए, जो एनटीए के इतिहास में अभूतपूर्व है। इस सूची में हरियाणा के एक केंद्र के छह छात्र शामिल हैं, जहां परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर संदेह उत्पन्न हुआ। यह आरोप लगाया गया है कि कृपांक के चलते 67 छात्रों को शीर्ष रैंक प्राप्त करने में मदद मिली। एनटीए द्वारा एक जुलाई को संशोधित परिणाम घोषित किए जाने के बाद, नीट-यूजी में शीर्ष रैंक वाले अभ्यर्थियों की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई।

मोदी-पुतिन...

के लिए निजी रात्रिभोज देंगे। मोदी यहां राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे और भारतीय समुदायों के सदस्यों के साथ संवाद भी करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। वह रूस में भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे। मॉस्को पहुंचने पर भारतीय प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। शहर में कार्लटन होटल में भारतीय मूल के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और कुछ रूसी कलाकारों ने हिंदी गीतों की धुन पर नृत्य कर उनका स्वागत किया। मोदी ने भारत से रवाना होने से पहले अपने बयान में कहा कि भारत एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक की भूमिका निभाना चाहता है। रूस में नौ जुलाई को अपनी यात्रा पूरी करने के बाद मोदी ऑस्ट्रिया के लिए रवाना होंगे। यह, विगत 40 साल से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की वहां की पहली यात्रा होगी। मोदी और पुतिन मंगलवार को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में व्यापार, ऊर्जा और रक्षा सहित विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। मोदी-पुतिन की शिखर वार्ता में यूक्रेन संघर्ष भी प्रमुख मुद्दा रह सकता है। मोदी ने रूस रवाना होने से पहले एक बयान में कहा, भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले 10 वर्षों में और बढ़ी है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों से लोगों का संपर्क आदि क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा, मैं, मेरे मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करने को लेकर आशान्वित हूं। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण एवं स्थिर क्षेत्र के लिए सहयोगात्मक भूमिका निभाना चाहते हैं। रूस के साथ अपनी विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी का भारत पुरजोर बचाव करता रहा है और यूक्रेन संघर्ष के बावजूद संबंधों में गर्मजोशी बनी रही है। रूस के साथ अपनी मजबूत दोस्ती को इंगित करते हुए भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा नहीं की है। भारत यह कहता रहा है कि संकट को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगले तीन दिन, मैं रूस और ऑस्ट्रिया में रहूंगा। ये दौरे इन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का एक शानदार अवसर होंगे, जिनके साथ भारत की दोस्ती समय की कसौटी पर खरी उतरी है। मोदी की मॉस्को यात्रा से पहले रूस के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि एजेंडा व्यापक होगा। उन्होंने कहा, यह एक आधिकारिक यात्रा होगी और हमें उम्मीद है कि दोनों राष्ट्र प्रमुख अनौपचारिक रूप से भी बातचीत कर पाएंगे। बातचीत में मोदी आग्रह कर सकते हैं कि रूस अपनी सेना के सहायता कर्मी के तौर पर भारतीयों की भर्ती करना बंद करे और अब भी रूस की सेना में काम कर रहे लोगों की वापसी सुनिश्चित करे।

मुंबई पर...

मद्देनजर बीएमसी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और आपातकालीन मदद के लिए उसके हेल्पलाइन नंबर पर फोन करने की अपील की है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि जब भारी बारिश के साथ-साथ ज्वार (समुद्र में ऊंची लहरें उठना) आता है तो मुंबई में बाढ़ आ जाती है। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और पड़ोसी ठाणे के बीच मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य गलियारे की फास्ट लाइन पर विभिन्न स्थानों पर जलभराव के कारण कुछ घंटों के लिए ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं।

संदेशखालि...

गिरफ्तारियां कब की गईं? उसने कहा, किसी को बचाने में राज्य की रूचि क्यों होनी चाहिए? उसने कहा कि पिछली सुनवाई में जब शीर्ष अदालत ने यह विशेष प्रश्न पूछा था तो राज्य सरकार के वकील ने कहा था कि मामले को स्थगित किया जाए। पीठ ने राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी और स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के आदेश में की गई कोई टिप्पणी जांच में सीबीआई को प्रभावित नहीं करेगी। पीठ ने कहा, धन्यवाद। याचिका खारिज की जाती है। शीर्ष अदालत, कलकत्ता उच्च न्यायालय के 10 अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

राष्ट्रपति ने पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया

भाषा। पुरी (ओडिशा)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश में हाल में भीषण गर्मी पड़ने और दुनिया भर में मौसम के चरम पर रहने की लगातार हो रही घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए लोगों से पर्यावरण की रक्षा के लिए छोटे और स्थानीय स्तर पर कदम उठाने का सोमवार को आग्रह किया ताकि भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि वार्षिक रथ यात्रा में शामिल होने के एक दिन बाद मुर्मू ने पवित्र शहर पुरी के समुद्र तट पर कुछ समय बिताया। उन्होंने बाद में प्रकृति के साथ निकटता के अनुभव के बारे में अपने विचार लिखे।मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि प्रदूषण के कारण महासागरों और वनस्पतियों एवं जीवों की समृद्ध विविधता को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन प्रकृति की गोद में रहने वाले लोगों ने उन परंपराओं को कायम रखा है जो हमारा मार्गदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के उपाय सुझाते हुए कहा, उदाहरण के लिए, तटीय इलाकों में रहने वाले लोग समुद्र की लहरों और हवाओं की भाषा समझते हैं। वे अपने पूर्वजों का अनुसरण करते हुए समुद्र को भगवान के रूप में पूजते हैं। राष्ट्रपति छह जुलाई को चार दिवसीय दौरे पर ओडिशा आईं। उन्होंने कहा, ऐसे स्थान हैं जो हमें जीवन के तत्व के करीब लाते हैं और हमें याद दिलाते हैं कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं। पहाड़, जंगल, नदियां और समुद्र तट हमारे भीतर की किसी गहरी चीज को आकर्षित करते हैं। मैं आज जब समुद्र के किनारे टहल रही थी तो मुझे आसपास के वातावरण- हल्के हल्के बहती हवा, लहरों के शोर और पानी के विशाल विस्तार के साथ एक जुड़ाव महसूस हुआ। यह ध्यान करने जैसा अनुभव था। मुर्मू ने कहा कि इससे मुझे गहन आंतरिक शांति मिली, जो मुझे कल महाप्रभु श्री जगन्नाथजी के दर्शन करने पर भी महसूस हुई थी। ....और मैं अकेली नहीं हूं जिसे ऐसा एहसास हुआ है। जब हम किसी ऐसी चीज से रू-ब-रू होते हैं जो हमसे बहुत विशाल हो, जो हमारे जीवन को बरकरार रखने में मदद करे और जो हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाएं तो हम सब इसी तरह महसूस कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने समुद्र तट पर टहलते हुए अपनी तस्वीरें साझा कीं तथा कहा कि रोजमर्रा की भागदौड़ में लोग प्रकृति के साथ अपना संबंध खो देते हैं। मूर्मु ने कहा, मानव जाति का मानना है कि उसने प्रकृति पर कब्जा कर लिया है और वह अपने अल्पकालिक लाभों के लिए इसका दोहन कर रही है। इसका नतीजा सबके सामने है। इस गर्मी में भारत के कई हिस्सों को भीषण लू का सामना करना पड़ा। हाल के वर्षों में दुनिया भर में मौसम के चरम पर रहने की घटनाएं अधिक हो गई हैं। आने वाले दशकों में स्थिति और भी बदतर होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी की सतह का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा महासागरों से बना है और ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों के डूबने का खतरा है।राष्ट्रपति ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण की चुनौती से निपटने के दो तरीके हैं। उन्होंने कहा, सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संगठन व्यापक कदम उठा सकते हैं और नागरिकों के रूप में हम छोटे एवं स्थानीय कदम उठा सकते हैं। मुर्मू ने कहा, निस्संदेह, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। बेहतर कल के लिए व्यक्तिगत रूप से, स्थानीय स्तर पर - हम जो कुछ भी कर सकते हैं, आइए, उसे करने का संकल्प लें। अपने बच्चों के लिए ऐसा करना हमारी जिम्मेदारी है।

सरकार किसान उत्पादक संगठनों की समीक्षा करेगी

भाषा। नई दिल्ली

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि सरकार किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के प्रदर्शन की समीक्षा करेगी। इन संस्थाओं के लिए तीन साल की समर्थन अवधि समाप्त हो रही है, इसको देखते हुए यह निर्णय किया गया है। चौहान ने यहां दिल्ली हाट आईएनए में आयोजित मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने वाले 55 एफपीओ से मिलने के बाद यह बयान दिया। एफपीओ योजना 2020 में शुरू की गई थी। इसका लक्ष्य 6,865 करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान के साथ 2024 तक 10,000 नए एफपीओ बनाने और उन्हें बढ़ावा देने का है। सरकार ने कार्यक्रम के तहत तीन साल के लिए प्रति एफपीओ 18 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की। साथ ही इतना ही इक्विटी अनुदान और क्रेडिट गारंटी सुविधा भी दी। हालांकि, मंत्री ने कहा कि एफपीओ के लिए परिणाम अलग-अलग रहे हैं। कुछ एफपीओ ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है जबकि अन्य को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चौहान ने संवाददाताओं से कहा, तीन साल में कुछ एफपीओ अपने पैर पर खड़े हो गए जबकि कुछ संघर्ष कर रहे हैं। हम उनकी प्रगति को समझने और उन कमियों की पहचान के लिए सभी एफपीओ की गहन समीक्षा करेंगे और यह पता लगाएंगे कि क्या उन्हें अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता है। सरकार द्वारा नियुक्त क्रियान्वयन एजेंसियां समीक्षा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्हें पांच साल तक नए एफपीओ को सहायता और समर्थन प्रदान करने का काम सौंपा गया है। चौहान ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि सभी एफपीओ आत्मनिर्भर बनें और किसानों के समग्र सशक्तीकरण में योगदान दें। कृषि मंत्री ने कहा कि देशभर में अबतक लगभग 8,875 एफपीओ स्थापित हो चुके हैं, जबकि लक्ष्य 10,000 का था। कुछ एफपीओ ने एक करोड़ रुपए तक का कारोबार हासिल किया है और ऑनलाइन ऑर्डर प्राप्त कर रहे हैं।

बिजली मंत्री का उपभोक्ताओं के लिए खुद से मीटर रीडिंग का सुझाव

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुद से मीटर रीडिंग और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से बिल सृजित करने का सुझाव दिया। बिजली मंत्रालय के बयान के अनुसार, खट्टर ने अरुणाचल प्रदेश में बिजली क्षेत्र की योजनाओं और परियोजनाओं पर ईटानगर में समीक्षा के दौरान यह सुझाव दिया। इसमें कहा गया है कि मंत्री ने उपभोक्ताओं को हर दो महीने में एक बार स्वयं मीटर रीडिंग और एक मोबाइल ऐप के माध्यम से बिल बनाने का विकल्प उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है। बैठक में अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और केंद्रीय बिजली सचिव पंकज अग्रवाल भी मौजूद थे मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार देश के पूर्वोत्तर राज्यों के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

आईआईटी मद्रास तेल अवीव विवि की साझेदारी में जल गुणवत्ता पर पाठ्यक्रम पेश करेगा

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास, इजराइल के तेल अवीव विश्वविद्यालय और कोयंबटूर के केएमसीएच रिसर्च फाउंडेशन (केएमसीएच-आरएफ) की साझेदारी मे जल गुणवत्ता को लेकर पाठ्यक्रम की पेशकश करेगा ताकि नागरिकों को जल के प्रति साक्षर बनाया जा सके। संस्थान ने सोमवार को यह जानकारी दी। आईआईटी, मद्रास के मुताबिक यह चार महीने का पाठ्यक्रम होगा और हाइब्रिड माध्यम से एनपीटीईएल ऑनलाइन मंच के जरिए मुहैया कराया जाएगा। यह विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियो और तकनीकी पृष्ठभूमि वाले उन लोगो के लिए आदर्श होगा जिनकी रुचि जल गुणवत्ता मे है। संस्थान ने विज्ञप्ति मे बताया कि पाठ्यक्रम के संयोजक विद्यार्थियो के लिए भारत और दुनिया का जल मानचित्र बनाने का काम कर रहे है जिससे जल साक्षरता बढ़ाने मे मदद मिलेगी।

हाईटेक पाइप्स को भामाशाह पुरस्कार

नई दिल्ली। हाईटेक पाइप्स लिमिटेड भारत की लीडिंग स्टील पाइप्स कंपनियों में से एक यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रही है कि इसे डिपार्टमेंट ऑफ कमर्शियल टैक्सेस उत्तर प्रदेश द्वारा डिस्ट्रिक्ट बुलन्दशहर में फ इनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए हाईएस्ट टैक्स पेअर,भामा शाह अवॉर्ड के रूप में मान्यता दी गई है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार टैक्सेस करों के समय पर और ट्रांसपेरेंट पेमेंट के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में हाईटेक पाइप्स के योगदान को स्वीकार करता है। अनुपालन और एथिकल बिज़नेस प्रैक्टिसेस के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता ने यह विशिष्ट मान्यता अर्जित की है।

बीएमडब्ल्यू से टक्कर मामले में पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 11 टीम बनाई

भाषा। मुंबई

मुंबई पुलिस ने वर्ली इलाके में बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से एक महिला की मौत के मामले में सत्तारूढ़ शिवसेना के नेता के बेटे को पकड़ने के लिए 11 टीम गठित करने के साथ अपराध शाखा को भी जांच में शामिल किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शिवसेना नेता राजेश शाह का 24 वर्षीय बेटा मिहिर शाह उस बीएमडब्ल्यू कार को चला रहा था, जिसने एक स्कूटर को टक्कर मार दी थी। घटना में स्कूटर सवार एक महिला की मौत हो गई थी और उसका पति घायल हो गया। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मिहिर शाह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया है। पुलिस द्वारा अदालत में प्रस्तुत किए गए सीसीटीवी फुटेज में कावेरी नखवा को कार द्वारा डेढ़ किलोमीटर तक घसीटते देखा गया। फुटेज में मिहिर शाह और सह-आरोपी राजऋषि बिदावत को महिला को बोनट से उतारते हुए, उसे सड़क पर डालते हुए और फिर गाड़ी को पीछे कर उसे फिर से कुचलते हुए देखा गया। पुलिस के अनुसार, मिहिर शाह कार को बांद्रा के कलानगर ले गया, वहां बिदावत की मौजूदगी में वाहन को छोड़ दिया, दूसरी कार ली और महानगर के उत्तरी छोर बोरीवली की ओर भाग गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, वह (मिहिर) अपनी महिला मित्र के घर गया था और तब से उसका पता नहीं चला है। उसने बोरीवली इलाके में अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था। उसके महाराष्ट्र से भागने की आशंका के मद्देनजर पुलिस की टीम गुजरात समेत आसपास के राज्यों में भेजी गई हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस पालघर स्थित मिहिर के आवास पर भी गई, लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। अब तक की जांच के अनुसार, मिहिर ने रविवार तड़के तक जुहू के एक बार में अपने चार दोस्तों के साथ पार्टी की थी, जिसके बाद वह और उसका ड्राइवर दक्षिण मुंबई की ओर चले गए। पुलिस ने बार का 18,000 रुपए का बिल भी बरामद कर लिया है और उसकी जांच कर रही है। बार के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा, दुर्घटना के बाद मिहिर का पिता और सह-आरोपी राजेश शाह डेढ़ घंटे के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गया। वह सुबह पौने सात बजे घटनास्थल पर पहुंचा था। टक्कर मारने की घटना सुबह साढ़े पांच बजे हुई। राजेश शाह पर कथित तौर पर गलत सूचना देने और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया है। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (सिवरी) एस पी भोसले की अदालत ने राजेश शाह को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बाद में राजेश को जमानत दे दी गई।

भाजपा नेता जाखड़ ने कहा : ध्वस्त हो गई है पंजाब में कानून-व्यवस्था

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख सुनील जाखड़ ने सोमवार को चंडीगढ़ के राजभवन में राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से मुलाकात के बाद कहा कि राज्य में भय का माहौल है और कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। जाखड़ ने शिवसेना (पंजाब) नेता संदीप थापर पर हमला, बठिंडा में धारदार हथियारों से हमला करके एक व्यक्ति की हत्या और बटाला में दो समूहों के बीच गोलीबारी की घटना में चार लोगों की मौत का जिक्र किया। राज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जाखड़ ने कहा कि पंजाब में भय का माहौल है। जाखड़ ने कहा, लुधियाना (शिवसेना नेता पर हमले की घटना), मौर मंडी (बठिंडा) और बटाला (गोलीबारी की घटना में चार मौतें) को देखिए... सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल रही है। जाखड़ ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताते हुए कहा कि उन्होंने राज्यपाल के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। जाखड़ ने दावा किया, आज कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और उन्होंने (राज्यपाल ने) भी इसे स्वीकार किया है। इससे पहले जाखड़ ने एक वीडियो संदेश में कहा था कि पूरा पंजाब असुरक्षित महसूस कर रहा है।

क्विक न्यूज

उपराष्ट्रपति ने रक्षा भूमि प्रबंधन में उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को रक्षा भूमि प्रबंधन में तत्परता एवं प्रौद्योगिकी एकीकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इसका सबसे अच्छा तरीका, युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना है। उपराष्ट्रपति एनक्लेव में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने रक्षा भूमि के प्रभावी प्रबंधन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अतिक्रमण और कानूनी विवादों सहित रक्षा भूमि के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की। धनखड़ ने कहा कि प्रौद्योगिकी रक्षा भूमि की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, जिससे किसी भी घुसपैठ की त्वरित पहचान और समाधान संभव हो सकेगा। उपराष्ट्रपति ने संबोधित करते हुए कहा, रक्षा का सबसे अच्छा तरीका, युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना है। रक्षा भूमि के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग करने से आप किसी भी घुसपैठ की निगरानी कर सकेंगे और त्वरित उपचारात्मक कार्रवाई कर सकेंगे।

जम्मू-कश्मीर में एक व्यक्ति को बिटकॉइन के जरिए आतंकवाद का वित्तपोषण करते पाया गया : एसआईए

जम्मू। आतंकवाद का वित्तपोषण करने के मामलो की जांच कर रही राज्य अन्वेषण एजेंसी (एसआईए) ने एक व्यक्ति को बिटाकॉइन के जरिए आतंकवादी संगठनो को जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने में हिंसा करने और आतंकवादी गतिविधियो के लिए धन मुहैया कराने की गतिविधि में संलिप्त पाया है। अधिकारियो ने सोमवार को यह जानकारी दी। एसआईए ने इलाके मे आतंकवाद के वित्तपोषण मे संलिप्त व्यक्ति की पहचान के लिए सार्वजनिक पुलिस अनुरोध जारी किया है। एसआईए के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि जांच के दौरान, एसआईए को जानकारी मिली कि उक्त व्यक्ति बिटकॉइन व्यापार के माध्यम से आतंकवादी संगठनो तक धन पहुंचा रहा हैअ इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हिंसा और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने मे किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले मे एसआईए ने 2022 मे कश्मीर घाटी मे प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारी ने बताया कि एसआईए ने आरोपी की पहचान करने मे जनता की मदद लेने के वास्ते सार्वजनिक नोटिस जारी किया है और उसकी तस्वीर जारी किया है। उन्होंने कहा कि जनता से आरोपी की पहचान करने मे मददगार कोई भी जानकारी होने पर उसे साझा करने की अपील की गई है। अधिकारी ने कहा, दी जाने वाली कोई भी जानकारी आरोपी की पहचान करने में मददगार साबित हो सकती है। जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान एवं गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को उचित पुरस्कार दिया जाएगा। एसआईए जम्मू-कश्मीर मे आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़े कई मामलो की जांच कर रही है। अधिकारियो ने बताया कि अगस्त 2022 मे एसआईए ने आतंकवादी गतिविधियो के वित्तपोषण के लिए बिटकॉइन के माध्यम का इस्तेमाल करने के आरोपो की जांच के तहत केंद्र शासित प्रदेश मे कई स्थानो पर छापेमारी की थी।

एडब्लूएस इंडिया का पहला स्पेस एक्सेलरेटर प्रोग्राम 24 स्टार्टअप्स को सपोर्ट करेगा

चेन्नई। थूट्ठुकुडी तमिलनाडु से लॉन्च वैहिकल और सस्टेनेबल सैटेलाईट स्टार्टअप। पोर्ट ब्लेयर अंडमान एवं निकोबार आईलैंड्स से एडवांस्ड जियोस्पैशल एनालिसिस स्टार्टअप। अहमदाबाद, गुजरात से सैटेलाईट टेक्नोलॉजी पर आधारित प्रेसिज़न फार्मिंग स्टार्टअप। ये उन 24 स्टार्टअप्स की सूची में हैं जो स्पेस टेक्नोलॉजी पर केंद्रित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाईन किए गए टेक्निकलए बिज़नेसए और मेंटरशिप कार्यक्रमए एडब्लूएस स्पेस एक्सेलरेटरः इंडिया में हिस्सा ले रहे हैं। यह 14 हफ्ते का प्रोग्राम भारत में एडब्लूएस का पहला स्पेस एक्सेलरेटर प्रोग्राम हैए जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र और टेक्निकल विशेषज्ञों द्वारा समर्पित टेक्निकल विशेषज्ञता, विशेषज्ञ एडब्लूएस प्रशिक्षण और मेंटरिंग प्रदान करना है। यह प्रोग्राम भारत में स्पेस स्टार्टअप्स की वृद्धि एवं विकास में संयुक्त रूप से सहयोग देने के लिए 2023 में एडब्लूएस और इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाईज़ेशन ;इसरोद्ध एवं इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराईज़ेशन सेंटर ;इन.स्पेसद्ध के बीच मैमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के अंतर्गत शुरू किया गया है। एडब्लूएस में डायरेक्टर एयरोस्पेस एवं सैटेलाईट बिज़नेस क्लिंट क्रोज़ियर ने कहा कि एडब्लूएस ने लगातार चौथे साल स्पेस एक्सेलरेटर प्रोग्राम चलाया हैए लेकिन किसी देश के साथ गठबंधन में यह हमने पहली बार किया है। क्रोसियर ने कहा कि हम पहली बार देश पर केंद्रित स्पेस एक्सेलरेटर भारत में चला रहे हैं क्योंकि हमें भारत के स्पेस सेक्टर में वृद्धि की अपार संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। भारत में कई सारे नए स्पेस स्टार्टअप्स का गठन हो रहा है।

मर्सिडीज ने पहली छमाही और दूसरी तिमाही में तेजी दर्ज की

पुणे। भारत के सबसे डिज़ायरेबल लक्ज़री कार निर्माता, मर्सिडीज बेंज ने भारत में अपने ग्लोबल पोर्टफोलियो से दो आकर्षक बीईवी बैटरीइलेक्ट्रिक वाहन पेश किए। मर्सिडीज.बेंज ने पाँचसीटर कॉन्फिगरेशन में अपने बहुप्रतीक्षित इक्यूए 250 बीईवी और इक्यूबी 350 बीईवी पेश किए हैं। ये दोनों लग्जरी बीईवी मर्सिडीज.बेंज के बीईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करेंगे। इनमें ग्राहकों को ज्यादा रेंजए दैनिक उपयोग की व्यवहारिकताए ड्राइविंग का डायनामिक अनुभवए बेहतरीन कॉस्ट ऑफ़ओनरशिप और शानदार बाय.बैक मूल्य प्राप्त होगा। ये लक्ज़री बीईवी युवाओं और गतिशील परिवारों पर केंद्रित हैं, जो जल्दी ई.मोबिलिटी अपनाने वालेए ट्रेंडसेटर और पर्यावरण के प्रति अत्यधिक जागरूक होते हैं। मर्सिडीज बेंज द्वारा इन दो वाहनों के लॉन्च से भारत में इलेक्ट्रिक वाहन के लिए कंपनी का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रदर्शित होता है। कंपनी इस साल 6 विश्व स्तरीय उत्पादों के साथ एक मजबूत बीईवी पोर्टफोलियो पेश करने वाली है। मर्सिडीज बेंज का उद्देश्य 2024 के अंत तक हर सेगमेंट में एक बीईवी वाहन उतारना है, जिसकी शुरुआत इक्यूए 250 से हुई है 2024 की पहली छमाही की सेल 2024 में मर्सिडीज.बेंज की सेल के लिए भारत में अब तक की सबसे अच्छी पहली छमाही और सबसे अच्छी दूसरी तिमाही दर्ज हुई है। कंपनी की सेल मज़बूत बनी रही और भारतीय लक्ज़री कार बाजार का नेतृत्व करते हुए कंपनी ने पहली छमाही में अपने इतिहास की अब तक की सबसे अधिक सेल दर्ज की। जनवरी.जून 2024 की अवधि में 9साल.दर.साल वृद्धि के साथ मर्सिडीज.बेंज की रिकॉर्ड 9262 यूनिट्स बिकीं।

रूपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में राजद उम्मीदवार को पप्पू यादव का समर्थन

पटना। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने रूपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव मे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार बीमा भारती को पूर्ण समर्थन देने की सोमवार को घोषणा की।यादव ने हाल मे ही संपन्न लोकसभा चुनाव मे भारती को हराया था। यादव ने एक्स पर कहा, विचारधारा बड़ी चीज है, राजनीति मे आज यह विलुप्त हो रही है। लेकिन मै विचारधारा की राजनीति का वाहक हूं, मै कांग्रेस विचारधारा के साथ हूं। इसलिए मेरे प्रति तमाम निजी नफरत को खारिज करते हुए रूपौली विधानसभा क्षेत्र मे कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार को मेरा पूर्ण समर्थन है। पप्पू यादव ने लोकसभा चुनाव से पहले अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस मे विलय कर पार्टी टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी लेकिन राजद द्वारा बीमा भारती को चुनावी मैदान मे उतारने के बाद यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप मे चुनाव लड़ा था।लोकसभा चुनाव मे पराजय का सामना करने के बाद भारती फिर से राजद उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान मे है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को छोड़कर कुछ महीने पहले राजद मे शामिल होने वाली भारती ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर में राहत शिविरों का दौरा किया

● जातीय हिंसा के पीड़ितों से बातचीत की

भाषा। इंफाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और वहां रह रहे लोगों से बातचीत की। राज्य में पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचे गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं। कांग्रेस द्वारा राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने के बाद राहुल गांधी पहली बार यहां आए हैं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिंसा के बाद मणिपुर की उनकी (राहुल गांधी की) तीसरी यात्रा लोगों के मुद्दों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के कुछ हफ्ते बाद गांधी ने पहली बार मणिपुर का दौरा किया था। उन्होंने जनवरी 2024 में राज्य से अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी शुरू की थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सबसे पहले जिरीबाम उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि जिरीबाम के लोगों ने गांधी को अपने अनुभवों के बारे में बताया। मेघचंद्र ने कहा, उन्होंने यह भी पूछा कि उन्हें किस चीज की जरूरत है। एक लड़की ने राहुल गांधी से कहा कि न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री उनसे मिलने आए हैं। उसने गांधी से यह मामला संसद में उठाने का भी आग्रह किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिरीबाम में हजारों की संख्या में लोग गांधी का स्वागत करने आए और उनमें से कई लोग उनसे बात करते हुए रो पड़े।

2022-23 में 27 क्षेत्रों में रोजगार 3.31 प्रतिशत बढ़ाः आरबीआई आंकडे

भाषा। मुंबई

कृषि, व्यापार और वित्तीय सेवाओं सहित 27 क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की संख्या 2022-23 में सालाना आधार पर 3.31 प्रतिशत बढ़कर 59.66 करोड़ हो गई। सोमवार को प्रकाशित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इससे पहले 2021-22 के दौरान इन 27 क्षेत्रों में रोजगार 57.75 करोड़ था। आरबीआई ने अपनी वेबसाइट पर उद्योग स्तर पर उत्पादकता मापन - भारत केएलईएमएस आंकड़े शीर्षक के तहत ए आंकड़े प्रकाशित किए हैं। यहां केएलईएमएस का आशय पूंजी (के), श्रम (एल), ऊर्जा (ई) सामग्री (एम) और सेवा (एस) से है। आंकड़ों में संपूर्ण भारतीय अर्थव्यवस्था के 27 उद्योगों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक कृषि, शिकार, वानिकी और मछली क्षेत्र ने 25.3 करोड़ व्यक्तियों को रोजगार दिया था। यह आंकड़ा 2021-22 में 24.82 करोड़ था। इसके अलावा उल्लेखीय रोजगार देने वाले क्षेत्रों में निर्माण, व्यापार तथा परिवहन और भंडारण शामिल थे। आरबीआई ने कहा कि दस्तावेज भारत केएलईएमएस डेटाबेस संस्करण-2024 को आर्थिक वृद्धि और इसके प्रमुख क्षेत्रों में शोध को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

मराठवाड़ा में छह महीने में 430 किसानों ने आत्महत्या की

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में 2024 के पहले छह महीने में कुल 430 किसानों ने आत्महत्या की है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इनमें सबसे अधिक 101 मौतें बीड जिले में हुई हैं। बीड राज्य के कृषि मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता धनंजय मुंडे का गृह क्षेत्र है। अधिकारी ने कहा, "जून में बीड में 30 किसानों ने आत्महत्या की। बीड में आत्महत्या के 101 मामलों में से 46 मामले एक लाख रुपए की अनुग्रह राशि के पात्र थे, पांच मामले अयोग्य घोषित किए गए और 50 मामलों में विचार किया जा रहा है।

सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश के आरोपी ने की सिमी कार्यकर्ताओं के परिवारों की मदद : एटीएस

भोपाल (मप्र)। सुरक्षा बलों पर अकेले हमला करने की साजिश रचने के आरोप में खंडवा से गिरफ्तार एक मोटर मैकेनिक वर्ष 2016 में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए प्रतिबंधित स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के आठ कार्यकर्ताओं के परिवारों की कथित रूप से मदद कर रहा था। मध्यप्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।एटीएस ने इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) और इस्लामिक स्टेट (आईएस) की कट्टरपंथी विचारधारा से कथित तौर पर बेहद प्रभावित फैजान शेख को खंडवा से पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया था।सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील शहर का रहने वाला शेख पेशे से मोटर मैकेनिक है। एटीएस के महानिरीक्षक डॉ. आशीष ने पीटीआई-भाषा को बताया, "शेख, पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए सिमी कार्यकर्ताओं के परिवारों को एकजुट कर रहा था और उनकी मदद कर रहा था।

सीयूईटी-यूजीः कई अभ्यर्थियों ने उत्तर कुंजी में खामी का आरोप लगाया

भाषा। नई दिल्ली

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) में शामिल कई अभ्यर्थियों ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित उत्तर कुंजी में उत्तर गलत हैं। एनटीए द्वारा उत्तर कुंजी की घोषणा के एक दिन बाद ए दावे सामने आए। एजेंसी ने यह भी कहा कि अगर परीक्षा के संचालन के बारे में उनके द्वारा उठाई गई कोई शिकायत सही पाई जाती है तो वह 15 से 19 जुलाई तक सीयूईटी-यूजी के अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। उम्मीदवार अब 200 रुपए प्रति उत्तर का भुगतान करके नौ जुलाई शाम पांच बजे तक उत्तरों को ऑनलाइन चुनौती दे सकते हैं। एक अभ्यर्थी ऋषभ ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सर, मुझे सीयूईटी-यूजी उत्तर कुंजी में कई त्रुटियां मिलीं और मुझे पता है कि अगर मैं सभी त्रुटियों को चुनौती देता हूं (मुझे लगता है कि वे त्रुटियां हैं) तो इसका खर्च मेरे सीयूईटी आवेदन से कहीं अधिक होगा। एक अन्य अभ्यर्थी बिशाल भौमिक ने कहा, जब मैंने सीयूईटी-यूजी की उत्तर कुंजी के साथ अपनी भूगोल की ओएमआर शीट की जांच की, तो मैं चौंक गया। उत्तर कुंजी का 80 प्रतिशत हिस्सा गलत था। जब मैंने एनटीए द्वारा प्रदान की गई गलत उत्तर कुंजी के अनुरूप प्राप्त होने वाले अंक की गणना की, तो मुझे केवल 26 अंक मिले लेकिन वास्तव में मुझे 122 अंक मिलेंगे। एक अन्य उपयोगकर्ता ने एक्स पर लिखा, एनटीए की कुंजी

धनखड़ ने फिर साधा चिदंबरम पर निशाना

● कहा : सदन में आपका नहीं बोलना आपकी सहमति के समान

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तीन आपराधिक न्याय कानूनों पर टिप्पणियों को लेकर सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम पर नए सिरे से हमला किया और कहा कि कोई संसद सदस्य किसी विधेयक पर चर्चा में भाग नहीं लेकर सहमति जताता है। शनिवार के बाद से यह दूसरी बार है जब धनखड़ ने एक जुलाई को लागू हुए तीन आपराधिक न्याय कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर टिप्पणियों को लेकर चिदंबरम पर निशाना साधा है। यहां राज्यसभा प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने चिदंबरम का नाम लिए बिना कहा, उन्होंने सदन (राज्यसभा) में कुछ नहीं कहा। वह समिति (गृह संबंधी स्थाई संसदीय समिति) के सदस्य थे। धनखड़ ने कहा कि यदि कोई सदस्य समिति का हिस्सा है, समिति के समक्ष अपनी बात रखता है, समिति बहुमत के साथ विपरीत राय रखती है, तो उस सदस्य के पास सदन की कार्यवाही में भाग लेने और अपनी बात बताने और दूसरों को तर्क आदि से समझाने का बहुत अच्छा अवसर होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, अगर आप अपना संवैधानिक कर्तव्य अदा नहीं करते, यदि आप चर्चा में भाग नहीं लेते, अगर आप अपनी राय नहीं रखते। और फिर आप बाहर कुछ कहते हैं तो आपके पास बहुमूल्य अवसर था, संवैधानिक मंच था, एक दुर्लभ अवसर था जो केवल संसद सदस्यों के लिए उपलब्ध है, आप उस अवसर का लाभ उठाने में विफल रहते हैं, एक तरह से आप अपना अधिकार खो देते हैं। धनखड़ ने कहा, आप भाग नहीं लेकर, चुप्पी साधकर अपनी सहमति जताते हैं। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही में भाग नहीं लेना और बाहर बयान देना सही नहीं है। धनखड़ ने शनिवार को कांग्रेस नेता चिदंबरम पर उनकी इस टिप्पणी के लिए निशाना साधा था कि तीन नए आपराधिक कानून अकुशल लोगों ने तैयार किए। धनखड़ ने इसे अक्षम्य करार दिया और कांग्रेस नेता से इस आपत्तिजनक और मानहानिकारक कथन को वापस लेने का अनुरोध किया।

कीव में रूस ने दागीं मिसाइलें, 31 लोगों की मौत

भाषा। कीव

रूस ने राजधानी कीव समेत यूक्रेन के विभिन्न स्थानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और 154 लोग घायल हुए हैं। रूसी हमले में बच्चों के एक अस्पताल की इमारत को भी व्यापक रूप से नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक बयान में कहा कि रूसी बमबारी ने पांच यूक्रेनी शहरों को विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे रिहाइशी इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए। क्रीवीं रीह में नगर प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विल्कुल ने कहा कि यह एक बड़े पैमाने पर किया गया मिसाइल हमला था, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 47 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यूक्रेन के मध्य द्निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में भी विस्फोट की सूचना दी है। अधिकारियों ने बताया कि राहतकर्मी कीव के ओखमाटडिट बाल अस्पताल की आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे से लोगों की तलाश में जुटे हैं। मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों के अस्पताल की दो मंजिला इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई। अस्पताल की मुख्य 10 मंजिला इमारत की खिड़कियां और दरवाजे उखड़ गए और दीवारें काली पड़ गईं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि दुनिया अब इस बारे में चुप न रहे और सभी को यह देखना चाहिए कि रूस क्या कर रहा है। यह हमला अमेरिका में तीन दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर हुआ है। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि किस प्रकार यूक्रेन को गठबंधन के अटूट समर्थन का भरोसा दिलाया जाए तथा यूक्रेनवासियों को यह आशा प्रदान की जाए कि उनका देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से उबर सकता है। यह पिछले कई महीनों में कीव पर सबसे बड़ी बमबारी थी। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि दिन के उजाले में किए गए हमलों में किंजल हाइपरसोनिक प्रक्षेपास्त्र शामिल थे, जो सबसे उन्नत रूसी हथियारों में से एक है। किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ता है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। विस्फोटों से शहर की इमारतें हिल गईं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने कहा कि उसे घटनास्थल पर रूसी केएच-101 क्रूज मिसाइल का मलबा मिला है और उसने युद्ध अपराध के आरोपों पर कार्यवाही शुरू कर दी है। यूक्रेन ने कहा कि उसने सोमवार को दागी गईं 13 एच-101 मिसाइलों में से 11 को नष्ट कर दिया।

विदेशी अनुसंधान पोतों से प्रतिबंध हटाने का कोई निर्णय नहीं: श्रीलंका के विदेश मंत्री

कोलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने सोमवार को कहा कि श्रीलंका सरकार ने द्वीप राष्ट्र के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में विदेशी वैज्ञानिक अनुसंधान सर्वेक्षण पोतों को प्रवेश देने पर रोक को समाप्त करने का निर्णय नहीं लिया है। मंत्री का स्पष्टीकरण जापानी मीडिया की उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि श्रीलंका ने अगले वर्ष से विदेशी अनुसंधान जहाजों पर प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है। यह प्रतिबंध उन्नत तकनीक वाले चीनी निगरानी जहाजों के बार-बार लंगर डालने के अनुरोधों के बाद भारत और अमेरिका द्वारा सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंता जताए जाने के बाद लगाया गया था। खबर में कहा गया है कि दौरे पर आए श्रीलंका के विदेश मंत्री साबरी ने एनएचके वर्ल्ड जापान को स्थिति में बदलाव की जानकारी दी। अखबार द मॉर्निंग के मुताबिक, साबरी ने सोमवार को इन खबरों का खंडन किया और कहा कि श्रीलंका द्वारा द्वीप राष्ट्र के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में विदेशी वैज्ञानिक अनुसंधान सर्वेक्षण पोतों को अनुमति देने पर लगा प्रतिबंध हटाने की खबर को गलत तरीके से पेश किया गया है। श्रीलंका ने 2024 में यह प्रतिबंध लागू किया है मंत्री ने कहा,"हम साल के अंत में स्थिति का आकलन करेंगे और फिर तय करेंगे कि स्थगन जारी रखना है या इसे हटाना है। हिंद महासागर में चीनी अनुसंधान जहाजों की बढ़ती आवाजाही पर नई दिल्ली ने चिंता व्यक्त करते हुए इनके जासूसी जहाज होने का अंदेशा जताया था और कोलंबो से आग्रह किया था कि वह ऐसे जहाजों को अपने बंदरगाहों पर न आने दे। भारत द्वारा चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने जनवरी में अपने बंदरगाह पर विदेशी अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस साल की शुरुआत में एक चीनी जहाज के लिए हालांकि छूट दी गई थी।

भारतीय मूल की नौ वर्षीय लड़की ने गायन से अमेरिकी दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल की नौ वर्षीय लड़की अपनी गायन प्रतिभा से अमेरिकी दर्शकों को प्रभावित कर रही है और एक लोकप्रिय कार्यक्रम में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उसकी काफी प्रशंसा हो रही है। फ्लोरिडा की प्रनिस्का मिश्रा ने पिछले सप्ताह टीवी कार्यक्रम अमेरिकाज गॉट टैलेंट में टीना टर्नर का क्लासिक गाना "रिवर डीप, माउंटेन हाई" गाकर तहलका मचा दिया। इस गाने की दमदार प्रस्तुति ने शो के जज साइमन कॉवेल और हेदी क्लम को बेहद प्रभावित किया। बिलबोर्ड डॉट कॉम की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन के लिए मिश्रा को प्रतिष्ठित गोल्डन बजर से सम्मानित किया गया। मिश्रा के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया हैमुझे हमेशा से ही गाना पसंद है। इससे मुझे खुशी मिलती है।

वीवो दुनिया में वाई सीरीज पर करेगा फोकस

ग्लोबल। इनोवेटिव ग्लोबल स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने भारत में वाई28एस और वाई28ई लॉन्च कर अपनी वाई सीरीज के पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। शानदार डिजाइन के साथ सेंसिबिलिटी को लाते हुए स्मार्टफोन मीडिया टेक डिमनसिटी 6100 5जी प्रोसेसर और 5000 एमएएच की दमदार बैटरी से लैस हैं जो यूज़र को निर्बाध उपयोग और एक शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। वीवो इंडिया की कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी हेड गीताज चन्नाना ने कहा कि हमें अपनी वाई सीरीज लाइनअप में लेटेस्ट एडिशन वाई28एस और वाई28इ स्मार्टफोन किए जाने की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। ल् सीरीज अपने शानदार डिजाइन और असाधारण कैमरा प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैए जिसे युवा और तकनीक.प्रेमी उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार किया गया है। ये दोनों स्मार्टफोन ग्राहक के इनोवेशन को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। बेहतर कैमरा प्रदर्शनए शानदार डिजाइन और टॉप परफॉर्मेंस के साथए हमें विश्वास है कि वाई28एस और वाई28इ हमारे यूजर्स की मूलभूत जरूरतों को पूरा करेंगे। इनकी कीमत 10 हजार उपर है।

मुहर्रम के दौरान पूरे पाकिस्तान में होगी सेना की तैनाती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने शिया रैलियों पर आतंकवादी समूहों के हमलों की आशंका के बीच मुहर्म के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे देश में सेना तैनात करने का सोमवार को फैसला किया। इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना मुहर्म सोमवार से शुरू हो गया। शिया मुसलमान इस्लाम के पैगंबर के नाती हुसैन इब्न अली की शहादत की याद में महीने के पहले दस दिनों के दौरान जुलूस निकालते है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने प्रांतों के अनुरोध के बाद नियमित सेना की टुकड़ियों को तैनात करने का फैसला किया। मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सेना की तैनाती अनिश्चितकाल तक लागू रहेगी और इसका विवरण गिलगित बाल्टिस्तान, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और इस्लामाबाद सहित संबंधित प्रांतों के अधिकारियों के साथ अंतिम रूप दिया जाएगा।

इंडोनेशिया में सोने की अवैध खदान में भूस्खलन के कारण 12 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण सोने की एक अवैध खदान के ढहने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गोरोंटालो प्रांत के खोज एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि इस प्रांत के दूरस्थ बोन बोलांगो में एक सोने की खदान में रविवार को करीब 100 ग्रामीण खुदाई कर रहे थे तभी आसपास की पहाड़ियों से कई टन मिट्टी गिरी जिससे उनके अस्थाई शिविर दब गए। उन्होंने बताया कि मलबे से 44 लोग किसी तरह से बाहर निकल आए तथा कुछ को बचावकर्ताओं ने जीवित बाहर निकाल लिया जिनमें छह घायल शामिल है।

बाइडन का राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ने से इनकार, डेमोक्रेट नाटक समाप्त करे

भाषा। वाशिंगटन

राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेट सांसदों को लिखे एक पत्र में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ने से इनकार किया। साथ ही पार्टी के भीतर चल रहे उस नाटक को समाप्त करने का आह्वान किया, जिसने डेमोक्रेट नेताओं को इस बात पर विभाजित कर दिया है कि बाइडन को दौड़ में बने रहना चाहिए या नहीं। बाइडन ने सोमवार को दो पन्नों के पत्र में लिखा, आगे कैसे बढ़ना है, यह सवाल पिछले एक सप्ताह से खूब चर्चा में है और अब इसे खत्म करने का समय आ गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का एक ही काम है कि नवंबर में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हराया जाए। बाइडन ने पत्र में कहा कि आम चुनाव में 119 दिन बाकी हैं। उन्होंने कहा, कमजोर संकल्प या आगे के अभियान के बारे में स्पष्टता की कमी से सिर्फ ट्रंप को मदद मिलेगी और हमें नुकसान होगा। अब समय आ गया है कि हम एकसाथ आएं, एक एकीकृत पार्टी के तौर पर आगे बढ़ें और डोनाल्ड ट्रंप को हराएं। राष्ट्रपति जो बाइडन की उम्मीदवारी को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी में मतभेद गहरे हो रहे हैं तथा इस बात को लेकर कई सांसद मुखर हो रहे हैं कि बाइडन को राष्ट्रपति उम्मीदवार की दौड़ से हट जाना चाहिए। दूसरी तरफ, बाइडन के कुछ सबसे कट्टर समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि ट्रंप को हराने के लिए बाइडन से बेहतर कोई अन्य उम्मीदवार नहीं है।

इजराइली सैनिकों ने गाजा सिटी में अपना अभियान तेज किया

भाषा। दीर-अल-बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइली सैनिकों ने गाजा पट्टी के सबसे बड़े शहर में अपना अभियान तेज कर दिया, जिसका मकसद चरमपंथियों का सफाया करना बताया जा रहा है। इजराइली सैनिकों द्वारा गाजा सिटी में अभियान में तेजी लाए जाने के चलते सोमवार को हजारों फलस्तीनी उस इलाके से पलायन कर रहे हैं, जिसने हफ्ते की शुरूआत में हमलों को झेला था। नौ माह से जारी युद्ध के कारण गाजा सिटी पहले ही तबाह हो चुका है। इजराइली सेना ने कहा कि इस इलाके पर उसने महीनों पहले कब्जा कर लिया था लेकिन वहां के कुछ हिस्सों में चरमपंथी फिर से सिर उठा रहे हैं। युद्ध के दौरान गोलाबारी होने के बावजूद हजारों लोग इलाके में अब भी रह रहे हैं। गाजा सिटी के पड़ोस में स्थित दराज में अपने रिश्तेदार के घर तीन बच्चों के साथ रह रही सैयदा अब्देल-बाकी ने कहा, भारी गोलाबारी के बीच रात के अंधेरे में हम भाग निकले। मैं पांचवीं बार विस्थापित होने पर यहां पहुंची हूं। स्थानीय बाशिंदों के अनुसार, इलाके में गोलाबारी और हवाई हमले हुए। हालांकि, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हताहतों की संख्या अभी नहीं बताई है। हमास संचालित सिविल डिफेंस ने भी अभी हताहतों की संख्या नहीं बताई और कहा कि तेज झड़पें होने के चलते इलाके में पहुंच पाना मुश्किल है। नौ महीनों से जारी युद्ध खत्म करने के लिए राजनयिक प्रयास बढ़ाए जाने के बीच गाजा में लोगों को अपनी स्थिति में सुधार आने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही। इजराइली सेना ने कहा कि उसने हमास और इस्लामी जिहादी समूहों की इलाके में मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद हमले शुरू किए हैं।

ब्रिटेन के चुनाव में हार के बाद ऋषि सुनक ने पूर्व सांसदों से खेद जताया

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ने पिछले सप्ताह हुए आम चुनाव मे कंजर्वेटिव पार्टी के पराजित उम्मीदवारों को सप्ताहांत पर कॉल कर पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए खेद जताया। कंजर्वेटिव पार्टी हाउस कॉमन्स मे सिर्फ 121 सीट जीत सकी है। कई पूर्व सांसदो ने द डेली टेलीग्राफ को ब्रिटिश भारतीय सांसद से आए "बहुत सहानुभूतिपूर्ण कॉल" के बारे में बताया। सुनक ने यॉर्कशायर में रिचमंड और नॉर्थलेरटन की अपनी सीट जीती है और पार्टी द्वारा उनके उत्तराधिकारी का चयन किए जाने तक वह विपक्ष के नेता बने रहेंगे।पार्टी के एक पराजित उम्मीदवार ने कहा, उन्होंने शनिवार की रात मुझे फोन करने के लिए समय निकाला और मुझे लगता है कि उन्होंने अन्य सांसदो को भी फोन करने के लिए समय निकाला है। वह यह कहने के लिए फोन कर रहे थे कि उन्हें बेहद खेद है कि मै अपनी सीट हार गया हूं। सुनक ने पिछले सप्ताह अपने भाषण मे कहा कि कंजर्वेटिव उम्मीदवारों और प्रचारकों ने अथक परिश्रम किया लेकिन उन्हे सफलता नही मिली। उन्होंने कहा, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासो के अनुरूप परिणाम नही दे सके। इस बीच, नए प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर ने अपने कार्यकाल का पहला सप्ताहांत ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सो की यात्रा मे बिताया।

न्यायालय ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल को कैदियों के परिवारों की शिकायतें दूर करने को कहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अटॉर्नी जनरल मंसूर अवान को आदेश दिया कि वह नौ मई को हुए दंगों के संदिग्धों के परिवारों की चिंताओं और शिकायतों को दूर करें जिन्होंने कहा है कि वे कैदियो से नही मिल पा रहे है। जियो न्यूज की खब के अनुसार, सात सदस्ईय पीठ का यह आदेश पिछले साल नौ मई की हिंसा मे शामिल नागरिकों की सैन्य अदालतों में सुनवाई के खिलाफ दायर अंतर-अदालती याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आया। वर्ष 2023 मे 9-10 मई की घटनाओ से आशय कथित भ्रष्टाचार के मामले मे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद देश के विभिन्न हिस्सो मे हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन से है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने सरकारी और सैन्य प्रतिष्ठानो पर हमला किया और तोड़फोड़ की। इसके बाद, सैन्य अदालतो मे दंगाइयो से जुड़े मुकदमो की सुनवाई शुरू हुई। आदेश मे कहा गया, परिवारो ने कहा है कि वे कैदियो से नही मिल पा रहे है। अटॉर्नी जनरल को इन शिकायतो का समाधान करना चाहिए। इसके बाद अदालत ने सुनवाई 11 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। छह सदस्ईय पीठ के खिलाफ आपत्ति जताए जाने के बाद शीर्ष अदालत ने मई मे मामले को पीठ के पुनर्गठन के लिए प्रक्रिया समिति के पास भेज दिया था।

प्रतिबंधित जमात-उद-दावा की नई शाखा ने पाकिस्तान में राजनीतिक गतिविधियां फिर शुरू की

लाहौर। मुंबई आतंकवादी हमलो के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा (जेयूडी) की राजनीतिक शाखा ने करीब पांच महीने के अंतराल के बाद यहां पंजाब प्रांत में प्रदर्शन कर पाकिस्तान मे अपनी राजनीतिक गतिविधियां फिर से शुरू कर दी है। सईद के प्रतिबंधित समूहो का नया चेहरा माने जाने वाले पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) ने शुक्रवार को लाहौर में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार के खिलाफ महंगाई और बिजली व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को तबियाह कय्यूम और मुजम्मिल इकबाल हाशमी ने संबोधित किया, जिन्हे 2018 मे अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादियो की सूची मे शामिल किया था। इस बीच, पंजाब में मरयम नवाज के नेतृत्व वाली सरकार ने लाहौर में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 144 के तहत चार या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को जेल में बंद अपने नेता (खान) की रिहाई के लिए कोई विरोध प्रदर्शन करने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू की गई है। माना जा रहा है कि पीएमएमएल, जेल में बंद हाफिज सईद के प्रतिबंधित समूहों का नया चेहरा है। इस संगठन ने फरवरी 2024 के आम चुनावों में हिस्सा लिया था। पाकिस्तान के विभिन्न शहरों से इस संगठन द्वारा नामित कुछ उम्मीदवार या तो सईद के रिश्तेदार है या अतीत मे प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी) या मिल्ली मुस्लिम लीग (एमएमएल) से जुड़े रहे है।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री हमले के बाद पहली बार राजधानी से बाहर निकले

ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया)। स्लोवाकिया के लोकप्रिय प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने उन पर हुए विफल हमले और अपना कार्यभार संभालने के बाद सोमवार को पहली बार राजधानी से बाहर यात्रा की। फिको ने कृषि मंत्री रिचर्ड ताकाक के साथ राजधानी ब्रातिस्लावा के उत्तर-पूर्व मे स्लोवेन्स्का नोवा वेस में एक खेत का दौरा किया और फसल का निरीक्षण किया। वह छड़ी का सहारा लेकर चल रहे थे और उन्होने मीडिया के किसी सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नही दी।15 मई को हुए हमले से उबरने के बाद यह राजधानी के बाहर उनकी पहली आधिकारिक यात्रा थी। राजधानी से 140 किलोमीटर उत्तर-पूर्व मे हण्डलोवा शहर मे समर्थकों का अभिवादन करते समय उनके पेट मे गोली मारी गई थी।हत्या के प्रयास के बाद फीको पहली बार शुक्रवार को सार्वजनिक रूप से सामने आए थे और उन्होने राष्ट्रीय अवकाश के दिन भाषण दिया था।

सिंगापुर ने 16 कीड़ों को मानव भोजन के रूप में इस्तेमाल करने की मंजूरी दी

सिंगापुर। सिंगापुर के खाद्य नियामक ने मनुष्यों के भोजन के रूप में झींगुर, टिड्डे और टिड्डियों जैसे कीड़ो की लगभग 16 प्रजातियो के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। द स्ट्रेट्स टाइम्स समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, यह बहुप्रतीक्षित घोषणा उद्योग जगत के उन कारोबारियो के लिए खुशखबरी है जो चीन, थाईलैंड और वियतनाम मे मिलने वाले कीड़ों की सिंगापुर में आपूर्ति और खानपान का कारोबार करते है। भोजन के लिए स्वीकृत कीड़ो मे झींगुर, टिड्डे, टिड्डियां, मीलवर्म (भोजनकृमि) और रेशमकीट की विभिन्न प्रजातियां शामिल है। सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने कहा कि जो लोग मानव उपभोग या पशुधन के चारे के लिए कीड़ों का आयात या पालन करना चाहते है, उन्हें एसएफए के दिशानिर्देशो का पालन करना होगा। इन दिशानिर्देशो के तहत, इस बात का दस्तावेजी सबूत मुहैया कराना अनिवार्य है कि आयातित कीड़ों का खाद्य सुरक्षा नियंत्रण से संबंधित विनियमित प्रतिष्ठानो मे पालन किया गया और इन्हें जंगलो से नही लाया गया। एजेंसी ने कहा कि जो कीड़े एसएफए की 16 कीटो की सूची मे नही है, उन्हे यह सुनिश्चित करने के लिए आकलन से गुजरना होगा कि वे उपभोग के लिए सुरक्षित है।

चिनफिंग ने रूस, यूक्रेन के बीच सीधा संवाद शुरू कराने में मदद का आह्वान किया

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से मुलाकात के दौरान वैश्विक महाशक्तियो से सीधा संवाद बहाल करने मे रूस और यूक्रेन की मदद करने का आह्वान किया। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने यह जानकारी दी।ओरबान पिछले सप्ताह रूस और यूक्रेन की यात्रा करने के बाद अचानक चीन पहुंचे। वह यूक्रेन मे शांति समझौते की संभावनाओ पर चर्चा करने के लिए ए यात्राएं कर रहे है।सीसीटीवी के अनुसार, ओरबान ने शांति के लिए चीन की पहल की तारीफ करते हुए उसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण बताया तथा उसे वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिरता लाने वाली ताकत करार दिया।ओरबान ने फेसबुक पर एक पोस्ट मे कहा कि रूस और यूक्रेन के अलावा युद्ध खत्म होना तीन वैश्विक महाशक्तियो... अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन के निर्णय पर निर्भर करता है। उन्होंने शी चिनफिंग से हाथ मिलाते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की।शी से ओरबान की दो महीने पहले भी मुलाकात हुई थी जब चीन के राष्ट्रपति यूरोप के तीन देशो की अपनी यात्रा के दौरान हंगरी पहुंचे थे।

मैक्रों ने चुनाव के बाद देश की स्थिरता के लिए प्रधानमंत्री को बरकरार रखा

भाषा। पेरिस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चुनाव परिणाम के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री गैब्रियल अटल के इस्तीफे से इनकार करते हुए उन्हें अस्थाई रूप से सरकार के प्रमुख के रूप में बने रहने के लिए कहा। इस चुनाव परिणाम के बाद सरकार का भविष्य अधर में है। फ्रांस में कोई भी पार्टी (वाम, मध्यमार्ग या दक्षिणपंथ समर्थक) सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत के नजदीक भी नहीं पहुंच पाई है। रविवार को हुए मतदान के नतीजों से यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के ठप होने का खतरा बढ़ गया है। मैक्रों ने दांव खेला कि समय पूर्व चुनाव कराने के उनके फैसले से फ्रांस को एक स्पष्ट दिशा मिलेगी, लेकिन परिणाम बिल्कुल विपरीत आया। पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में तीन हफ्ते से कम समय बचा है जब पूरा देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहेगा। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को बड़ी हार मिलने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समय से पहले संसद भंग कर दी। फ्रांस का मुख्य शेयर सूचकांक गिरावट के साथ खुला पर जल्द ही इसमें सुधार दिखा, यह संभवतः बाजार के इस डर के कारण था कि वाम या दक्षिणपंथी गठबंधन की निर्णायक जीत हो सकती है। प्रधानमंत्री गैब्रियल अटल ने कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो वह पद पर बने रहेंगे लेकिन सोमवार सुबह उन्होंने अपने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन मैक्रों ने तुरंत उनसे देश की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पद पर बने रहने के लिए कहा। मैक्रों के शीर्ष राजनीतिक सहयोगी राष्ट्रपति भवन में अटल के साथ बैठक में शामिल हुए। अटल ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह अचानक चुनाव कराने के मैक्रों के फैसले से असहमत थे। दो दौर के मतदान के बाद आए नतीजों में पहले स्थान पर रहे वामपंथी गठबंधन, दूसरे स्थान पर रहे मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन या धुर दक्षिणपंथी गठबंधन में से किसी को भी सरकार बनाने का कोई स्पष्ट जनादेश नहीं मिला है। गंभीरता से बातचीत शुरू करने के लिए नेशनल असेंबली में नवनिर्वाचित और सीट बरकरार रखने वाले सांसदों के एकत्र होने की उम्मीद थी। मैक्रों स्वयं इस सप्ताह के अंत में वाशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना होंगे। फ्रांस में राजनीतिक गतिरोध का यूक्रेन में युद्ध, वैश्विक कूटनीति और यूरोप की आर्थिक स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है।

पाक के पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी लाहौर जेल स्थानांतरित किए गए, अदालत में पेश होंगे

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी एवं विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को सोमवार को रावलपिंडी की अडियाला जेल से लाहौर की कोट लखपत जेल भेज दिया गया। सोमवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। कुरैशी को पिछले साल नौ मई को हुए दंगों के सिलसिले में आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) में पेश किया जाना है। जेल में बंद खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता कुरैशी के खिलाफ नौ मई की हिंसा से जुड़े कई मामले लाहौर में दर्ज हैं। जियो न्यूज ने जेल सूत्रों के हवाले से बताया कि कुरैशी (68) को सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच लाहौर स्थानांतरित किया गया, जहां उन्हें कोट लखपत जेल में गठित आतंकवाद रोधी अदालत में पेश किया जाएगा। वकील तैमूर मलिक ने इस बात की पुष्टि की है कि एटीसी लाहौर के न्यायाधीश कोट लखपत जेल में नौ मई के मामलों की सुनवाई करेंगे और खान की पार्टी के नेता कुरैशी सोमवार को अदालत में पेश होंगे। देश के शासकीय गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने को लेकर खान और पूर्व विदेश मंत्री को पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा 10 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद से कुरैशी जेल में हैं। शासकीय गोपनीयता कानून के उल्लंघन का यह मामला खान के सत्ता में रहने के दौरान का है। हालांकि, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने तीन जून को खान और कुरैशी को इस मामले में बरी कर दिया और उनकी 10 साल जेल की सजा निलंबित कर दी।

अमेरिका : कैलिफोर्निया की डेथ वैली में पारा 53 डिग्री सेल्सियस के पार, पर्यटक की मौत

लॉस एंजिलिस। अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित डेथ वैली नेशनल पार्क में रविवार को तापमान 53.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भीषण गर्मी के कारण डेथ वैली पहुंचे एक पर्यटक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।पार्क प्रबंधन ने एक बयान जारी कर बताया कि दोनों पर्यटक छह युवकों के एक समूह का हिस्सा थे, जो मोटरसाइकिल से बैडवाटर बेसिन क्षेत्र से गुजर रहा था। बयान में कहा गया है, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरे मोटरसाइकिल चालक को गंभीर तापघात के कारण लास वेगास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बयान के मुताबिक, समूह के चार अन्य सदस्यों का मौके ही इलाज किया गया।पार्क के अधिकारी माइक रेनॉल्ड्स ने कहा, इस तरह की भीषण गर्मी आपके स्वास्थ्य के लिए वाकई खतरा पैदा कर सकती है। भीषण गर्मी से मौत का यह मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिका में तापमान ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

लोगों को एक दिन स्वस्थ बच्चा पैदा करने में मदद कर सकता है

भाषा। सिडनी

माइटोकॉन्ड्रिया कोशिकाओं में छोटी संरचनाएं होती हैं, जो हमारे द्वारा खाए गए भोजन को हमारी कोशिकाओं को कार्य करने के लिए आवश्यक ऊर्जा में परिवर्तित करती हैं। माइटोकॉन्ड्रियल रोग (या संक्षेप में माइटो) में ऐसी स्थितियां होती है, जो अंगों को ठीक से काम करने के लिए जरूरी ऊर्जा को उत्पन्न करने की क्षमता को प्रभावित करता है। माइटो के कई अलग-अलग रूप हैं और रूप के आधार पर, यह एक या अधिक अंगों को बाधित कर सकता है और अंग विफलता का कारण बन सकता है।माइटो का कोई इलाज नहीं है. लेकिन माइटोकॉन्ड्रियल डोनेशन नामक आईवीएफ प्रक्रिया अब माइटो के कुछ रूपों से प्रभावित परिवारों को आशा प्रदान करती है कि वे आनुवंशिक रूप से संगद्ध माइटो से मुक्त बच्चे पैदा कर सकते हैं।2022 में ऑस्ट्रेलिया में माइटोकॉन्ड्रियल दान की अनुमति देने वाला कानून पारित होने के बाद, वैज्ञानिक अब यह देखने के लिए नैदानिक परीक्षण की तैयारी कर रहे हैं कि क्या माइटोकॉन्ड्रियल दान सुरक्षित है और काम करता है।माइटोकॉन्ड्रियल रोग क्या है?-माइटोकॉन्ड्रियल रोग दो प्रकार के होते हैं।एक परमाणु डीएनए में दोषपूर्ण जीन के कारण होता है, वह डीएनए जो हमें अपने माता-पिता दोनों से विरासत में मिलता है और जो हमें बनाता है कि हम कौन हैं।दूसरा माइटोकॉन्ड्रिया के स्वयं के डीएनए में दोषपूर्ण जीन के कारण होता है। दोषपूर्ण माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए के कारण होने वाला माइटो माँ के माध्यम से पारित हो जाता है। लेकिन बीमारी का खतरा अप्रत्याशित है, इसलिए जो मां केवल मामूली रूप से प्रभावित होती है उसके बच्चे में गंभीर बीमारी के लक्षण विकसित हो सकते हैं।माइटोकॉन्ड्रियल रोग विरासत में मिलने वाली चयापचय की सबसे आम स्थिति है जो 5,000 लोगों में से एक को प्रभावित करती है।कुछ लोगों में हल्के लक्षण होते हैं जो धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जबकि अन्य में गंभीर लक्षण होते हैं जो तेजी से बढ़ते हैं। माइटो किसी भी अंग को प्रभावित कर सकता है, लेकिन जिन अंगों को बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है जैसे मस्तिष्क, मांसपेशियां और हृदय, वे अन्य अंगों की तुलना में अधिक प्रभावित होते हैं।बचपन में प्रकट होने वाला माइटो अक्सर कई अंगों को शामिल करता है, तेजी से प्रगति करता है और इसके परिणाम खराब होते हैं।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे : त्वचा को दें अंदर से पोषण

अपनी त्वचा को सेहतमंद बनाये रखने के लिये सिर्फबाहरी देखभाल ही काफी नहीं है, बल्कि हर दिन स्वच्छ एवं संतुलित आहार लेना आवश्यक है, जिसमें बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ भी मौजूद होने चाहिये। 15 जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर बादाम हमारी त्वचा पर जादुई असर दिखाता है। रोजाना बादाम खाने से त्वचा की संरचना एवं टोन बेहतर होती जाती है। रोजाना सिर्फमुट्ठी भर बादाम को अपनी डेली रूटीन में शामिल करने से कई फायदे मिल सकते हैंए जिनमें हमारी त्वचा में निखार आना और उनमें सेहतमंद सुधार होना शामिल है। हर साल 8 जुलाई को वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे मनाया जाता है। इस बार इस महत्वपूर्ण अवसर पर आईये त्वचा की बाहरी देखभान से आगे बढ़कर स्किन हेल्थ को अंदर से पोषित करने पर ध्यान केन्द्रित करें। स्किन एक्सपर्ट और कॉस्मेटोलॉजिस्ट गीतिका मित्तल गुप्ता ने कहा कि वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे पर,आईये हमारे शरीर के प्राथमिक सुरक्षा कवच के रूप में त्वचा की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान दें। पर्याप्त नींद लेना, सेहतमंद आहार, सनब्लॉक का इस्तेमाल और ऐक्टिव बने रहने जैसी सामान्य आदतों को अपनायें और त्वचा की सेहत सुधारें। मेरा मानना है कि प्रोटीन, हेल्दी फैट्स और विटामिन से भरपूर एक बैलेंस्ड डाइट को अपनाना बेहद जरूरी है ताकि त्वचा की सेहत को बरकरार रखा जा सके। अपने दैनिक आहार में बादाम को शामिल करें। क्योंकि इनमें प्रोटीनए विटामिन ई जिंक और कॉपर जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं, स्किन अच्छी सेहत के लिये जरूरी हैं। वास्तव मेंए बादाम का नियमित सेवन त्वचा को न्टठ किरणों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने और त्वचा की बनावट में सुधार करने में भी मदद कर सकता है।

पेरिस ओलंपिक में भारत के मिशन प्रमुख होंगे नारंग

● सिंधू महिला ध्वजवाहक

भाषा। नई दिल्ली

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के मिशन प्रमुख के रूप में मुक्केबाज मेरीकोम की जगह ली। पेरिस खेलों के उद्घाटन समारोह में दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू भारत की महिला ध्वजवाहक होंगी।भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बताया कि मेरीकोम के इस्तीफे के बाद उप मिशन प्रमुख नारंग को मिशन प्रमुख बनाया जाना स्वत: पसंद थी। उषा ने विज्ञप्ति में कहा, मैं अपने दल की अगुआई के लिए ओलंपिक पदक विजेता को ढूंढ रही थी और मेरे युवा साथी मेरीकोम के उपयुक्त विकल्प हैं। पीटीआई ने इससे पहले खबर दी थी कि नारंग भारतीय दल का मिशन प्रमुख बनने की दौड़ में शामिल हैं। उषा ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की एकमात्र महिला खिलाड़ी पीवी सिंधू उद्घाटन समारोह में टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरत कमल के साथ महिला ध्वजवाहक होंगी। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। छह बार की विश्व चैम्पियन मेरीकोम ने अप्रैल में पद से यह कहकर इस्तीफा दे दिया था कि निजी कारणों से उनके पास इसके अलावा कोई चारा नहीं है। मिशन प्रमुख महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद है। मिशन प्रमुख खिलाड़ियों की जरूरतों का ध्यान रखने के साथ आयोजन समिति के साथ संपर्क सूत्र का भी काम करता है। सिंधू उद्घाटन समारोह में टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल के साथ भारत की ध्वजवाहक होंगी। आईओसी ने 2020 में प्रोटोकॉल में बदलाव करके एक देश से एक महिला और एक पुरूष खिलाड़ी को संयुक्त रूप से ध्वजवाहक बनने की अनुमति दी थी। तोक्यो ओलंपिक में मेरीकोम और भारतीय हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह ध्वजवाहक थे।

हार नहीं माननी है और अंत तक लड़ना है, टी20 विश्व कप जीत बनी हॉकी दिग्गज श्रीजेश की प्रेरणा

बेंगलुरू। अंत तक हार नही माननी है और लड़ते रहना है , भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप मे खिताबी जीत ने अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को भी प्रेरित किया है जो इसे पेरिस मे याद रखेंगे। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के रोमांचक फाइनल मे हार की कगार पर पहुंचने के बाद हराया और 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीता। श्रीजेश ने भाषा को दिए इंटरव्यू मे कहा , मैने फाइनल मैच देखा था। मैने इससे सबसे बड़ी सीख ली है कि आखिरी गेंद से पहले जश्न नही मनाना है। दक्षिण अफ्रीका 15वें ओवर तक आसानी से जीत रहा था लेकिन भारतीय टीम ने उम्मीद नही छोड़ी और हार की कगार पर पहुंचकर जीत दर्ज की। भारत के लिए 328 मैच खेल चुके 36 वर्ष के इस दिग्गज ने कहा , इससे हमे ही नही बल्कि ओलंपिक जाने वाले हर खिलाड़ी को सीखना चाहिए। हार नही माननी है, इंतजार करना है और अंतिम समय तक डटे रहना है, जीत जरूर मिलेगी। मै इसे ओलंपिक मे याद रखूंगा।

ओलंपिक से पहले स्विटजरलैंड रवाना भारतीय हॉकी टीम

बेंगलुरू। भारतीय पुरूष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक से पहले स्विटजरलैंड मे मशहूर माइक हार्न्स बेस के लिए रवाना हो गई जिसके बाद नीदरलैंड मे एक अभ्यास शिविर में भाग लेगी। स्विटजरलैंड मे तीन दिवसीय शिविर खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगाया गया है। इसके बाद टीम नीदरलैंड मे अभ्यास मैच खेलेगी और फिर पेरिस रवाना होगी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक से पहले आगामी अनुभव टीम को मानसिक और शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति मे रखने के लिए काफी उपयोगी होंगे। उन्होने कहा , हमने अभी बेंगलुरू मे दो सप्ताह का शिविर खत्म किया है। अब स्विटजरलैंड मे माइक हॉर्न जा रहे है जो साहसिक गतिविधियो का केंद्र है। इसके बाद टीम नीदरलैंड और मलेशिया से अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम 20 जुलाई को पेरिस पहुंचेगी।

मौजूदा दौर के खिलाड़ी कमजोर दिल के नहीं है: बिंद्रा

भाषा। नई दिल्ली

भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के कमजोर दिल वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।बीजिंग ओलंपिक (2008) में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर फ्रांस के दूतावास और इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई) के साथ आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूँ जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते है। ए खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा। बिंद्रा ने कहा, अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है, उन्हें पेरिस में अपना दमखम दिखाना होगा और उस विशेष दिन पर प्रदर्शन करना होगा। यह किसी भी तरह से आसान नहीं होने वाला है। उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। वर्षों से सीखी गई प्रक्रिया, अपने कौशल को खेल में उतारने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। वे इस वास्तविकता के बारे में भूल जाते हैं मौजूदा समय की अहमियत सबसे ज्यादा है। भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी माथौ ने कहा कि पेरिस असाधारण खेल आयोजित करने के लिए तैयार है।

ह्यूस्टन स्क्वाश के फाइनल में हारे चोतरानी

नई दिल्ली। भारत के वीर चोतरानी ह्यूस्टन में 9000 डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर टूर प्रतियोगिता कान्सो ओपन स्क्वाश के फाइनल मे पाकिस्तान के मुहम्मद अशाब इरफान से पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 2-3 से हार गए। विश्व मे 106वें स्थान पर काबिज और यहां चौथे वरीय चोतरानी ने दो बार वापसी करके बराबरी की लेकिन तीसरी वरीयता प्राप्त इरफान ने रविवार को खेले गए फाइनल में निर्णायक गेम अपने नाम करके खिताब जीता। पाकिस्तान के खिलाड़ी मे 80 मिनट तक चले इस मैच मे 11-7 8-11 12-10 8-11 11-8 से जीत दर्ज की।

लीप जिम्नास्टिक के युवाओं ने ओलंपियन दीपा करमाकर से सीखे गुर

मुंबई। रियो ओलंपिक मे चौथे स्थान पर रही भारतीय जिम्नास्ट दीपा करमाकर ने जेएसडब्ल्यू समूह की पहल लीप जिम्नास्टिक में युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। दीपा ने यहां परिसर का दौरा करके युवाओं को शीर्ष स्तर पर कामयाब होने के लिए कई उपयोगी टिप्स दिए। संस्था द्वारा जारी विज्ञप्ति में दीपा ने कहा , मुझे लगता है कि भारतीय जिम्नास्टिक की अगली पीढी को बढावा देने के लिए इस तरह की पहल जरूरी है। इस तरह से उन्हें विश्व स्तर पर चमकने के लिए मौके और मंच मिलेगा।

ओडिशा के दो खिलाड़ियों को 15 लाख देने की घोषणा

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को हॉकी खिलाड़ी अमित रोहिदास और दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना के लिए 15-15 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि की घोषणा की। ए दोनों पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार माझी ने उम्मीद जताई कि प्रोत्साहन राशि ओडिशा के दो खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और देश को गौरवांवित करने के लिए प्रेरित करेगी। माझी ने कहा कि जेना और रोहिदास ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करके अपने गृह नगरो के साथ-साथ पूरे राज्य को गौरवांवित किया है।

मालदीव ने टी20 विश्व विजेता भारतीय टीम को आमंत्रित किया

माले। मालदीव के पर्यटन संघ और उसके विपणन एवं जनसंपर्क निगम ने हाल ही में टी20 विश्व चैपियन बनी भारतीय क्रिकेट टीम को जीत का जश्न मनाने के लिए अपने देश आमंत्रित किया है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने बारबडोस में 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर ट्रॉफी जीती थी। दोनों निकायों ने एक संयुक्त बयान मे कहा, मालदीव मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन (एमएमपीआरसी विजिट मालदीव) ने मालदीव एसोसिएशन ऑफ टूरिज्म इंडस्ट्री (एमएटीआई) के सहयोग से भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को एक विशेष और खुला निमंत्रण दिया है।

रेहान थॉमस अपने दूसरे पेशेवर टूर्नामेंट में ही शीर्ष 10 में शामिल रहे

रबात (मोरक्को)। भारत के रेहान थॉमस ने 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट मे शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी दूसरी पेशेवर प्रतियोगिता मे ही शीर्ष 10 मे जगह बनाई। दुबई में रहने वाले इस भारतीय खिलाड़ी ने चार दौर मे 69-73-69-72 का स्कोर बनाया। उनका कुल योग नौ अंडर रहा जिससे वह संयुक्त आठवें स्थान पर रहे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम महिला टी-20 में भारत को करनी होगी बेहतर गेंदबाजी

चेन्नई। भारतीय महिला टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मंगलवार को यहां आखिरी मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तक उसके सामने जीत दर्ज कर इसे।-। से बराबर करने की चुनौती होगी। इसके लिए हालांकि भारतीय गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा जिसके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में नौ विकेट पर 189 रन बनाकर 12 रन से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में बारिश के कारण भारत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन गेंदबाजों ने इस मुकाबले में भी छह विकेट पर 177 रन लुटाए थे। तीसरे टी20 में पर भी खराब मौसम का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि मंगलवार को भी बारिश की 30 से 40 प्रतिशत संभावना है। दोनों मैचों में दो-दो विकेट लेने वाली पूजा वस्त्राकर और स्पिनर दीप्ति शर्मा को छोड़कर, अधिकांश भारतीय गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे है। रेणुका सिंह के पहले मैच में असरहीन रहने के बाद दूसरे मुकाबले में सजीवन सजना को मौका मिला लेकिन इससे भी टीम को कोई फायदा नहीं हुआ। श्रेयंका पाटिल और राधा यादव ने रविवार को एक-एक विकेट लिया लेकिन यह दोनों गेंदबाज भी रन रोकने में नाकाम रहे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहेंगी कि श्रृंखला दांव पर होने के कारण उनके गेंदबाज कड़ी मेहनत करें। बल्लेबाजी के मोर्चे पर पहले मैच में भारतीयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 53), स्मृति मंधाना (46), हरमनप्रीत (35), शेफाली वर्मा (18) और दयालन हेमलता (14) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। टी20 में रविवार को पदार्पण करने वाली विकेटकीपर उमा छेत्री के टीम में बने रहने की संभावना है। टीम प्रबंधन बल्ले से उनके योगदान को देखना चाहेगा। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए तजमिन ब्रिट्स ने लगातार दो अर्धशतक लगाकर शानदार लय में होने का सबूत दिया है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे से बाहर रह सकते हैं रोहित, विराट और बुमराह

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है और केएल राहुल या हार्दिक पंड्या इस प्रारूप में कप्तानी कर सकते हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी वनडे श्रृंखला से ब्रेक दिया जा सकता है। समझा जाता है कि रोहित और विराट ने बीसीसीआई से लंबा ब्रेक मांगा है चूंकि दोनों आईपीएल की शुरूआत से लगातार खेल रहे हैं। सैतीस बरस के रोहित ने छह महीने से ब्रेक नहीं लिया है। उन्होंने दिसंबर जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से लगातार खेला है। उसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टी20, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला, आईपीएल और टी20 विश्व कप शामिल है। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया , चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे तैयारी के लिए काफी है। इसके बाद अगले कुछ महीने दोनों टेस्ट को प्राथमिकता देंगे क्योंकि भारत को सितंबर से जनवरी के बीच दस टेस्ट खेलने हैं।

क्विक न्यूज

रोजारियो, मूसा पुरूष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के लिए आवेदन करने वालों में शामिल

नई दिल्ली। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा उन भारतीयो मे शामिल है जिन्होने राष्ट्रीय पुरूष टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन किया है। यह पद इगोर स्टिमक को बर्खास्त किए जाने के बाद से खाली पड़ा है।अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को दुनिया भर से कुल मिलाकर 291 आवेदन मिले है। इनमे से 100 आवेदनकर्ता यूएफा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक है जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास कोनमेबोल (दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक है। मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने मे मदद करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एआईएफएफ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर पीटीआई को बताया, स्टेनली रोजारियो और नौशाद मूसा उन भारतीयों में शामिल है जिन्होंने आवेदन किया है और एएफसी प्रो लाइसेंस धारक है। एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है। पता चला है कि छांटे गए उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे।

यूरो 2024 : सेमीफाइनल में स्पेन का सामना काइलियान एमबाप्पे की फ्रांस से

म्युनिख। स्पेन और फ्रांस यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में मंगलवार को आमने सामने होंगे जिसमें टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम का सामना सबसे कम गोल करने वाली टीम से होगा जिसके स्टार खिलाड़ी काइलियान एमबाप्पे भी फॉर्म में नही हैं। इस मैच के विजेता का सामना रविवार को बर्लिन मे फाइनल मे इंग्लैड या नीदरलैंड से होगा। इंग्लैड और नीदरलैड का सेमीफाइनल बुधवार को खेला जाएगा। स्पेन और फ्रांस दोनों के क्वार्टर फाइनल अतिरिक्त समय तक खिंचे। स्पेन ने अतिरिक्त समय के आखिरी मिनट में सब्स्टीट्यूट मिकेल मेरिनो के गोल के दम पर मेजबान जर्मनी को 2-1 से हराया जबकि फ्रांस ने पेनल्टी शूटआउट में पुर्तगाल को हराया। फ्रांस का कोई खिलाड़ी ओपन प्ले मे यूरो 2024 में गोल नही कर सका। फ्रांस को दो आत्मघाती गोलों और पेनल्टी में एमबाप्पे के एक गोल का फायदा मिला। स्पेन ने टूर्नामेंट में 11 गोल किए। एमबाप्पे का सामना रीयाल मैड्रिड के अपने कई साथी खिलाड़ियों से होगा। आस्ट्रिया के खिलाफ पहले मैच में नाक टूटने के बाद वह फिर रक्षात्मक मास्क पहनकर खेलेंगे।

सीएमएफबाय नथिंग स्पोर्ट्स मोड को देगा बढ़ावा

नई दिल्ली। लंदन की टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग के उपब्रांड सीएमएफ ने तीन नए प्रोडक्ट सीएमएफ फोन 1, सीएमएफ वॉच प्रो 2 और सीएमएफबड्स प्रो 2 को पेश कर दिया है। यह एक वर्सटाइल और स्टाइलिश स्मार्टवॉच है, इसमें एक इंटरचेंजेबल बेज़ल डिज़ाइन 1.32, एमोलेड ऑलवेजऑन डिस्प्ले है जो हाई रिज़ॉल्यूशन प्रदान करता है। इसके साथ ही इसमें 100 से अधिक वॉच फेस कस्टमाइज़ेबल विकल्प भी दिए गए हैं। यह 120 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड और 5 स्पोर्ट के ऑटोमेटिक रिकॉग्निशन को सपोर्ट करता है। इसमें चौबीसों घंटे हेल्थ मॉनीटरिंग, ब्लूटूथ कॉल, म्यूजिक कंट्रोल और नोटिफिकेशन एवं रिमोट कैमरा कंट्रोल जैसे इंटेलिजेंट फीचर्स भी दिए गए हैं। सीएमएफ फ़ोन 1 दो मॉडल में उपलब्ध होगा 6जी बी . 128 जी बी वैरिएंट की कीमत 15,999 है और 8 जी बी . 128 जी बी वैरिएंट की कीमत 17,999 है। डे 1 सेल के मौके पर सीमित अवधि के लिएए ग्राहक खास बैंक ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। जिससे वे 6 जी बी, 128 जी बी वैरिएंट को 14,999 और 8 जी बी . 128 जी बी वैरिएंट को 16,999 में खरीद सकते हैं। सीएमएफ फ़ोन 1 के लिए एक्सेसरीज़ में 1499 का केस 799 का स्टैंड 799 का लैनयार्ड और 799 का कार्ड केस शामिल है। इसके दमदार कैमरा सिस्टम में सटीक बोकेह इफेक्ट के लिए एक डेडिकेटेड पोर्ट्रेट सेंसर के साथ सोनी 50 एम पी रियर कैमरा और 16 एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है। सहज इंटरेक्शन के लिए चमकदार 6.67 इंच सुपर एमोलेड डिस्प्ले में एक अल्ट्रा.स्मूथ 120 हर्ट्ज एडेप्टिव रिफ्रेश रेट दी गई है।

भारतीय महिला टीम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में म्यांमा पर पहली जीत दर्ज करने उतरेगी

नई दिल्ली।भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को यांगून में होने वाले दोस्ताना मैच में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली म्यांमा टीम पर जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। विश्व रैंकिंग में 67वें स्थान पर काबिज भारत ने 54वीं रैंकिंग वाली म्यांमा के खिलाफ अब तक पांच मे से एक भी मैच नही जीता है। चार मैच हारे और एक ड्रॉ रहा। दोनो टीमो के बीच आखिरी मुकाबला 2019 मे एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर में हुआ था जो 3-3 से ड्रॉ रहा। संध्या रंगनाथन, संजू और एन रतनबाला देवी सभी उस टीम का हिस्सा थी और मौजूदा टीम मे भी है। इन्होने उस मैच मे गोल दागे थे। इससे पहले भारतीय टीम चार बार एएफसी महिला एशियाई कप क्वालीफायर मे म्यांमा से हारी है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व जयसूर्या श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनत जयसूर्या को इस महीने के अंत मे भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरो की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है। देश के क्रिकेट बोर्ड का कहना है कि अगले कुछ महीनो मे स्थाई समाधान मिलने तक वह टीम का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त व्यक्ति है। भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचो के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने यहां जारी बयान मे कहा, श्रीलंका क्रिकेट सनत जयसूर्या को राष्ट्रीय टीम के अंतरिम प्रमुख कोच के रूप मे नियुक्त करने की घोषणा करता है। वह सितंबर 2024 मे श्रीलंका के इंग्लैड दौरे के पूरा होने तक इस पद पर कार्य करेंगे। आक्रमक बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के पूर्व वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह अंतरिम आधार पर टीम की जिम्मेदारी संभालेगे। सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप मे टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था।

मुंबई सिटी ने भारतीय स्ट्राइकर डेनियल लालहलिमपुइया को अपने साथ जोड़ा

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने भारतीय स्ट्राइकर डेनियल लालहलिमपुइया को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए फ्री ट्रांसफर पर अपने साथ जोड़ा है। मिजोरम के रहने वाले 26 साल के लालहलिमपुइया पिछले दो सत्र मे पंजाब एफसी की टीम का हिस्सा थे। वह पिछले सत्र मे आईएसएल के तीन मैचों में खेले लेकिन गोल करने में नाकाम रहे। वह पिछले सत्र मे सभी टूर्नामेंट मे नौ मैच खेले लेकिन कोई गोल नही कर पाए। चंडीगढ़ फुटबॉल अकादमी के साथ अपने युवा करियर की शुरुआत करने के बाद लालहलिमपुइया एआईएफएफ एलीट अकादमी से जुड़े।

अश्विन ने ग्लोबल चेस लीग में टीम खरीदी

नई दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अमेरिकन गैम्बिट्स टीम के सह मालिक बन गए हैं जो ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली नई टीम है। जीसीएल टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के संयुक्त स्वामित्व वाली लीग है। लंदन में तीन से 12 अक्टूबर तक होने दूसरे सत्र के लिए लीग ने सोमवार को छह फ्रेंचाइजी को पेश किया। जाने माने व्यवसाई प्रचुर पीपी, वेंकट के नारायण और अश्विन के स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स टूर्नामेंट में चिंगारी गल्फ टाइटंस की जगह लेगी। हम अमेरिका गैम्बिट्स को शतरंज जगत के सामने पेश करके रोमांचित हैं।

इटली के तीन खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में

● विबलडन टेनिस

● रिबाकिना और स्वितोलिना भी जीती

भाषा। लंदन

इटली के लोरेंजो मुसेत्ती ने पांच फुट आठ इंच लंबे फ्रांस के जियोवान्नी एमपेत्सी को हराकर पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मुसेत्ती ने 21 वर्ष के प्रतिद्वंद्वी को विम्बलडन प्री क्वार्टर फाइनल में 4- 6, 6- 3, 6-3, 6 -2 से मात दी। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर और महिला वर्ग में सातवीं रैंकिंग वाली जैसमीन पाओलिनी ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। यह पहली बार हुआ है कि इटली के तीन खिलाड़ी किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हों।सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा। गत चैंपियन अल्काराज ने 16वें वरीय उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-4, l-6, 7-5 से पराजित किया। मुसेत्ती का सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव या टेलर फ्रिट्ज से होगा। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डि मिनौर ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6- 2, 6-4, 4-6, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना सात बार के चैम्पियन नोवाक जोकोविच या होल्गर रूने से होगा। पॉल ने रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-2, 7-6 (3), 6-2 से हरा कर पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने ग्रिगोर दिमित्रोव के पहले सेट में पांव पर चोट लग जाने के कारण बाहर हो जाने से अंतिम आठ में प्रवेश किया। महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन कोको गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया। क्वालीफायर लुलु सन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है ।

पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहा हूं: बुमराह

भाषा नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप का चैंपियन बनने के बाद स्वदेश में मिले शानदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त करने की कड़ी में गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहे हैं। इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टूर्नामेंट में 15 विकेट लिए। बुमराह ने टी20 विश्व कप में भारत की 17 साल बाद खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। बुमराह ने एक्स पर पोस्ट किया, मैं पिछले कुछ दिनों से बहुत आभारी हूं। मैं सपनों में जी रहा हूं और इसने मुझे खुशी और कृतज्ञता से भर दिया है। इस तेज गेंदबाज ने इसके साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें स्वदेश लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नाश्ते और मुंबई में लाखों प्रशंसकों के साथ विजय परेड के अंश शामिल हैं। 42 सेकंड की इस क्लिप में गुरुवार को परेड के बाद सम्मान समारोह के दौरान विराट कोहली के भाषण का ऑडियो भी शामिल है जिसमें वह बुमराह के योगदान की प्रशंसा कर रहे हैं। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर भारत को शानदार वापसी दिलाई थी। दक्षिण अफ्रीका को एक समय 30 गेंद पर 30 रन चाहिए थे लेकिन इन दोनों ने मिलकर उसकी बल्लेबाजी को थर्रा दिया और भारत सात रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा। कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि बुमराह जैसा खिलाड़ी कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है। इसके बाद स्टेडियम में बुमराह के नाम की गूंज सुनाई देने लगी।विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने कहा था, मैं चाहता हूं कि सभी उस खिलाड़ी की प्रशंसा करें जिसने हमेशा हमें बार-बार वापसी दिलाई है। यह अद्भुत प्रदर्शन था। उस जैसा गेंदबाज कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है। मुझे खुशी है कि वह हमारे लिए खेलता है। बुमराह का हाल में अहमदाबाद अपने घर पहुंचने पर फूलों से स्वागत किया गया था।

जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो युवराज काफी खुश थे, अब उन्हें गर्व होगा: अभिषेक शर्मा

हरारे। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण मैच में जब वह शून्य पर आउट हो गए थे तो उनके मेंटर (मार्गदर्शक) युवराज सिंह काफी खुश थे क्योंकि इस पूर्व ऑलराउंडर का मानना था कि यह अच्छी शुरुआत है। अभिषेक भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए खाता नहीं खोल पाए थे। जिंबाब्वे ने यह मैच 13 रन से जीता। अभिषेक ने हालांकि शानदार वापसी करके दूसरे मैच में 47 गेंद पर 100 रन बनाए जिससे भारत यह मैच 100 रन से जीतने में सफल रहा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें अभिषेक ने कहा, मैंने कल (शनिवार) को उनसे (युवराज) बात की और मैं नहीं जानता कि जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह क्यों बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह अच्छी शुरुआत है लेकिन अब वह मेरे परिवार की तरह खुश होंगे और उन्हें मुझ पर गर्व होगा। अभिषेक ने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर उनका कौशल सुधारने बल्कि मैदान के बाहर भी उनका समर्थन करने के लिए भारत की 2011 की विश्व कप की जीत के नायक युवराज का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा, मैं आज जो भी हूं उसमें उनकी काफी अहम भूमिका रही है। उन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की। उन्होंने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर मेरा कौशल निखारा बल्कि मैदान के बाहर की जिंदगी में भी मेरी मदद की। रविवार को खेले गए मैच के बाद अभिषेक ने युवराज से बात की और वह इस युवा बल्लेबाज के प्रदर्शन से काफी खुश थे। युवराज ने कहा, शाबास, मुझे तुम पर गर्व है। तुम इसके हकदार थे। यह तो अभी शुरुआत है। आगे अभी इस तरह की कई पारियां खेलोगे।

अभिषेक के लिए फिर शुभ साबित हुआ शुभमन का बल्ला

हरारे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में शून्य पर आउट होने के बाद भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जिंबॉब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिस बल्ले से शतक जड़ा, वह उन्होंने कप्तान शुभमन गिल से लिया था, जो जूनियर क्रिकेट के दिनों की तरह यहां भी उनके लिए शुभ साबित हुआ। अभिषेक ने 47 गेंद पर 100 रन की तूफानी पारी खेली जिससे भारत ने यह मैच 100 रन से जीत कर तीन मैच की श्रृंखला।-। से बराबर की। अभिषेक ने मैच के बाद गिल का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, शुभमन का विशेष आभार जो उन्होंने सही समय पर मुझे अपना बल्ला दिया। मेरे लिए और टीम के लिए इस पारी की सख्त जरूरत थी। अभिषेक ने कहा, ऐसा अंडर-14 के दिनों से हो रहा है। मैं जब भी उनके बल्ले से खेला मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और आज भी ऐसा हुआ। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं केवल उनके बल्ले से खेला जो मुझे काफी मिन्नत करने के बाद मिला। वह अपना बल्ला आसानी से नहीं देते हैं। जब मुझे लगता है कि वापसी के लिए मुझे उनके बल्ले से खेलना होगा, तब यह मेरे लिए अंतिम विकल्प की तरह होता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।